हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही
28 फरवरी, 2017

खण्ड–1, अंक–02

अधिकृत विवरण

विषय सूची
मंगलवार, 28 फरवरी, 2017

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	3
हरियाणा विधान सभा के भूवपूर्व मंत्री, भूतपूर्व सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता का अभिनन्दन	4
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	5
हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष का अभिनन्दन	35
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	35
नियम 45(1)के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	39
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	44
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संख्या –1 को टालने के संबंध में अध्यक्ष महोदय द्वारा घोषणा	83
स्थगन प्रस्तावों/बैठक के स्थगन का मामला उठाना	83
स्थगन प्रस्ताव/ ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं	89
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	94
गैर सरकारी संकल्पों की सूचनाएं	96
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा	96

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 28 फरवरी, 2017

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब माननीय मुख्यमंत्री जी शोक प्रस्ताव रखेंगे।

मुख्यमंत्री(श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, आज मैं सदन में दो शोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहा हूँ। ये शोक प्रस्ताव इस प्रकार से हैंः–

श्री पी. शिव शंकर, सिक्किम व केरल के भूतपूर्व राज्यपाल

यह सदन सिक्किम और केरल के भूतपूर्व राज्यपाल श्री पी. शिव शंकर के 27 फरवरी, 2017 को हुए दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनका जन्म 10 अगस्त, 1929 को हुआ। वे 1979, 1980 तथा 1998 में लोक सभा तथा 1985 व 1987 में राज्यसभा के सदस्य चुने गए। वे 1980–84 तथा 1986–89 के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे। उन्होंने 1994 से 1995 के दौरान सिक्किम तथा 1995 से 1996 के दौरान केरल के राज्यपाल पद को सुशोभित किया। उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

स्वतंत्रता सेनानी

यह सदन स्वतंत्रता सेनानी श्री कुन्दन सिंह, गांव खाण्डा, जिला सोनीपत के 27 फरवरी, 2017 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल (जुलाना): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने सिक्किम व केरल के भूतपूर्व राज्यपाल तथा स्वतंत्रता सेनानी श्री कुंदन सिंह का दिनांक 27 फरवरी, 2017 को हुए दुःखद निधन पर जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं उसका अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से समर्थन करता हूँ और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि इनके दुःखद निधन से जो इनके परिवारों को आघात पहुंचा है, उस आघात को सहने की इनके परिवार को हिम्मत मिले। ये वे महान विभूतियां थी जिनसे पूरे समाज को मार्गदर्शन मिलता था और भविष्य में भी पूरे समाज को इनके द्वारा दिखाये गए रास्ते से निश्चित रूप से मागदर्शन मिलता रहेगा और समाज इनकी नीतियों का अनुसरण करते हुए प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से तथा अपनी तरफ से इस शोक प्रस्ताव का अनुमोदन करती हूँ और इसमें अपनी पूरी आस्था व्यक्त करती हूँ।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्यमंत्री जी ने अभी जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है और उस पर विभिन्न दलों के सदस्यों ने जो अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं, मैं भी अपने आपके उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूँ। मैं श्री पी. शिव शंकर जो सिक्किम व केरल के भूतपूर्व राज्यपाल भी रहे, के 27 फरवरी, 2017 के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। वे तीन बार लोक सभा के सदस्य भी चुने गए और दो बार राज्यसभा के सदस्य भी रहे साथ ही वे दो बार केन्द्रीय मंत्री भी रहे। मैं श्री कुंदन सिंह स्वतंत्रता सेनानी को भी अपनी तरफ से नमन करता हूँ और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि इस दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे ताकि इन सभी को शांति प्राप्त हो सके। मैं इस सदन की भावनाएं शोक संतप्त परिवारों तके पहुंचा दूँगा। अब मैं सदन के सभी सदस्यों से विनती करूंगा कि इन महान आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

.....

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व मंत्री, भूतपूर्व सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता का अभिनन्दन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष जी, चौधरी रणसिंह मान भूतपूर्व मंत्री, हरियाणा, श्री रणबीर सिंह मंदौला, भूतपूर्व विधायक, हरियाणा विधान सभा तथा श्री सुरेश जी भट्ट, भारतीय जनता पार्टी के नेता जो सदन की वी.आई.पी. दीर्घा में सदन की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं मैं सदन की तरफ से उन सभी का अभिनन्दन करता हूँ ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल शुरू होता है ।

To Provide Necessary Facilities in the Stadium

***1746**.**Smt. Kiran Choudhary**. : Will the Sports and Youth Affairs Minister be pleased to state:-

(a) whether it is fact that the a sports stadium was inaugurated at village Kharkri Makhwan (Tosham) on panchayat land on 24 July, 2014 and

thereafter village panchayat had constructed its boundary wall, rooms and water tanks etc. by spending Rs.25 lac on it but the work is till incomplete; and

(b) if so, the action taken by the state government and the time by which the government will complete this stadium and provide necessary facilities, sports kits and coach for practice of the players?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) :

(क) जी श्रीमान, स्टेडियम 23.75 लाख रूपये की लागत से बनाया गया था जिसमें चारदीवारी, कमरे तथा पानी का टैंक शामिल है ।

(ख) अभी तक यह स्टेडियम खेल विभाग द्वारा टेक ओवर नहीं किया गया है । जैसे ही विभाग स्टेडियम को टेक ओवर करेगा, मूलभूत खेल सुविधाएं उपलब्ध करवा दी जाएंगी ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, मैंने इस प्रश्न को पिछले सेशन में भी लगाया था लेकिन उस समय यह लग नहीं पाया था । अब मैं इसकी सप्लीमैंट्री पूछना चाहती हूं । गांव देवराला की पंचायत ने स्टेडियम निर्माण के लिए पैसा डिपोजिट किया जा चुका है परंतु वहां पर अभी तक स्टेडियम नहीं बनाया गया है । इसके अतिरिक्त हलका तोशाम के रोडां गाँव में भी स्टेडियम बनाया जाना सैंक्शन हो चुका है मगर अभी तक वहां भी स्टेडियम का निर्माण नहीं हो पाया है । अतः मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से प्रश्न है कि इन स्टेडियम्ज के निर्माण का कार्य कब तक शुरू हो जाएगा ?

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, अभी मैं माननीय सदस्या के सप्लीमैंट्री प्रश्न का एग्जैक्ट आंसर नहीं दे पाऊँगा क्योंकि माननीय सदस्या ने एक सैप्रेट क्वैश्चन पूछा है । (विघ्न)

Smt. Kiran Choudhry : Speaker Sir, It is the part of my constituency. (interruption)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बेसिक बताना चाहता हूं कि पंचायत ने यह पैसा जमा कराया है परंतु स्टेडियम के निर्माण करने का कार्य पंचायती राज विभाग का है । जब स्टेडियम बनकर तैयार हो जाता है तब हमारे विभाग के पास स्टेडियम ट्रांसफर होता है । इसके बाद ही हमें स्टेडियम की सही स्थिति का पता चलता है । इन स्टेडियम्ज के बन जाने के बाद ही हम इन्हे टेकओवर करेंगे ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आश्वासन चाहती हूं कि वे इन स्टेडियम्ज को अगले विधान सभा सत्र तक जल्दी से जल्दी बनवाकर जनता को सुपुर्द करें ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि अगर इन स्टेडियम्ज के लिए जमीन दी जा चुकी है और स्टेडियम्ज बनाने के लिए नॉर्म्स भी पूरे हैं तो हम स्टेडियम्ज बना देंगे । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, अगर कोई स्टेडियम सैंक्शन हो गया है तो इसका अर्थ है कि वह नॉर्म्स को पूरा करता है । (विघ्न) तो क्या आप इन स्टेडियम्ज को बनाएंगे ?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि हम इन स्टेडियम्ज को बना देंगे ।

Re-Construction of Roads

*1677. **Sh Ved Narang.** : Will the PW (B&R) Minister be pleased to state whether it is a fact that the condition of roads is very bad in Millgate area of Barwala Assembly Constituency; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to reconstruct the said roads togetherwith the details thereof ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह): श्रीमान् जी विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

लोक निर्माण विभाग की निम्न 3 सड़कें बरवाला निर्वाचन क्षेत्र के मील गेट क्षेत्र में पड़ती हैं। विवरण निम्न प्रकार हैः–

संख्या न0.	सड़क का नाम	उत्तर
1.	हिसार–रायपुर सड़क (भाग कि0 मी0 0.00 से 0.60 तक)	सड़क अच्छी स्थिति में है।
2.	मील गेट से राष्ट्रीय राज मार्ग–9 (भाग कि0मी0 0.00 से कि0मी 0.450 तक)	सड़क की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसके सुधार के लिए 177.25 लाख रू. की राशि की निविदा 16.02.2017 को 4 महीने की अवधि के साथ स्वीकृत की जा चुकी हैं। कार्य के 31.07.2017 तक पूर्ण किए जाने की संभावना है।
3.	हिसार मिर्जापुर सड़क से बाईपास राष्ट्रीय राजमार्ग–9 (भाग कि0मी0 0.00 से 2.360 तक)	सड़क की स्थिति अच्छी है। सड़क का रख–रखाव सामान्य पैच कार्य द्वारा रख–रखाव निधि के अर्न्तगत किया जा रहा है। वर्तमान में इसके सुधारीकरण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री वेद नारंग को बताना चाहूंगा कि बरवाला हलके की इनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के अतिरिक्त दो अन्य सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं है । पहली सड़क लौहारिया चौक से मिल गेट तक है । इसकी स्थिति अच्छी नहीं है और इसके लिए 3 करोड़ रूपये की एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल हो चुकी है । फिलहाल इसका काम चल रहा है और 15 जुलाई तक इसका काम समाप्त हो जाएगा । दूसरी सड़क बरवाला चुंगी से लौहारिया गेट तक है । इसकी स्थिति भी अच्छी नहीं है । इस सड़क को बनाने के लिए 3 करोड़ 62 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है और इसका काम अभी शुरू होने वाला है ।

श्री वेद नारंग : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि हिसार मिर्जापुर सड़क की स्थिति अच्छी नहीं है । उसकी हालत काफी दयनीय है । मैं बताना चाहता हूं कि इसकी पैच वर्क करने के नाम पर सिर्फ खाना–पूर्ति कर दी जाती है । अतः हिसार से मिर्जापुर की सड़क की हालत काफी खराब है । मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस सड़क के निर्माण के लिए कोई योजना बना रही है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नारंग साहब, आपने माननीय मंत्री जी से तीन सड़कों के बारे में पूछा था लेकिन उन्होंने पांच सड़कों का जवाब दे दिया है ।

श्री नरबीर सिंह : अध्यक्ष जी, मुझे जो जानकारी दी गई है उसके अनुसार इस सड़क की हालत अच्छी है । फिर भी मैं माननीय विधायक की तसल्ली के लिए दोबारा से पता करवा लूंगा । अगर सड़क की हालत अच्छी नहीं हुई तो उसे दोबारा से बनवा दिया जाएगा ।

.....

Re-construction of Bridge

***1682 Sh. Jagbir Singh Malik. :** Will the Irrigation Minister be pleased to state whether the bridge over Bhalout Sub Branch on Gohana Kharkhoda Road is lying in dilapidated condition; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to re-construct the said bridge; together with the details thereof?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : हाँ, श्रीमानजी, सरकार ने इस पुल के पुर्ननिर्माण के लिए दिनांक 21.12.2016 को 115.80 लाख रुपये की प्रशासनिक

अनुमति प्रदान की है। अध्यक्ष जी, इस पुल के निर्माण के लिए मार्च महीने में टैण्डर कर दिया जाएगा । उम्मीद है कि इसका कार्य दिसम्बर तक पूर्ण हो जाएगा ।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, यह पुल 6 महीने पहले बना था और इस पर करोड़ों रूपयों की लागत आई थी। अध्यक्ष महोदय, क्या विभाग इस पुल की जाँच करवायेगा कि किस तरह से यह पूल टूटा है ? अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न के अलावा जीन्द–सोनीपत नेशनल हाईवे पर बड़वासनी गांव के पुल पर से सिर्फ एक ही व्हीकल गुजर सकता है इसलिए इस पुल पर अधिकतर जाम की स्थिति बनी रहती है। अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार उस पुल को भी डब्ल्यू.जे.सी. प्रोग्राम के तहत अपग्रेड करके चौड़ा बनायेगी?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की यह बात ठीक है कि यह पुल टूटा हुआ है क्योंकि यह लोहे का बना हुआ था। अध्यक्ष महोदय, इस पुल पर प्रशासन की बिना अनुमति के 164 टायरों वाला एक ट्राला आ गया था जिसके कारण यह पुल बैठ गया था। लेकिन इस पुल के पुनर्निर्माण के लिए अभी काम चल रहा है। पुल के साइड में लोगों के आने–जाने के लिए ईंटों का रोड़ बना दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि अब सीमेंट/कंकरीट का पुल बन रहा है, जिस पर कितना ही ओवर लोड का साधन आ जाये वह आसानी से गुजर जायेगा।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी दूसरे पुल के बारे में भी सदन को बताएं।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह माननीय विधायक का एक अलग प्रश्न है।

Shortage of Doctors and Paramedical Staff

***1706. Dr. Abhey Singh Yadav.** : Will the Health Minister be pleased to state -

(a) the number of sanctioned posts of doctors and Paramedical staff at present in Community Health Centre in Nangal Choudhary and other Health Centres situated in Nangal Choudhary Constituency togetherwith the strength of staff and doctors working at present therein;

(b) the number of doctors out of the available doctors in the abovesaid constituency have been appointed on deputation basis on other places; and

(c) the time by which the shortage of doctors and Paramedical staff is likely to be met out ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री अनिल विज): श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर रखी है।

सूचना

(क) नांगल चौधरी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा नांगल चौधरी निर्वाचन क्षेत्र में स्थित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों तथा पैरा मैडिकल अमले के स्वीकृत पदों की स्थिति निम्न अनुसार है:–

स्वास्थ्य संस्था का नाम	श्रेणी का नाम	स्वीकृत	भरे हुये	रिक्त
सी.एच.सी नांगल चौधरी	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	0
	चिकित्सा अधिकारी	4	2	2
	दंतक सर्जन	1	1	0
	पी.एच.एन.	1	0	1
	नर्सिंग सिस्टर	1	0	1
	स्टाफ नर्स (नियमित)	8	5	3
	स्टाफ नर्स (अनुबंध)	3	3	0
	एस.एम.आई.	1	1	0
	प्रयोगशाला तकनीशियन (सा.)	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन (मलेरिया)	1	1	0
	औषधाकारक (नियमित)	2	0	2
	औषधाकारक (अनुबंध)	1	1	0
	ब्लाक एक्सटैंशन एजूकेटर	1	0	1
	दंतक सहायक	1	0	1
	नेत्र सहायक	1	1	0
	एम.पी.एच.एस. (मेल)	5	4	1
	एम.पी.एच.एस. (फिमेल)	5	3	2
पी.एच.सी. बुडवाल	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0
	दंतक सर्जन	1	1	0
	औषधाकारक	1	0	1
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
पी.एच.सी. बयाल	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
	दंतक सर्जन	1	0	1
	औषधाकारक	1	0	1
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
पी.एच.सी. आंतरी	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
	दंतक सर्जन	1	1	0
	औषधाकारक	1	1	0
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
पी.एच.सी. सिरोही बहाली	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
	दंतक सर्जन	1	1	0
	औषधाकारक	1	1	0

	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	1	0
पी.एच.सी. बामनवास	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
	दंतक सर्जन	1	0	1
	औषधाकारक	1	0	1
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
नांगल चौधरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र	एम.पी.एच.डब्लयू. (मेल)	23	8	15
	एम.पी.एच.डब्लयू (फिमेल)	26	16	10
सी.एच.सी दोचाना	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	0	1
	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
	दंतक सर्जन	1	0	1
	औषधाकारक	1	1	0
	स्टाफ नर्स (नियमित)	2	0	2
	स्टाफ नर्स (अनुबंध)	3	0	3
	प्रयोगशाला तकनीशियन (सा.)	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन (मलेरिया)	2	2	0
	नेत्र सहायक	1	1	0
	एम.पी.एच.एस. (मेल)	1	1	0
	एम.पी.एच.एस. (फिमेल)	1	1	0
	एम.पी.एच.डब्लयू.(मेल)	1	0	1
	एम.पी.एच.डब्लयू. (फिमेल)	2	2	0
	ब्लाक एक्सटैंशन एजूकेटर	1	1	0
पी.एच.सी. छिलरो	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0
	दंतक सर्जन	1	1	0
	औषधाकारक	1	0	1
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
पी.एच.सी. बल्लाह कलां	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0
	दंतक सर्जन	1	1	0
	औषधाकारक	1	1	0
	स्टाफ नर्स	2	0	2
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1
	एम.पी.एच.एस. (मेल)	1	1	0
पी.एच.सी. बिगोपुर	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0
	दंतक सर्जन	1	0	1
	औषधाकारक	1	1	0
	स्टाफ नर्स	1	0	1
	प्रयोगशाला तकनीशियन	1	0	1

(ख) पांच

(ग) चिकित्सकों तथा पैरामैडिकल स्टाफ की चल रही भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने पर।

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि सूचना सदन के पटल पर रखी हुई है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से एक बात पूछना चाहूँगा कि नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मेडिकल ऑफिसर्ज

पहले ही कम हैं और उनमें से भी 5 डॉक्टर्ज को दूसरी जगह प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगा कि नांगल चौधरी दूर स्थित इलाका है और वह दक्षिण हरियाणा का हिस्सा है। जिला स्तर पर पहले ही डॉक्टर्ज की कमी रहती है, इस तरह से नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तो डॉक्टर्ज की बिल्कुल ही कमी रहती है। जिले में स्थित सभी पी.एच.सीज. में डॉक्टर्ज की पहले ही कमी है। नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में से 5 डॉक्टर्ज को निकाल कर दूसरी जगह प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया है, इस तरह से नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर्ज की और कमी हो गई है। अध्यक्ष महोदय, डॉक्टर्ज की जो प्रतिनियुक्ति की जाती है, क्या यह उचित है?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, डॉक्टर्ज की आपातकाल के समय में ही प्रतिनियुक्ति की जाती है। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि जो 5 डॉक्टर्ज की प्रतिनियुक्ति की गई थी, उनमें से 3 डॉक्टर्ज की प्रतिनियुक्ति 2–2 दिन के लिए की गई है। अर्थात् सप्ताह में तीन दिन वे नांगल चौधरी में अपनी सेवाएं देंगे और दो दिन नारनौल में अपनी सेवाएं देंगे। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का जो प्रश्न सदन में उठाया है, उस पर अमल करते हुए मैं विभाग से कहूँगा कि जो 3 डॉक्टर्ज की प्रतिनियुक्ति 2–2 दिन के लिए की गई है उसे कैंसिल कर दें ताकि नांगल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर्ज की सेवाएं अच्छी तरह से चल सके।

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री से उम्मीद करूँगा कि वे चिकित्सकों के रिक्त पड़े पदों को भी जल्दी से जल्दी भरने की कोशिश करेंगे।

To Set Up Special Laboratories

***1687 Sh. Parminder Singh Dhull. :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up special laboratories to test the utility and certification of seeds on district level in the state, if so, the time by which these laboratories are likely to be set up?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : नहीं श्रीमान; प्रश्न के इस हिस्से का सवाल ही नहीं होता। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री परमिन्द्र सिह ढुल ने हरियाणा

राज्य में जिला स्तर पर बीजों की उपयोगिता तथा प्रमाणिकता की जांच करने के लिए विशेष प्रयोगशालाएं खोलने का जो प्रस्ताव उठाया था, विभाग द्वारा उसका उत्तर ना में दिया हुआ है और निश्चित रूप से वही उत्तर उनके पास पहुँच गया होगा। लेकिन बाद में सरकार ने इस विषय पर ध्यान देने के बाद जो सारांश निकाला है उस पर अपनी सहमति जताई है। हरियाणा राज्य में 5 प्रयोगशालाएं करनाल, सिरसा, पंचकूला, रोहतक और हिसार में है लेकिन करनाल और सिरसा की प्रयोगशालों में ही किसान के बीज की उपयोगिता तथा प्रामाणिकता की जांच की जाती है। अध्यक्ष महोदय, प्रारम्भ में 6 लैब कमिश्नरी लैवल पर खोलने का सरकार का इरादा है उसके बाद में जिला स्तर पर लैब खोलने के बारे में विचार किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्व का विषय है क्योंकि बीज खेती की आत्मा होती है । यदि सभी प्रयोगशालाएं बन जाएं तो किसान जहाँ चाहे वहाँ अपना बीज टैस्ट करवा सकता है।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने इन प्रयोगशालाओं की उपयोगिता समझी है और इसके काफी फायदे भी सदन को बताएं हैं इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, एक तो यह आर्गेनिक फार्मिंग और माइक्रो लैवल फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए भी हैल्प करेगा। दूसरा जो डायवर्सीफाई क्रॉप कल्चर है, उसको भी निश्चित तौर पर बढ़ावा मिलेगा। किसान अपनी पसंद के बीज ला सके, उसको भी बढ़ावा मिलेगा। पेस्टीसाईडस और इंसैक्टीसाईडस पर जो किसान निर्भर रहते हैं उनसे उनको छुटकारा मिलेगा तथा अलटरनेटिव क्रॉप के रूप में इससे लाभ मिलेगा। हमारा राज्य जी.एम. क्रॉप का अन्धाधुन्ध प्रयोगशाला बनी हुई है इससे भी हमको छुटकारा मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसान के जो सीमित संसाधन है, अपने सीमित संसाधनों में सही बीज का इस्तेमाल करके उनको वह पूरा कर सकता है अपनी जमीन की गुणवता, पानी की गुणवता की जांच के लिए जो आपने प्रयोगशाला बनाई हैं, उनमें अपनी जमीन की मिट्टी और पानी का टेस्ट करके अपनी बीज की उपयोगिता देख सकता है। उदाहरण के तौर पर जैसे हमारा जीन्द जिला है, वहां के किसान अपनी जमीन और पानी की क्वालिटी के हिसाब से बीज तैयार कर सकते है। उसकी गुणवता बढा सकते हैं क्योंकि सदियों से हमारा किसान बीज अपने आप तैयार करता आ रहा है। जब से यह जी.एम. क्रॉप आई है उसमें गड़बड़ शुरू हो गयी है। वर्तमान में जो व्यवस्था है इंश्योरैंस कंपनीज/कॉरपोरेट हाउसिज और बीज उत्पादन

कम्पनी/कीटनाशक उत्पादन कम्पनियों की जो लॉबी है उन्होंने किसान को इसमें जबरदस्ती उलझा रखा है। किसान को इसके चक्कर से निकलने नहीं दे रहे हैं इसका भी काफी दुश्प्रभाव पड़ा है। इन प्रयोगशालाओं के बनने से इस लॉबी से भी छुटकारा मिलेगा जो देश के अन्दर फैली हुई है तथा इस पर लगाम लगाई जा सकेगी। इसके अतिरिक्त जहरीले हाईब्रिड बीज आ रहे हैं। इनसे भी किसान को छुटकारा मिलेगा। सीड उद्योग की अकांउटिबिलिटी बनेगी। आपने अच्छा कार्य किया है। इसके लिए आपको धन्यवाद देना चाहूंगा और यह कहना चाहूंगा कि इन सुझावों पर अमल करके जो बीज के अन्दर धांधली हो रही है उसे रोकने का काम करें। इसके अतिरिक्त पिछली सरकार के समय में बीज के मामले में धांधली हुई थी। मैं इस प्रश्न से अलग हटकर पूछना चाहूंगा कि क्या उस मामले की भी जांच हो रही है ? क्योंकि इस धांधली से बहुत बड़ा धोखा किसानों के साथ किया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ढुल साहब, मंत्री जी जवाब देने लग रहे हैं इसलिए आप बैठ जाइए।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, ढुल साहब ने कई महत्व के मुददे उठाए हैं और निश्चित तौर से कई बाते ऐसी भी उठायीं हैं जिनको मैं ठीक करना चाहूंगा। जी.एम. क्रॉप की कोई टेस्टिंग प्रयोगशाला हमारे यहां पर नहीं चल रही है और जी.एम. क्रॉप टेस्टिंग को हमने अलाऊ नहीं किया है। मैं जानकारी के लिए इस बात को दुरुस्त करना चाहूंगा आज भी किसान रबी की क्रॉप में लगभग आधा बीज किसान पुराना ही इस्तेमाल करते हैं तथा आधा बीज नया इस्तेमाल करते हैं। लगभग 25 लाख हेक्टेयर गेहूं की खेती हर साल होती है जिसके लिए इससे आधा बीज हम देते हैं तथा आधा बीज किसान पुराना इस्तेमाल करते हैं। खरीफ की फसल के लिए 80 हजार क्विंटल बीज इस्तेमाल होता है और जहां तक इनकी बात का सवाल है, मुझे लगता है कि उसमें भी और आगे जाने की आवश्यकता है। हमारा सीड ऐक्ट 1966 का है जो कि वह बहुत पुराना है और सीड एक्ट के तहत ही सारे बीज का कारोबार होता है और माननीय अध्यक्ष महोदय, एक खेत के लिए जितना बीज चाहिए उसके लिए अगर एक गलत बीज भी बेचा गया तो 500 रूपये जुर्माना है और अगर करोड़ों रूपये का खराब बीज बेचा गया तो उसके लिए भी 500 रूपये ही जुर्माना है। इसलिए बहुत दिनों से एक नये सीड एक्ट को बनाने की आवश्यकता है। इस तरह से पहले नया एक्ट वर्ष 2004 में आया फिर वर्ष 2007 में जो एक्ट का वर्जन आया है और दूसरे नये वर्जन आए वह बिल राज्यसभा में भी

पेश हुआ है परन्तु पास नहीं हो सका है। मैंने अधिकारियों को इस बारे में निर्देश दे दिये हैं कि वर्तमान समय की जरूरतों को देखते हुए हम अपने राज्य का भी सीड एक्ट बना सकते हैं। अभी वर्ष 2017 चल रहा है और केन्द्र का सीड एक्ट आने में ज्यादा समय लगने की संभावना है। इन सवालों का उत्तर खोजते हुए, हरियाणा राज्य का एक अलग सीड एक्ट बनाने के रास्ते पर हम आगे बढ़े हैं ताकि इससे हमारे सामने जो सीड को लेकर चैलेंजेज आ रहे हैं उनका हम समाधान कर सकें।

सरदार जसविंदर सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय कृषि मंत्री से जानना चाहूंगा कि भाई परमिंदर सिंह ढुल जी ने जो चिंता व्यक्त की है कि ज्यादा खाद की उपयोगिता की वजह से कीड़े मर रहे हैं, हमारी जमीनें खराब हो रही हैं और उससे जो जीरी, धान और गेहूं पैदा होता है, उसकी भी गुणवत्ता ठीक नहीं रहती। इसके बारे में मैं माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार गहन खेती को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रयास कर रही है? यदि कर रही है तो क्या प्रयास हैं, कृपया बताने का कष्ट करें?

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय सदस्य का यह सवाल बिल्कुल अलग है, जनरल नेचर टाईप का है लेकिन दो विषय एक साथ इस सवाल में आये हैं। एक विषय यह है कि जमीन में आर्गेनिक मैटीरियल कम हो रहा है और हम कैमिकल मैटीरियल के भरोसे खेती कर रहे हैं और जीवाष्म और्गेनिक मैटीरियल जो है केवल 20 परसैंट रह गया है, यह बड़ी चिंता की बात है। अब हम सारी जमीन के लिए की सॉयल हैल्थ कार्ड बना रहे हैं। सॉयल हैल्थ कार्ड पहले भी बने हैं, पिछली सरकार में भी बताया गया है कि जितने किसान है उतने सॉयल हैल्थ कार्ड बने हैं, लेकिन प्रयोग में नहीं आये हैं और किसानों का अभ्यास भी नहीं हो पाया है कि उसमें कौन–सा खाद डालना है और कौन–सा नहीं, कौन–सी चीजों का उपयोग करना और कौन–सी चीजों का नहीं। अब फिर सॉयल हैल्थ कार्ड सारी जमीनों के बन रहे हैं और उसके बाद किसानों को इस बात का अभ्यास भी कराना होगा कि वे उसमें कौन–सी खादों का कितनी मात्रा में उपयोग करें अगर इस तरह से किया जाएगा तो कैमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल भी कम होगा और उसके कारण जमीन में जो जीवाष्म है, उसमें आर्गेनिक मैटीरियल भी बढ़ेगा। हम लोग जो अवशेषों को जलाते हैं, वह भी आर्गेनिक मैटीरियल को समाप्त करता है। मैं एक शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं कि एक तरह से खेत में आग लगाना भारत की धरती माता के गर्भ को जलाना है, क्योंकि उसी जीवाष्म के कारण ही खेती होती

है। अगर जीवाष्म ही नगण्य हो गया तो केवल केमेकिल के भरोसे खेती नहीं हो सकेगी। जितने भी जीव जीवाष्म में हैं, जितना भी गला सड़ा अंश है, उसके भरोसे पर ही खेती होती है। एक तरह से आग लगाना एक बहुत ही जघन्य काम है, यह नहीं किया जाना चाहिए। सरकार ऐसे सब रास्तों पर आगे बढ़ रही है कि किसान को वह जलाना न पड़े।

दूसरा जो विषय है, वह आर्गेनिक खेती का है। इसमें हम बहुत सारे इलाके को स्पेसिफाइड करके बहुत तेजी के साथ काम को आगे बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए 3 साल में 20 हजार रुपए की सब्सिडी भी सरकार द्वारा दी जाती है, जिसमें मौटे तौर से 7–7 हजार रुपए प्रति वर्ष सब्सिडी दी जाती है। हम लोग आगे बढ़ते हुए अलग से एक प्रोक्योरमेंट का सिस्टम अलग प्राइस देते हुए शुरू करेंगे। मुझे लगता है हम इस काम को तेजी से आगे बढ़ा पायेंगे। सरकार की इस बात की भी सोच है कि हम इसको कुछ निर्धारित कर सकें कि जो सब्सिडाइज इंसेंटिव हम दे रहे हैं, वह हर किसान तक पहुंच सके और 50–50 एकड़ के ऐसे पेंच बन जाये। खासकर के हमारा फोकस यह है कि जितनी गौशालाएं हैं, उन गौशालाओं वाले गांवों में ऑर्गेनिक खेती बढ़े। जहां पर काफी बड़ी–बड़ी गौशालाएं हैं जैसे 2–2, 3–3 हजार पशुओं या 8–8 हजार पशुओं की भी है तो वहां गोबर की खाद बहुत अच्छी मात्रा में उपलब्ध होगी और गौशालाओं की भी ताकत बनेगी। ऑर्गेनिक खेती और आर्गेनिक खेती के प्रोड्क्टस गौशालाओं को तैयार कर सकेंगे जो बहुत अच्छे दामों पर बेचे जा सकेंगे। मुझे लगता है माननीय सदस्य के दोनों सवाल बहुत महत्व के हैं।

.....

To Open VLDA College and Polyclinic

***1707. Shri Aseem Goel. :** Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state whether an announcement to open a VLDA college and polyclinic for animals at Lakhnour Sahib (Ambala) was made by the Hon'ble Chief Minister; if so, the time by which the action is likely to be taken on the above said announcement?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : हां, श्रीमान जी। जैसे ही विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार होगी इसे कार्यान्वित कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य असीम गोयल जी ने उपरोक्त सवाल में पूछा है कि लखनौर साहिब में वी. एल.डी.ए कॉलेज तथा क्लीनिक खोलने की घोषणा सरकार द्वारा की गई थी तो मैं

कहता हूं कि हां श्रीमान जी इसकी डी.पी.आर तैयार हो गई है, इसको क्रियान्वित कर दिया जाएगा।

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि लखनौर साहिब हरियाणा में गुरू गोविंद सिंह जी से जुड़ा हुआ सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक गांव है । इस गांव में गुरू गोविंद सिंह जी का ननिहाल है । इस गांव में जनरल कॉलेज बनाने के लिए 1969 में महाराजा पटियाला द्वारा पत्थर लगाया गया था । करीबन 50 साल हो गये लेकिन वहां पर कॉलेज नहीं बना है । पिछली सरकारों द्वारा भी वहां पर वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने के लिए घोषणा की गई थी लेकिन आज तक भी वहां पर कॉलेज नहीं बना है । लखनौर साहिब गांव के सिख प्रतिनिधि हमारी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री जी से मिले थे और मुख्यमंत्री जी ने उनकी बात को मानते हुए 28 मई, 2016 को वहां पर माता गूजरी कौर के नाम से वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने की घोषणा कर दी थी । इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि वहां पर सरकारी वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई थी और अब वहां पर प्राईवेट वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने का प्रौसीजर चलाया गया है । प्राईवेट वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने के लिए वहां के लोग और पंचायत विरोध कर रही है । चण्डीगढ़ से एक प्रपोजल वहां पर प्राईवेट वी.एल.डी.ए. कॉलेज गुरूद्वारा प्रबंधन कमेटी द्वारा बनाने की भेजी गई थी लेकिन कमेटी ने भी उस पर असहमति दे दी है । अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही ऐतिहासिक गांव है और 12 फरवरी को माननीय मुख्यमंत्री जी ने करनाल में अम्बाला के लखनौर साहिब में गुरू गोविंद सिंह जी की माता गुजरी कौर के नाम से वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने की घोषणा दोबारा भी की थी। मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वहां पर सरकारी वी.एल.डी.ए. कॉलेज माता गूजरी कौर के नाम से बनाया जाये।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने लखनौर साहिब गांव में माता गूजरी कौर के नाम से वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने की मांग की है । हमने भी बचपन से गीत गाये हैं कि पिता "जिन्हा दे पिता तेगबहादुर, मां गुजरी दे जाए"। माननीय सदस्य ने माता गूजरी कौर के नाम से कालेज बनाने की मांग की है और हमने भी इसको माना है । हम मानते हैं कि हमारे प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवाएं जितनी होनी चाहिएं, उतनी नहीं हैं । अभी प्रदेश में 2763 स्थानों पर पशु

चिकित्सा संस्थाएं हैं । जिनमें 944 हास्पिटल, 1809 डिसपैंसरीज और 7 पॉली–क्लीनिक्स हैं । सरकार की सोच है कि प्रदेश में हर गांव में पशु चिकित्सा पहुंचनी चाहिए । क्योंकि मनुष्य को बीमार होने पर हॉस्पिटल में ले जाना आसान होता है और पशु को बीमार होने पर दूर ले जाना मुश्किल होता है । माननीय सदस्य ने जिस कालेज को खुलवाने की मांग की है, उसको अवश्य लखनौर साहिब गांव में खोला जायेगा ।

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, नॉर्थ हरियाणा शुरू से ही क्षेत्रवाद का दंश झेल रहा है । इस वी.एल.डी.ए. कॉलेज पर भी क्षेत्रवाद की राजनीति हुई है । सरकार ने अभी 280 वैट्रीनरी सर्जन्स की भर्ती की है और सदन को यह जानकर आश्चर्य होगा कि अम्बाला जिले से केवल एक डॉक्टर डींग गांव से लगा है । इसका कारण यही है कि अम्बाला जिले में केवल एक ही कैंडीडेट इसके लिए क्वालीफाई करता था । इतना बड़ा क्षेत्रवाद इस एरिया के साथ होता रहा है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि अब इस एरिया के साथ किसी तरह का भेदभाव न किया जाये और लखनौर साहिब गांव में सरकारी प्रारूप में वी.एल.डी.ए. कालेज माता गूजरी कौर के नाम से बनाया जाये ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने गुरू गोविंद सिंह जी की 350वीं शताब्दी मनाने का काम किया है । उसके बाद सरकार भी मनाने जा रही है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि ऐसी महान विभूतियां जिन्होंने देश की आन–बान और शान के लिए बड़ी–बड़ी कुर्बानियां दी और लोगों ने जिन्हें सरबंसदानी का खिताब दिया, उनकी माता जी के नाम से लखनौर साहिब गांव में वी.एल.डी.ए. कॉलेज बनाने की बात है तो इसके लिए समय तय किया जाये कि वहां पर कब तक कालेज बना दिया जायेगा ? क्योंकि यह कोई आम बात नहीं है। भाई असीम गोयल जी ने क्षेत्रवाद की बात भी उठाई है । उनकी यह बात बिलकुल सही है कि इस एरिया के साथ बहुत भेदभाव हुआ है और वहां पर कालेज बनाने की तरफ पिछली सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया । मैं मंत्री जी से यही पूछना चाहता हूं कि वहां पर कब तक सरकारी वी.एल.डी.ए. कालेज बना दिया जायेगा ?

मुख्य संसदीय सचिव (सरदार बख्शीश सिंह विर्क) : अध्यक्ष महोदय, यह मामला गुरू गोबिंद सिंह जी से जुड़ा हुआ है। मैं इस सम्बन्ध में यह बताना चाहूंगा कि 12 तारीख को हमने गुरू गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाशोत्सव का करनाल में

बड़ी धूमधाम से आयोजन किया था। मैं हरियाणा प्रदेश की 2.5 करोड़ जनता का इसके लिए धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बड़ी से बड़ी संख्या में इस आयोजन का हिस्सा बनकर हमें कृतार्थ किया।

श्री अध्यक्ष : बख्शीश सिंह जी, आप कृपया करके भाषण न देकर अपना इस विषय से सम्बंधित सवाल पूछें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ललित नागर : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए।. . . (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नागर जी, आप कृपया करके बैठ जायें और श्री बख्शीश सिंह जी को अपनी बात पूरी करने दें। (शोर एवं व्यवधान) अगर आप ऐसे ही सदन की कार्यवाही को अनावश्यक रूप से डिस्टर्ब करेंगे तो इससे दूसरे माननीय सदस्यगण को ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने सवाल पूछने का मौका नहीं मिल पायेगा और बहुत से महत्वपूर्ण विषय यहां पर नहीं उठाये जा सकेंगे। मैं आपसे पुनः कहता हूं कि आप कृपया करके बैठ जायें और हाउस को नियमानुसार चलने दें। (शोर एवं व्यवधान) बख्शीश सिंह जी, आप अपनी बात पूरी करें।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, आपको हमारी पार्टी के माननीय सदस्य श्री ललित नागर जी को सप्लीमैंट्री पूछने की परमीशन तो देनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, जब ललित नागर जी को सप्लीमैंट्री पूछने की इजाजत दी जायेगी तभी वे अपनी बात कहें तथा ऐसे बिना परमिशन के एक माननीय सदस्य को अपनी बात कहते हुए डिस्टर्ब न करें। बख्शीश सिंह जी, आप कंटीन्यू करें।

सरदार बख्शीश सिंह विर्क : अध्यक्ष महोदय, जो सरकार द्वारा लखनौर साहिब में वी.एल.डी.ए. कालेज और पॉलीक्लीनिक खोलने का फैसला किया गया है और इनका नाम माता गूजरी कौर के नाम पर रखा गया है इसके लिए मैं सरकार का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा इन दोनों संस्थानों के निर्माण की समय–सीमा भी निर्धारित की जानी चाहिए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, माननीय सदस्य श्री असीम गोयल जी ने एक बहुत ही ऐतिहासिक महत्व का सवाल पूछा है। सरदार जसविंद्र सिंह संधू का जो कंसर्न है वह भी पूरी तरह से जायज है। इसी प्रकार से सरदार बख्शीश सिंह जी विर्क जो कि गुरू गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाशोत्सव के प्रमुख हैं उन्होंने भी इस बारे में अपने विचार प्रकट किये हैं। हमारे माननीय मंत्री श्री ओम प्रकाश जी धनखड़ ने इस कालेज और पॉलीक्लीनिक के निर्माण के सम्बन्ध में

यहां पर सकारात्मक जबाव दिया है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन की जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में सिक्ख धर्म से सम्बंधित जितने भी धर्म स्थल हैं चाहे वह लखनौर साहिब हो, चाहे लाखन माजरा हो, चाहे चमकौर साहिब हो और चाहे धमतान साहिब हो हम श्री गुरू गोबिंद सिंह साहिब की स्मृति में पर्यटन की दृष्टि से भी अर्थात पर्यटन केन्द्र के नाते भी इन सभी सिक्ख धर्म के धार्मिक स्थानों को पूर्ण रूप से विकसित करेंगे।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : स्पीकर सर, माननीय सदस्यगण ने जैसा कि कहा कि यह एक एतिहासिक महत्व का स्थान है। इसके साथ ही यह सभी धर्मों की श्रद्धा का स्थान है। हम इस मामले में जल्दी से जल्दी कार्यवाही को आगे बढ़ायेंगे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जल्द ही हम वहां पर सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी को भी बुलायेंगे।

श्री असीम गोयल : स्पीकर सर, मेरा मुख्य सवाल तो यह था कि यह कॉलेज और पॉलीक्लीनिक प्राईवेट की बजाये सरकारी बनना चाहिए। मुझे अपने इस सवाल का जवाब चाहिए। यह मैं भी जानता हूं कि वहां पर कॉलेज बनने की कार्यवाही चल रही है लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यही कहना चाहता हूं कि हम वहां पर प्राईवेट कॉलेज नहीं बनवाना चाहते। मंत्री जी ने थोड़ा उलझाकर जवाब दिया है। मैं आपके माध्यम से इनसे क्लीयर–कट यही पूछना चाहता हूं कि क्या वहां पर सरकारी कालेज बनेगा? क्योंकि अगर वहां पर प्राईवेट कॉलेज बनाया जाता है तो इसका चौतरफा विरोध होगा। जिसकी अनाउंसमैंट हुई थी, हम वही मांग रहे हैं। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सरकारी कॉलेज की अनाउंसमैंट की थी इसलिए हमें वहां पर सरकारी कॉलेज ही चाहिए। किसी और जगह पर किस प्रकार का कॉलेज खोला जाये हमें इससे कोई सरोकार नहीं है।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, सरकार पूरी तरह से ओपन है लेकिन अगर एस.जी.पी.सी. बनाने के लिए कहेगी तो हम किस प्रकार से मना कर सकते हैं । कॉलेज यहां पर अवश्य बनेगा ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी अपनी बात कहें कि सरकारी कॉलेज बना दिया जायेगा । अगर एस.जी.पी.सी. बनाना चाहेगी तो वह कहीं और बना लेगी ।

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, एस.जी.पी.सी. इस बारे में असमर्थता जाहिर कर चुकी है । बात सरकारी कॉलेज की हो रही है । मंत्री जी इसको उलझायें नहीं ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, जब सरकारी कॉलेज की घोषणा हुई है तो सरकारी कॉलेज ही बनना चाहिए ।

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि महाभारत में युद्धिष्ठर से यह कहलवाया गया था कि अश्वत्थामा मारा गया नर नहीं कुंजर, इसी प्रकार से इस सदन में कहा जा रहा है। इसलिए मंत्री जी इस बात को क्लीयर करें कि वहां पर सरकारी कॉलेज बनाया जायेगा या प्राइवेट ?

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : सर, जो असमर्थता की बात माननीय सदस्य के पास आई है वह मेरे पास नहीं आई है । एस.जी.पी.सी. का बहुत बड़ा प्रबंधन चलता है और अगर उनका मेरे पास निवेदन आ गया कि माता गूजरी कौर जी के नाम पर हम यहां पर कॉलेज बनाना चाहते हैं तो हम उस पर भी विचार करेंगे । कॉलेज तो सरकार ही बनाना चाहती है ।

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात क्लीयर नहीं हुई है।

श्री अध्यक्ष : असीम जी, बात क्लीयर हो गई है इसलिए आप बैठ जाइए।

.....

Augmentation Of Drinking Water Supply

***1745. Shri Zakir Hussain.** : will the Minister of state for public Health Engineering be Pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for the Augmentation of Drinking Water Supply Scheme in 80 No Villages of Ferojpur Jhirka and Nagina Block & 1 No Town Ferojpur Jhirka of Diskict Mewat from Yamuna Flood Plan by constructing Ranney Well and deep tubewells in Village Atba, Palwal; and

(b) if so, the time by which the abovesaid proposal is likely to be materialized?

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री (डॉ0 बनवारी लाल) :

(क) जी हां श्रीमान्, 263.00 करोड़ रुपये की लागत का एक प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

(ख) उक्त प्रस्ताव के अनुमोदन की तिथि से तीन वर्षों के अन्दर कार्य पूरे किए जाने की संभावना है।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, यह एक गम्भीर विषय है और इस बारे में विधान सभा की समिति पब्लिक हैल्थ के काम देखने के लिए श्रीमती संतोष चौहान सारवान जी की अध्यक्षता में वहां का दौरा करके आई थी । आजादी के इतने सालों के बाद भी मेवात के 100–125 गांव ऐसे हैं जो डार्क जोन में हैं और वहां पर पीने के लिए भी पानी नहीं है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी की सरकार में मेवात के लिए एक रेनीवैल की स्कीम तैयार की गई थी और वह लागू बाद में हुई थी बाद में उसके साथ छेड़छाड़ की गई । बाद में इन 80 गांवों के लिए यह स्कीम बनी और बादली से नल्हड़ के 17 गांवों के लिए पाइपलाइन आ रही है यह सारी उस स्कीम में कवर होती थी। वहां पर 10–12 साल पहले पानी मिलना चाहिए था लेकिन वह आज तक नहीं मिल पाया । मेवात के लोग आज भी टैंकरों से खरीद कर पानी पी रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है वह संतोषजनक नहीं है मंत्री जी ने कहा है कि यह मामला सरकार के विचाराधीन है । मंत्री जी को पता है कि लोग वहां पर प्यासे मर रहे हैं और योजना बनी हुई है और सरकार अभी सोच रही है? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सरकार इस मामले में अभी कितना वक्त और लेगी ताकि मेवात के लोगों को पीने के लिए पानी मिल सके । जिस दिन योजना बनी थी उसी समय लागू हो जानी चाहिए थी लेकिन अभी तो सरकार सोच रही है कि पीने का पानी दें या नहीं दें जबकि पीने का पानी लोगों का मूलभूत अधिकार है । जहां तक मेरी जानकारी है उसके अनुसार यह परियोजना नाबार्ड को भेजी गई थी । अगर नाबार्ड को भेजी गई थी तो एप्रूवल के बाद ही भेजी गई होगी । नाबार्ड से पैसा मिलने में दिक्कत यह आ गई कि इसमें फिरोजपुर टाउनशिप आ गई तथा टाउनशिप के लिए नाबार्ड पैसा नहीं देता है जिसके कारण 80 गांवों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । अब एन.सी.आर. प्लानिंग बोर्ड में इसकी बात चल रही है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इसके लिए हरियाणा सरकार के रेगूलर बजट में से इसके बजट का प्रावधान किया जाये ताकि वहां के लोगों की पीने के पानी की समस्या का समाधान हो सके । पीने के पानी से अधिक प्राथमिकता और कोई नहीं हो सकती इसलिए वर्ष 2017–18 के पब्लिक हैल्थ के बजट में इसका प्रावधान किया जाये । दूसरी बात यह है कि मेवात के लिए जो रेनीवैल की परियोजना बनी थी उसके साथ

पिछली सरकार के समय में व्यापक छेड़छाड़ हुई है । इसका मेन बूस्टिंग स्टेशन मेवात के हुजपुरी में बनना था लेकिन इसको वहां से कोंडल में शिफ्ट कर दिया गया जिसका नतीजा यह निकला कि मेवात के गांवों में पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है और कोंडल में उस पानी से धान की फसल पैदा की जा रही है । दूसरी बात यह है कि मंत्री जी, इसकी कम्पलीशन हो गई है और इसकी पेमेंट भी हो गई है लेकिन अब तक इन गांवों में पानी की पाईप लाईन नहीं बिछाई गई और न ही चैम्बर बनाए गये हैं। यह मौके की बात है इसलिये इस 263–264 करोड़ रूपये की परियोजना को दोबारा बनाया गया है । सरकार आज तक भी इस विषय पर गम्भीर नहीं है । मेरी समझ में यह बात नहीं आती कि जो पिछली सरकार ने गलत कार्य किया है उसको यह सरकार ढकने की कोशिश क्यों करती है ? सर, यह बहुत ही गम्भीर विषय है क्योंकि 80 गांव और फिरोजपुर झिरका शहर को पीने का पानी नहीं मिल रहा है । क्या आज की सरकार यह जांच करवाएगी कि इसके लिये कौन जिम्मेवार है, कौन दोषी हैं और इसमें कौन राजनीतिक लोग जिम्मेवार हैं क्या सरकार उसकी एक डी.जी.पी. लैवल के ऑफीसर से विजिलैंस जांच करवायेगी ? कृप्या मंत्री जी मेरी इन दोनों चीजों के बारे में सदन को बतायेंगे।

डॉ0 बनवारी लाल : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय विधायक जी का विधान सभा क्षेत्र नूंह है लेकिन यह फिरोजपुर झिरका की बात कर रहे हैं तो मैं उनको बताना चाहता हूं कि यह जो 263 करोड़ रूपये का प्रपोजल था। वह 22 तारीख को माननीय मुख्यमंत्री जी के पास से ऐप्रूव हो गया है । अब हम इसको स्टैंडिंग फाईनैंस कमेटी के पास भेजेंगे और नाबार्ड से पैसा लेकर इसको बनाएंगे । अगर इसमें कोई दिक्कत आती है तो हम उसको दूर कर लेंगे ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि यह ऐप्रूवल की बात नहीं थी नाबार्ड पैसा देगी नहीं क्योंकि नाबार्ड शहर के लिये पैसा नहीं देती ।

डॉ0 बनवारी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी बात सही है नाबार्ड गांव के लिये तो पैसा देती है उसके बाद अगर शहर की कोई दिक्कत आएगी तो हम फाइनैंस विभाग से ले लेंगे ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं क्षमा चाहता हूं । मंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं । यह बहुत गम्भीर विषय है । अभी तो यह कह रहे थे कि इस परियोजना की ऐप्रूअल की बात नहीं है । अब कह रहें हैं कि 22 तारीख को ऐप्रूवल

हुई है और आज हम 28 तारीख में बात कर रहे हैं । इसका मतलब मंत्री जी को 6 दिनों में भी नहीं पता कि मुख्यमंत्री जी ने ऐप्रूवल कर दी है । सर, मेरी दूसरी बात यह है कि इस परियोजना के बारे में मैं दावे के साथ कह सकता हूं क्योंकि मैं दिन–रात इसी कार्य में ही लगा रहता हूं । पहली बात तो यह है कि पीने का पानी, नहरी पानी और हवा यह कोई एक विधान सभा क्षेत्र की बात नहीं है। मैं मेवात की 36 बिरादरी का चौधरी हूं । मैं खाली नूंह क्षेत्र को ही नहीं पूरे मेवात जिले को लीड करता हूं । इसलिये मेरा विषय पूरे हरियाणा और मेवात जिले के लिये है । इसलिये आप उसको एक क्षेत्र तक सीमित नहीं कर सकते ।

डॉ0 बनवारी लाल : ठीक है हम तो आपको बता रहे हैं ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी बात यह है कि नाबार्ड से पैसा नहीं मिलेगा ।

डॉ0 बनवारी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने माननीय साथी को यह बता दिया है कि अगर कोई दिक्कत आएगी तो सरकार उसको पब्लिक हैल्थ विभाग से पैसा देगी ।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, मंत्री जी ने तो अपना जवाब दे दिया है कि अगर नाबार्ड से पैसा नहीं मिलेगा तो सरकार उसका पैसा देगी । मंत्री जी ने यह आश्वासन दे दिया है ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह स्पैसिफिक प्रश्न था । इसमें काम कब शुरू हो जाएगा क्योंकि यह पीने के पानी की बात है इसलिये यह कार्य वर्ष 2017–18 में होना जरूरी है । अतः मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी इसको वर्ष 2017–18 के बजट में रखेंगे या नहीं ?

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी ने अपने जवाब में यह कार्य तीन साल में पूर्ण करने को कहा है ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, यह तीन साल मैं ऐप्रूवल से मान लूं क्योंकि ऐप्रूवल तो हो गई है । इसका मतलब 22 तारीख से तीन साल गिने जाएं । मंत्री जी आप यह बताने का कष्ट करें कि आपके हिसाब से हम 22 तारीख से तीन साल शुरू कर लें ।

श्री बनवारी लाल : ठीक है आप शुरू कर लें ।

श्री जाकिर हुसैन : ठीक है सर, आपका धन्यवाद । मेरी दूसरी बात यह है कि मैंने यह कहा था।

श्री कुलदीप शर्मा : जाकिर हुसैन जी, तीन साल में तो सरकार का बिस्तर गोल हो जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, यह प्रश्न तो आप पर ज्यादा उठेगा । इसके लिये तो आपको पहले इन्तजाम करना चाहिए था । मंत्री जी तो यह कार्य करने के लिये तैयार हैं ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी बात यह है कि जो 10–12 साल से लोगों को पीने का पानी नहीं मिला जिसको सरकार भी मान रही है और इस परियोजना में सैकड़ों करोड़ रूपये का फ्रॉड हुआ है, गबन हुआ है । मैं मंत्री जी की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि ये गांव उस स्कीम में कवर्ड थे । उस परियोजना के लिये कहीं कोई पाईप नहीं हैं । हमने देखा है कि पाईप के तीन–तीन, चार–चार ट्रक गायब हो गये हैं । इसलिये इसकी जांच करवाई जाए । मंत्री जी, आप इसमें दूसरों को प्रोटैक्शन क्यों दे रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, आपने जांच करने की मांग नहीं की थी ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वह इस गबन पर विजिलेंस जांच करवाएंगे या नहीं करवाएंगे ?

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को जांच तो करवानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आपके सवाल में जांच करवाने की बात नहीं है ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : मंत्री जी ने बड़ा स्टीक जवाब दिया है। आपकी जो मांग है उसको मान लिया गया है ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को जांच करवानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आपके सवाल में जांच करवाने की बात ही नहीं है ।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी जाकिर हुसैन ने यह ठीक फर्माया है कि यह केवल नूंह के विधायक नहीं हैं यह पूरे मेवात जिले के नेता हैं । इनके अब्बूजान तो राजस्थान और मेवात के नेता भी रहे हैं । हमें इस बात का फख्र है। लेकिन डॉ0 बनवारी लाल जी बड़े कम्पीटैंट मंत्री हैं उन्होंने अपना जवाब दे दिया है ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है । मंत्री जी का जवाब कम्पलीट है ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, 10–12 साल से वहां पर पीने का पानी नहीं मिल रहा है और यह स्पेसिफिक है कि उसमें सैकड़ों करोड़ रुपये बर्बाद हुए हैं तो

उसके लिये कौन दोषी हैं, इसकी जांच से सरकार भाग क्यों रही है ? आप इसकी जांच करवा लें । मैं किसी का नाम तो नहीं ले रहा ।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, सरकार इसकी जांच करवाएगी ।

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी मेरे द्वारा किए गए प्रश्न के संबंध में जांच कराने से क्यों बच रहें हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जाकिर जी, जब आपके प्रश्न में जांच कराने संबंधी किसी बात का जिक्र ही नहीं है तो आप कैसे कह सकते हैं कि माननीय मंत्री जी जांच कराने से बच रहे हैं।(विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि उनके द्वारा किए गए सवाल में जांच कराने संबंधी कोई बात नहीं की गई है। माननीय मंत्री जी ने इनके मूल प्रश्न 'कि फिरोजपुर झिरका तथा नगीना ब्लॉक के गावों में जल आपूर्ति की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है' की बाबत 263 करोड़ रूपये की लागत के एक प्रस्ताव के विचाराधीन होने की बात की है। इस तरह से माननीय सदस्य के मूल प्रश्न का जवाब माननीय मंत्री जी द्वारा दे दिया गया है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है, बलवान सिंह जी अब आप अपना प्रश्न पूछिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, आपकी यह बात ठीक नहीं है। अभी जाकिर जी ने प्रश्न किया था जिस पर उन्होंने सप्लीमैंटरी पूछ लिया और उसके तुरंत बाद आपने बलवान सिंह दौलतपुरिया को अपना अलग से प्रश्न पूछने के लिए कह दिया। किसी एक प्रश्न पर दूसरे सदस्यों को भी प्रश्न पूछने की इजाजत दी जानी चाहिए?

श्री अध्यक्षः किरण जी, देखिये माननीय सदस्य का जो प्रश्न था उसका पूरी तरह से संतोषजनक जवाब माननीय मंत्री जी द्वारा दिया जा चुका है। किसी माननीय सदस्य द्वारा जो प्रश्न पूछा जाता है, मंत्री जी केवल उसी सवाल की तैयारी करके आते हैं और उसका संतोषजनक जवाब देते है। यदि कोई और सदस्य अचानक उसी प्रश्न पर अलग से कोई प्रश्न पूछ लेता है और मंत्री जी की उस प्रश्न पर तैयारी न हो तो ऐसी अवस्था में मंत्री जी उस सवाल का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। जाकिर जी का जो प्रश्न था उसका संतोषजनक उत्तर माननीय मंत्री जी द्वारा दिया जा चुका है। (शोर एवं व्यवधान) मान लो अभी आप अचानक अपने

विधान सभा क्षेत्र भिवानी के बारे में कोई प्रश्न पूछ लेते हैं तो संभव सी बात है कि मंत्री जी का उत्तर होगा कि आपका यह प्रश्न सदन में पूछे गए प्रश्न से अलग है और इस प्रश्न से संबंधित कोई भी तैयारी उन्होंने नहीं की है और इस तरह अलग से पूछे गए प्रश्न का जवाब नहीं दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, जाकिर जी का प्रश्न पानी से संबंध रखता है। पानी एक अति महत्वपूर्ण व गंभीर मसला है, मैने कितनी ही बार इस विषय पर सप्लीमैंटरी पूछने के लिए हाथ उठाया है लेकिन आप मुझको सप्लीमैंटरी पूछने के लिए अलाउ ही नहीं कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, माननीय मंत्री जी ने जाकिर हुसैन जी के प्रश्न का पूर्ण उत्तर दे दिया है। अगर आपका भी पानी से संबंधित कोई समस्या है तो आप उसका अलग से प्रश्न लगा दें तो निःसंदेह उसका उत्तर माननीय मंत्री जी द्वारा दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, जब मुझे प्रश्न पूछने की इजाजत दी जायेगी तभी तो मैं कुछ कह पाऊंगी। आप मुझे बोलने की इजाजत ही नहीं दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप मेरे साथ ज्यादती कर रहे हैं। आपके द्वारा अन्य सदस्यों को भी किसी प्रश्न पर सप्लीमैंट्री पूछने के लिए इजाजत दी जानी चाहिए?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, अगर एक प्रश्न पर ही ज्यादा समय लगाया जायेगा तो फिर संभव है कि प्रश्न काल के सीमित समय में केवल मात्र कुछेक प्रश्न ही पूछे जा सकेंगे और इस प्रकार यह अन्य माननीय सदस्यों के साथ ज्यादती होगी। (शोर एवं व्यवधान) बलवान सिंह दौलतपुरिया जी अब आप अपना प्रश्न पूछिए।

.....

To Open Government College At District Level

***1678.Sh. Balwan Singh Daulatpuria.** : Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the government to open government Colleges at district level in the state; if so, the details thereof togetherwith the time by which the said colleges are likely to be opened ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान्, कथन सदन के पटल पर रखा है। 110 राजकीय महाविद्यालयों में से, 29 पहले ही 15 जिला मुख्यालयों पर चल रहे हैं। कथित महाविद्यालयों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः–

क्र0 सं0	ज़िले का नाम	राजकीय महाविद्यालय का नाम
1.	अम्बाला	1. राजकीय महाविद्यालय, अम्बाला छावनी 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, अम्बाला शहर
2.	भिवानी	1. राजकीय महाविद्यालय, भिवानी 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, भिवानी 3. राजकीय शिक्षण महाविद्यालय, भिवानी
3.	फरीदाबाद	1. राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद
4.	गुरूग्राम	1. द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुरूग्राम 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, सैक्टर–14 गुरूग्राम 3. राजकीय महाविद्यालय, सैक्टर–9 गुरूग्राम
5.	हिसार	1. राजकीय महाविद्यालय, हिसार 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार
6.	झज्जर	1. राजकीय महाविद्यालय, झज्जर
7.	जीन्द	1. राजकीय महाविद्यालय, जीन्द 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, जीन्द
8.	करनाल	1. राजकीय महाविद्यालय, करनाल 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल
9.	महेन्द्रगढ़ स्थित नारनौल	1. राजकीय महाविद्यालय, नारनौल 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, नारनौल 3. राजकीय शिक्षण महाविद्यालय, नारनौल
10.	पानीपत	1. राजकीय महाविद्यालय, पानीपत
11.	पंचकुला	1. राजकीय महाविद्यालय, पंचकुला 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, पंचकुला
12.	पलवल	1. राजकीय महाविद्यालय, पलवल
13.	रेवाड़ी	1. राजकीय महिला महाविद्यालय, रेवाड़ी
14.	रोहतक	1. राजकीय महाविद्यालय, रोहतक 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, रोहतक
15.	सिरसा	1. राजकीय महाविद्यालय, सिरसा 2. राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा

इसके अतिरिक्त, सोनीपत एवं कुरूक्षेत्र में एक–एक नए राजकीय महाविद्यालय हेतु क्रमशः दिनांक 27.11.2016 व 10.2.2017 को नींव पत्थर रखा गया था। इन दोनों

महाविद्यालयों का शैक्षणिक सत्र 2018–19 से क्रियाशील होने की संभावना है। अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी बलवान सिंह दौलतपुरिया ने जो सवाल किया है, उसका उत्तर 'हां' में है और इस संबंध में समस्त जानकारी सदन के पटल पर रख दी गई है।

श्री बलवान सिंह दौलतपुरियाः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी द्वारा जो उत्तर सदन के पटल पर रखा गया है उस संदर्भ में मैं बताना चाहूँगा कि प्रदेश में शिक्षा की हालत बेहद चिंताजनक है। पूरे हरियाणा प्रदेश के केवल मात्र 15 डिस्ट्रिक्ट्स में राजकीय महाविद्यालय स्थापित हैं। किसी भी समाज, देश व प्रदेश के विकास की धुरी शिक्षा होती है। अगर हम, हमारी आगे आने वाली पीढ़ी को शिक्षा ही नहीं दे पायेंगे तो दूसरी सुविधायें देने का कोई औचित्य ही नहीं रहेगा। फतेहाबाद को जिला बने हुए लगभग 20 वर्ष हो चुके हैं। फतेहाबाद को जिला बनाने में माननीय श्री राम बिलास शर्मा जी का भी बहुत योगदान रहा है, परन्तु अफसोस की बात है कि 20 वर्षों के बाद भी आज तक इस जिले में डिस्ट्रिक्ट हैडक्वॉर्टर पर कोई नैशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज स्थापित नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री श्री राम बिलास शर्मा जी को एक निवेदन करना चाहूंगा कि जिन्दगी में भलाई लेने का समय कभी–कभी ही मिलता है। जिस तरह से धनखड़ साहब ने गौधन को बचाने की दिशा में गौ संरक्षण विधेयक बनाकर एक इतिहास रचा है, उसी तर्ज पर चलते हुए यदि माननीय श्री राम बिलास शर्मा जी प्रत्येक डिस्ट्रिक्ट हैडक्वॉर्टर पर नैशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बना देंगे तो यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और आने वाली पीढ़ी याद रखेगी कि श्री राम बिलास शर्मा जी वास्तव में प्रदेश के एक बहुत ही एजुकेटिड शिक्षा मंत्री रहे जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अनूठा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री जी ने मेरे निर्वाचन क्षेत्र फतेहाबाद में नैशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज खोलने संबंधी प्रश्न का जवाब 'हां' में दिया है, मैं बहुत आभारी हूंगा यदि माननीय मंत्री जी फतेहाबाद में पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के शिलान्यास संबंधी कोई तारीख भी निश्चित कर दें?

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, चौधरी बलवान सिंह दौलतपुरिया ने जो सवाल किया है उस परिपेक्ष्य में मैं बताना चाहूँगा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों के लिए, शिक्षा के क्षेत्र के लिए तथा पीने के पानी की व्यवस्था के लिए बहुत संवेदनशील है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवान सिंह दौलतपुरियाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि यदि वे आज शिक्षा के विषय पर जवाब देते हैं तो ज्यादा अच्छा रहेगा?

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, आज इस महान सदन में पूर्व की सरकारों के मुखिया बैठे हुए है। हरियाणा प्रदेश को अस्तित्व में आए पूरे 50 वर्ष हो चुके हैं जिसकी स्वर्ण जयंती भी मनाई जा रही है। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि इस 50 वर्ष के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ जबकि एक साथ 21 महाविद्यालयों का उद्घाटन एक साथ किया गया हो? (इस समय मेजें थपथपाई गई।) (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार में केवल उद्घाटन किए गए हैं और नींव रखी गई है, इसके अतिरिक्त कुछ नहीं किया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दांगी जी, मंत्री जी का आशय यह है कि सरकार की तरफ से 21 महाविद्यालयों के लिए पैसा रिलीज कर दिया गया है और इन पर काम शुरू भी हो चुका है।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया जी को बताना चाहूँगा कि वह फतेहाबाद में जिस पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के शिलान्यास के बारे में जानना चाहते हैं, उस संदर्भ में मैं केवल यही कहना चाहूँगा कि इसी वित्त वर्ष में इस कॉलेज का शिलान्यास करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

श्री अध्यक्षः बलवान जी, आपको तो माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहिए।

श्री बलवान सिंह दौलतपुरियाः सर, अगर ऐसी बात है तो धन्यवाद से कोई इंकार नहीं कर सकता।

श्री अध्यक्षः जय प्रकाश जी अब आप अपना प्रश्न पूछिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, अब फिर वही बात हुई। आपने किसी भी अन्य सदस्य को सप्लीमैंट्री पूछने के लिए नहीं कहा? इस तरह से यदि किसी माननीय सदस्य के मन में किसी प्रश्न पर कुछ अतिरिक्त पूछने की मंशा हो तो वह दबकर रह जाती है? आप इस तरह से ज्यादती कर रहे हैं? आप किसी भी प्रश्न

पर सप्लीमैंट्री पूछने के लिए नहीं कह रहे हैं? सप्लीमैंट्री पूछना इस महान सदन के हर माननीय सदस्य का अधिकार है?

श्री अध्यक्षः किरण जी, आपको यह बात भी याद रखनी चाहिए कि यदि एक ही प्रश्न पर ज्यादा समय दिया जायेगा तो प्रश्न काल मात्र 4 से 6 प्रश्नों तक ही सीमित रह जायेगा।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, सप्लीमैंट्री पूछना तो हर विधायक का अधिकार होता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, किसी प्रश्न पर सप्लीमैंट्री पूछने का प्रथम अधिकार तो उस सदस्य का होता है जिसके द्वारा प्रश्न पूछना गया है और मैंने इस व्यवस्था का पूरी तरह से ध्यान भी रखा है । प्लीज आप बैठिये क्योंकि इस तरह से तो प्रश्न काल का समय बीत जायेगा । (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, अब आप अपना प्रश्न पूछिये ।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरा प्रश्न संख्या 1715 लगा हुआ है लेकिन इसके पूछने से पहले मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा ..... (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, ... (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि मैंने अभी अपने प्रश्न के बारे में पूरी बात भी नहीं की थी और मंत्री जी ने बोलना शुरू कर दिया । अतः मेरा अनुरोध है कि माननीय मंत्री जी सदन में इस तरह का व्यवहार न करें । मुझे अपने प्रश्न के बोलने के उपरांत ही मंत्री जी को हाउस में अपनी बात रखनी चाहिए । माननीय मंत्री जी को हाउस के रूल्ज एंड प्रोसीजर की जानकारी होनी चाहिए । रूल्ज एंड प्रौसीजर यह कहते हें कि पहले प्रश्न पूछा जाता है और उसके बाद मंत्री जवाब देता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष जी, जय प्रकाश जी ने अपने प्रश्न का नाम लिया था इसलिए मैं बोलने के लिए खड़ी हो गई । जब एक बार प्रश्न संख्या के बारे में बोल दिया गया हो तो उस सूरत में मंत्री का दायित्व बनता है कि वह अपने विभाग से संबंधित प्रश्न पर अपना उत्तर प्रस्तुत करे । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष जी, अब आप ही इस संबंध में रूल्ज एंड प्रौसीजर के बारे में माननीय सदस्य को क्लीयर करें ।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, वैसे तो आपने अपने प्रश्न की संख्या को बोल दिया था और उसके बाद ही मंत्री जी खड़ी हुई थी । प्रश्न काल का समय सीमित है अतः मैं आपको फिर से अपना प्रश्न पूछने के लिए अलाऊ करता हूं ।

.....

Drinking Water In HUDA, Sectors

***1715 Sh. Jai Parkash.** : Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the drinking water being supplied in the Sectors of HUDA i.e. 18, 19, 20, 21 of Kaithal City is not potable; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to supply the canal water in above said Sectors of Kaithal City; if so, the time by which it is likely to be supplied?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : नहीं श्रीमान, इसलिए प्रश्न का यह भाग प्रासंगिक नहीं है।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष जी, मेरे हलके कलायत में कॉलेज के लिए मेरी एक सप्लीमैंट्री है । माननीय शिक्षा मंत्री पंडित राम बिलास शर्मा जी द्वारा इस कॉलेज के लिए हां भरे दो साल हो गये हैं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप एक बार अपने क्वैश्चन का जवाब तो आने दीजिए सप्लीमैंट्री बाद में पूछ लेना । (विघ्न)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष जी, मैंने अपनी सप्लीमैंट्री पूछने के लिए हाथ खड़ा किया था । (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष जी, माननीय विधायक श्री जय प्रकाश को इस महान सदन में हमारी कमिटमैंट है कि हम इनको साथ लेकर इस कॉलेज की आधारशिला रखेंगे । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, आप हमारे साथ ज्यादती कर रहे हो । Speaker Sir, you are not giving a chance to the Opposition Benches to ask supplementary. ऐसा तो हमने कभी भी नहीं देखा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण चौधरी जी, सदन में पूछे गए अभी तक सभी प्रश्न विपक्ष के सदस्यों के ही हैं । अगर मैं एक ही प्रश्न पर इतनी सप्लीमैंट्रीज पूछने की इजाजत दूंगा तो फिर सदन के प्रश्न काल में 3–4 क्वैश्चन ही पूछे जा सकेंगे । (विघ्न) वैसे

भी सप्लीमैंट्री तो वही पूछेगा जिसका क्वैश्चन है । ऐसा नहीं है कि पूरा हाउस ही उस पर सप्लीमैंट्री पूछेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, हम कोई इररैलवैंट क्वैश्चन नहीं पूछते हैं । खेद है कि आप हमें कोई रैलवैंट प्रश्न भी पूछने नहीं दे रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष जी, आज सत्ता पक्ष के विधायकों के सिर्फ दो प्रश्न लगे हैं बाकी सारे प्रश्न विपक्ष के विधायकों के ही लगे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री ज्ञान चंद गुप्ता को बताना चाहता हूं कि रूलिंग पार्टी कम क्वैश्चन पूछती है । माननीय सदस्य श्री ज्ञान चंद गुप्ता सरकार में हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि सत्ता पक्ष को तो क्वैश्चन पूछने ही नहीं चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आदरणीय किरण चौधरी जी, यह एजूकेशन का मामला नहीं है । यह तो एक जगह के कॉलेज का विषय है । अतः पूरे हरियाणा के कॉलेजिज के विषय में सप्लीमैंट्री नहीं पूछी जा सकती । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि समस्याएं तो हमारे इलाके में भी होती हैं । (शोर एवं व्यवधान) समस्याएं हर विधान सभा क्षेत्र में हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री ज्ञान चंद गुप्ता सदन की बैठक के बीच में उठकर बोल रहे हैं । मैं आपके माध्यम से इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या ये कोई मंत्री है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, आप प्लीज बैठिये । ज्ञान चंद गुप्ता जी, आप भी प्लीज बैठिये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष जी, मैंने आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछा था । उस प्रश्न का जो जवाब दिया गया है वह इतना खेदजनक है कि मुझे लग रहा है है कि माननीय मंत्री जी पूरी तैयारी करके नहीं आई हैं । (विघ्न) आप पहले मेरी बात सुनिये । (विघ्न) प्लीज आप बैठिये । यह ठीक नहीं है । (विघ्न)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य श्री जय प्रकाश सही बात नहीं कह रहे हैं । यह नहीं चलेगा । (विघ्न) अध्यक्ष जी, आप इनको तमीज से बात करने के लिए कहें ।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने डेढ़ वर्ष पहले पूरे भारतवर्ष में दस डिस्ट्रिक्ट्स को डार्क जोन घोषित किया था । इनमें कैथल को भी डार्क जोन घोषित किया गया था । कैथल में हुडा के सैक्टर–18, सैक्टर–19, सैक्टर–20 और सैक्टर–21 ऐसे सैक्टर्स हैं जहां पर लोग ग्राउंड वाटर को पीने के लिए यूज करते हैं । इस पानी में सल्फर की मात्रा बहुत ज्यादा है । मेरा आदरणीय मंत्री जी से केवल एक निवेदन है कि जब आप दूसरे इलाकों को कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई कर रहे हो तो कैथल के इन सैक्टर्स को नहरी पानी की आपूर्ति किये जाने से इनकार क्यों कर रहे हो ? माननीय मंत्री जी मुझे इन दो बातों का उत्तर दे दें कि कैथल डार्क जोन है या नहीं ? यदि कैथल डार्क जोन है और सरकार वहां पर नहर से पानी की आपूर्ति नहीं करती तो सरकार इस मामले में सीरियस नहीं है ।

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि इस क्वैश्चन के दो पार्ट्स हैं । माननीय सदस्य ने अपने क्वैश्चन में साफ–साफ लिखा है कि क्या मुख्य मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या यह तथ्य है कि कैथल शहर के हुडा के सैक्टरों अर्थात् सैक्टर–18, सैक्टर–19, सैक्टर–20 और सैक्टर–21 में आपूर्ति किए जा रहे पीने के पानी की आपूर्ति पीने योग्य नहीं हैं । मैं बताना चाहूंगी कि मेरे पास इस क्वैश्चन के आने के बाद इन चारों सैक्टर्स के सभी ट्यूबवैल्ज का निरीक्षण करवाया गया है । इनमें से सिर्फ एक ट्यूबवैल के पानी में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है और इस ट्यूबवैल को बंद करवा दिया गया है । इस क्वैश्चन का दूसरा पार्ट पहले पार्ट पर ही आधारित है है जिसमें नहरी पानी की आपूर्ति किये जाने के बारे में पूछा गया है । अब जिस ट्यूबवैल का पानी फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण पीने योग्य नहीं है उसको बंद करा दिया गया है । इसके पश्चात दूसरे क्वैश्चन का सवाल ही नहीं उठता । सबसे पहली बात यह है कि माननीय सदस्य ने नहरी पानी देने के सवाल पर कहा कि मंत्री जी जवाब की तैयारी करके नहीं आई है । माननीय सदस्य ने ट्यूबवैल के पानी की टैस्टिंग के बारे में क्वैश्चन पूछा था । वहां पर एक ट्यूबवैल का पानी खारा है । इसके साथ–साथ जो वर्तमान परिस्थितियां हैं वह मैं सदन के समक्ष रखना चाहूंगी । वर्तमान में कैथल शहर के जो सैक्टर–18, सैक्टर–19, सैक्टर–20 और सैक्टर–21 हैं । इनमें सैक्टर–19 और सैक्टर–20 पुराने हैं तथा सैक्टर–18 और सैक्टर–21 नये बने हुए सैक्टर्स हैं । अध्यक्ष महोदय, कैथल शहर के हुडा सैक्टर्स 18 और 21 में रिहायशी नाम मात्र की है । सैक्टर्स 19 और 20 में 2059 प्लॉटस हैं,

जिनमें 1800 प्लॉटस पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, वर्तमान में सैक्टर 18 में 4, सैक्टर 19 में 5, सैक्टर 20 में 4 और सैक्टर 21 में 4 ट्यूबवैलज की संख्या है। इसके अंतर्गत हमारे पास 11 ट्यूबवैलज हैं, जिसमें केवल 1 ट्यूबवैल को छोड़कर सभी ट्यूबवैलज वर्किंग कंडीशन में है जोकि पर्याप्त है। अध्यक्ष महोदय, हमें वर्तमान में जो 3.25 एम.एल.डी. पानी की आवश्यकता होती है उसके लिए हमारे पास जो चालू ट्यूबवैलज हैं वे पर्याप्त हैं। लेकिन भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए हुडा विभाग की तरफ से सिंचाई विभाग को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा गया है। सिंचाई विभाग द्वारा यह कहा गया कि कैथल के अंदर जो वॉटर वर्क्स का पानी है वह पब्लिक हैल्थ के माध्यम से दिया जाता है। इसलिए यह पत्र पब्लिक हैल्थ विभाग के माध्यम से भेजा जाये। अध्यक्ष महोदय, पब्लिक हैल्थ विभाग के माध्यम से पत्र भेजने पर फिलहाल इस संबंध में कोई जवाब नहीं आया है। अध्यक्ष महोदय, नहर आधारित जल आपूर्ति उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में लगभग 5 से 7 साल का समय लग जाता है क्योंकि सिंचाई विभाग से सहमति लेनी होती है। अध्यक्ष महोदय, सिरसा ब्रांच से कनैक्ट करने के लिए भूमि अधिग्रहण की भी आवश्यकता पड़ेगी । अध्यक्ष महोदय, इसके लिए जल संशोधन यंत्र भी लगाने की आवश्यकता पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि पानी के पानी की व्यवस्था के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए आगे की ओर अग्रसर है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः जय प्रकाश जी, माननीय मंत्री महोदया ने आपके प्रश्न का कम्पलीट जवाब दे दिया है इसके बाद आपको कुछ भी पूछने की आवश्यकता नहीं है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदया जी ने प्रश्न का कम्पलीट जवाब नहीं दिया बल्कि सदन को गुमराह किया है। (शोर एवं व्यवघान) मेरे हल्के में किसानों को पानी नहीं मिल रहा है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः जय प्रकाश जी, माननीय मंत्री महोदया ने सिर्फ किसान के बारे में नहीं बल्कि पानी के बारे में सदन को बताया है। (शोर एवं व्यवघान)

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, अनाज तो हम भी खाते हैं, अगर हम किसान नहीं है तो क्या हुआ लेकिन हमें सारी जानकारी है। (शोर एवं व्यवघान)

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष का अभिनन्दन

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, श्री सतबीर सिंह कादियान, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष वी.आई.पीज. दीर्घा में सदन की कार्यवाही देखने के लिए आए हैं । हम सदन की तरफ से उनका हार्दिक अभिनन्दन करते हैं ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि माननीय मंत्री महोदया ने जो जवाब दिया कि इस संबंध में पब्लिक हैल्थ को पत्र लिखा है, वह अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, एक तो माननीय मंत्री महोदया ने नहरी पानी की आपूर्ति के लिए लगभग 10 साल का समय दे दिया, इस दौरान यदि लोग पानी पी कर बीमार हो जायेंगे तो क्या सरकार उसके लिए जिम्मेवार है ?

श्री अध्यक्षः जय प्रकाश जी, सभी ट्यूबवैलज का पानी जांच करवाने पर ठीक पाया गया और जिस ट्यूबवैल का पानी ठीक नहीं था उसको बंद कर दिया गया।

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, सदन मुझे यह बताए कि एक ट्यूबवैल के पानी में फ्लोराईड की मात्रा ज्यादा होने के कारण पानी पीने योग्य नहीं है, वहीं दूसरी जगह पर ट्यूबवैल का पानी पीने योग्य कैसे हो सकता है ? इसलिए इसकी रिपोर्ट मंगवानी चाहिए। (शोर एवं व्यवघान)

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, जिस एरिया में मेरा घर है, उसमें दो ट्यूबवैलज हैं। उसके आगे वाले ट्यूबवैल का पानी खारा और पीछे वाले ट्यूबवैल का पानी मीठा है। इस तरह से एक जमीन का पानी अलग–अलग भी हो सकता है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से कहता हूँ कि इसकी रिपोर्ट मंगवाई जाये। (शोर एवं व्यवघान)

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, इसकी रिपोर्ट मंगाकर सदन के पटल पर रख दी जायेगी।

.....

Additional Grain Market in Rania

***1716.Shri Ram Chand Kamboj :** Will the Agriculture Minister be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govrnment to construct an additional Grain Market in Rania City of Rania Assembly Constituency; and

(b) if so, the time by which the construction work of the above said Grain Market is likely to be started?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड):

(क) जी नहीं श्रीमान् ।

(ख) इसलिए प्रश्न के इस भाग का सवाल ही नही उठता।

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त विभाग की जानकारी के हिसाब से मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि रानियां शहर में जो 30 एकड़, 4 कैनाल और 8 मरला की भूमि पर अनाज मंडी है उसमें 558 लाईसेंस धारक आढ़ती हैं। जितना अनाज उस मंडी में आता है विभागानुसार उस हिसाब से पर्याप्त बड़ी मंडी है। अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय सदस्य से पूछा था कि विभागानुसार यदि सभी सुविधाएं अनाज मंडी में पर्याप्त हैं तो अतिरिक्त मंडी की मांग क्यों कर रहे हैं। जो मुख्य बात है वह यह है कि जब से मैकेनाईजेशन हुआ है। सभी मंडियों में एकदम अनाज आता है और एक तरह से सभी मंडियां अनाज से भर जाती है। उसी कारण माननीय सदस्य ने यह सवाल उठाया है। इस नयी समस्या को देखते हुए मैं विभाग के अधिकारियों को आदेश देता हूं कि ऐसी मंडिया जो ओवरफ्लडिड होती है। जिनमें जरूरत से ज्यादा अनाज आता है उनके बारे में अधिकारी यह अध्ययन करें कि क्या–2 उपाय किये जा सकते हैं जैसे एरिया आदि बढाना है या किसानों को जैसे मध्यप्रदेश में शुरू हुआ है कि वहां पर किसानों को एस.एम.एस. करते हैं कि आप सप्ताह के इस दिन आ सकते है। उनकी फसल की खरीद की तारीख तय की जाती है उसी तारीख को किसान मंडी में जाते हैं। यह समस्या हमारे यहां पर धान/गेहूं की खरीद के समय में भी आती है जो वास्तव में एक नया सवाल खड़ा हुआ है। इस सवाल का अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए एक टैक्नीकल सिस्टम शुरू किया जाएगा जिससे मंडियों में किसानों को किसी परेशानी/दिक्कत का सामना न करना पड़े।

11:00 बजे

श्री राम चन्द कंबोजः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्योंकि सिरसा जिला कपास और गेहूं के उत्पादन में प्रदेश में सबसे ज्यादा पैदावार करता है। लेकिन रानिया एक ऐसी मंडी है जिसकी धान आदि में एक अलग ही पहचान है किसानों की जब फसल आती है तब मंडी में अव्यवस्था के

कारण बहुत बुरा हाल होता है। क्योंकि रानिया मंडी में किसानों की पहले से ही दुर्गती हो रही है। जब किसानों की फसल आती तो इतना बुरा हाल होता है कि लगभग 100–125 एकड़ गेहूं मिट्टी में मिला हुआ होता है। इसके अतिरिक्त अप्रैल का महीना आ रहा है गेहूं की कटाई का समय आ रहा है माननीय मंत्री जी मेरे साथ चलें तो यह दृश्य मैं आपको दिखना चाहूंगा उसके बाद जैसा आप आवश्यक समझें वैसा करें। क्योंकि जब किसान की बात हो तो वह बहुत मेहनत से 6 महीने में फसल अपने बेटे की तरह तैयार करता है और उसके बाद उसकी फसल की दुर्गती हो मैं तो यह नहीं चाहता। माननीय मंत्री जी आप मेरे साथ चलें। इस मंडी को बनाने की योजना माननीय हुड्डा जी की सरकार के समय में शुरू हुई थी और उस समय रानियां में अतिरिक्त मंडी बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था लेकिन पता नहीं कि किन कारणों से उस प्रस्ताव को कैंसिल कर दिया गया क्योंकि दस वर्ष पहले भी इस मंडी की आवश्यकता वहां पर थी। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह आग्रह करना चाहूंगा कि उस मंडी को बनाने का काम कब तक पूरा कर लिया जाएगा ? किसान का यह बहुत अहम मुददा है क्योंकि उनके पास लगभग 4–5 एकड़ की जोत है जो बड़ी जोत नहीं है। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यह अतिरिक्त मंडी बनाने का काम कब तक शुरू किया जाएगा ?

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं वे रानियां में मंडी बनाने के बारे में हां कह दें।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, इस मंडी में लगभग 17 लाख क्विंटल गेहूं, साढे 8 लाख क्विंटल धान तथा 12 हजार क्विंटल कपास वहां पर आती है। मोटे तौर पर कुल 26 लाख क्विंटल अनाज वहां पर आता है। वहां पर एक हमारा सब यार्ड जो जीवट नगर में है तथा सात खरीद केन्द्र भी हैं। अगर और कोई टंपरेरी केन्द्र बढाना है तो आप बता दें। वह इसी वर्ष गेहूं की फसल पर बढा देंगे जिससे कि वहां पर गेहूं आदि फसलों की खरीद सुचारू रूप हो सके। इसके अलावा अतिरिक्त मंडी बनाने में समय लगेगा।

श्री अभय सिंह चौटालाः आप हां कह दो मंत्री जी।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, इसी सीजन पर क्योंकि यह पीक सीजन है इसमें गेहूं ज्यादा आ रहा है इस पर एक अध्ययन करवा लेंगे। अगर ऐसा लगा कि एरिया बढाना है या अतिरिक्त मंडी की आवश्यकता है। तो हम तुरन्त यह काम

कर देंगे या और कोई समाधान है तो वह कर देंगे, क्योंकि बहुत सारी मंडियाँ ओवरफ्लडिड हैं। तो उस रास्ते पर हमें आगे बढना होगा।

श्री राम चन्द कम्बोजः सर, आप इस समस्या का कोई स्थायी हल कीजिए क्योंकि आप ये मान भी रहे हैं कि यह समस्या है।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की मांग का हम अध्ययन करवा लेगें। अगर अतिरिक्त मंडी की आवश्यकता हुई तो यह मांग पूरी की जाएगी।

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर महोदय, माननीय साथी श्री रामचन्द कम्बोज की मांग जायज है। मंत्री जी, ने इनको जवाब देते हुए कहा है कि हम आपके लिए परचेज सेंटर और बना देंगे, लेकिन बात परचेज सेंटर और बनाने की नहीं है। धान की जो फसल है, उसको ले जाकर मिट्टी में नहीं डाला जा सकता और धान की वहां पर सबसे ज्यादा आवक है। उस धान के लिए उन्होंने पार्टिकुलर डिमांड की है कि धान को पक्के पीड़ (फड़) पर डाला जाए। इसके लिए आप अतिरिक्त मंडी की व्यवस्था यहां करो या न करो, लेकिन ये सदन को जरूर बताओ और आश्वस्त करा दो कि हम आपके लिए पीड़ पक्का बना कर देंगे, ताकि कम–से–कम किसान की धान तो खराब न हो। आप एक तरफ तो किसान की चिंता करते हैं और दूसरी तरफ जब किसान की कोई बात सामने रखी जाती है तो फिर आप उसमें कहीं–न–कहीं टाल मटोल करना चाहते हैं। हम यह इसलिए चाहेंगे क्योंकि उस इलाके में धान सबसे ज्यादा होता है।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, शायद अभय सिंह जी ने ध्यान नहीं दिया। इसी मण्डी में गेहूं भी सबसे ज्यादा आता है। गेहूं साढ़े 17 लाख टन के आसपास और धान साढ़े 8 लाख टन के आस पास आता है। परचेज सैंटर्ज का भी फड़ पक्का कराना है, उसमें कोई दिक्कत नहीं है, हम करायेंगे और मैंने यह भी कहा है कि इनकी मंडियों का इसी सीजन में अध्ययन करा लेते हैं अगर जरूरत है तो पौजीटिवली इसको बढ़ायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

.....

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Total Number of Old Age Pensioner

***1699.Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister of State for Social Justice & Empowerment be pleased to state the district wise total number of old age pensioners in the State during the year 2014-2015 till to date togetherwith the number of fake old age pensioners found during the above said period?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : कथन सदन की मेज पर रखा है ।

कथन

वर्ष 2014–2015 (मार्च, 2015) से आज तक के दौरान राज्य में अदायगी किये गये बुढ़ापा पेंशनरों की जिलावार कुल संख्या इस प्रकार हैः–

क्रम सं0	जिला	वर्ष 2014–15 (03/2015) के दौरान अदायगी किये गये बुढ़ापा पेंशनरों की संख्या	फरवरी, 2017 मे अदायगी किये गये बुढ़ापा पेंशनरों की संख्या
	(क)	(ख)	(ग)
1.	अम्बाला	65389	67921
2.	भिवानी	103364	105912
3.	फरीदाबाद	45359	45453
4.	फतेहाबाद	66368	67011
5.	गुरूग्राम (गुड़गांव)	37941	38668
6.	हिसार	96500	102904
7.	झज्जर	62682	61917
8.	जीन्द	87073	90975
9.	कैथल	74678	79819
10.	करनाल	80459	83732
11.	कुरूक्षेत्र	69056	70598
12.	महेन्द्रगढ़	66204	67351
13.	मेवात	49181	49140
14.	पलवल	62357	60966
15.	पंचकूला	18835	20118
16.	पानीपत	54192	56915
17.	रिवाड़ी	57000	58116
18.	रोहतक	63842	64499
19.	सिरसा	86567	88842
20.	सोनीपत	80745	79772
21.	यमुनानगर	71330	71751
	कुल	**1399122**	**1432380**

कॉलम संख्या (ग) एवं (ख) के बीच में संख्या की वृद्धि का अन्तर, नये योग्य पेंशनरों के जुड़ने, कमी का आधार इस दौरान मृतक पेंशनरों के नाम कटने एवं फरवरी, 2015 से डी0बी0टी0 में स्थानान्तरित होने के कारण नामों का कटना है।

.....

Roadways Bus Service

*1757. **Sh. Anoop Dhanak.** : Will the Transnport Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start Haryana Roadways Bus Service in villages Sabarwas, Shyamsukh and Biyanakhera; if so, the time by which the Bus service is likely to be started in the above said villages?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : श्रीमान जी, हरियाणा राज्य परिवहन की बस सेवा इन गांवों में पहले से ही उपलब्ध है।

.....

Development of Controlled Area

***1774. Sh. Tek Chand Sharma. :** Will the Industries & Commerce Minister be pleased to state whether it is a fact that one kilometre area on both sides of the Eastern Periphery Expressway and Kundli Manesar Palwal Highway has been notified as controlled area; if so, the manner in which the said area is likely to be developed together with the time by which it will be developed?

उद्योग एवं वाणिज्य मन्त्री (श्री विपुल गोयल) : हां श्रीमान जी, विकास योजना को बनाने के अध्यन के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार फर्म को लगाया गया है। इसके अतिरिक्त विकास के मॉडल को चिन्हित करने के लिए जून, 2017 तक सरकार के पास विचार के लिए प्रस्तुत करेगी।

Release of Polluted Water in to the Agra Canal

***1766. Shri Udai Bhan. :** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that the people are suffering from diseases like Cancer, bone diseases, Jaundice etc. due to contaminated water of Agra Canal and Gurgaon Canal as the Chemical mixed polluted water is being released into the Yamuna from Delhi which is being used for irrigation by the farmers of district Faridabad, Palwal, Gurugram and Mewat; and

(b) the number of dirty nullahs releasing polluted water in Yamuna river from entry point of Delhi upto Okhla head togetherwith the number of

nullahs on which the arrangements of sewerage treatment plants has been made?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) 62 ड्रेनों के उपचारित/आंशिक रूप से उपचारित/अनुपचारित मलजल तथा औद्योगिक प्रवाह का निष्कासन सीधे या परोक्ष रूप से यमुना नदी में किया जाता है। उन पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने की संख्या की सही जानकारी दिल्ली अथॉरिटी से मांगी जा रही है ।

.....

Allotment of Houses and Plots

***1727. Shri Jaiveer Singh.** : Will the Development and Panchayats Minister be pleased to state the total number of BPL families to whom the house and plots have been allotted in the State during the period from November, 2014 till to date together with the number of BPL families to whom the amount has been released for construction of houses ?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : श्रीमान जी, महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत नवम्बर, 2014 से अब तक की अवधि के दौरान राज्य में 10869 बी पी एल परिवारों को प्लाट अलाट किए जा चुके है । आई ए वाई योजना के तहत मकान निर्माण के लिए 24056 बी पी एल परिवारों को सब्सिडी राशि जारी की जा चुकी है । ग्रामीण क्षेत्रों में मकान आबंटन की कोई योजना नहीं है ।

.....

To Set Up A 66 kV Power House

***1733.Sh. Lalit Nagar.** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a 66 KV Power House in village Agwanpur in Tigaon Assembly Constituency; if so, the details thereof?

मुख्य मंत्री (मनोहर लाल): नहीं, श्रीमान। प्रश्न के दूसरे भाग का सवाल ही नहीं उठता।

.....

To Open A Seed Sale Centre

***1782. Sh. Om Parkash Barwa. :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a seed sale centre of Haryana seed Development corporation in Siwani town of Loharu Constituency; if so, the detail thereof ?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : नहीं, श्री मान।

.....

Construction of Building of Regional Centre

***1911. Sh. Prithi Singh Numberdar. :** Will the Education Minister be pleased to state whether it is fact that the foundation stone of the Regional Centre of BPS Mahila University was laid in the year 2014 in village Kharal District Jind; if so, the time by which the building of the Regional Centre is likely to be constructed togetherwith the time by which above said Regional Centre is likely to start functioning?

शिक्षा मंत्री (राम बिलास शर्मा) : हॉ, श्रीमान्। भवन सलाहकार समिति द्वारा दिनांक 03.01.2016 को भवन के नक्शे तथा 13.50 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत का अनुमोदन कर दिया गया है और भवन निर्माण का कार्य शीघ्र आरम्भ हो जाएगा। इस केन्द्र में 600 लड़कियां पूर्व कन्या गुरूकुल खरल के भवन में शिक्षारत हैं।

.....

To Supply Round the Clock Electricity

***1790. Shri Jasbir Deswal.** : Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the electricity is not being Supplied round the lock in villages inspite of surplus quantum of electricity in the State; if so, the reasons thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): श्रीमान, राज्य में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता है तथा गांवों को बिजली आपूर्ति स्वीकृत पावर रेगुलेटरी मेजरस (पी.आर.एम.) के अनुसार की जाती है।

Repair of Roads

***1800. Shri Sri Krishan Hooda. :** Will the Agriculture Minister be pleased to state whether it is a fact that the roads from Rewara to Anwali, Safidon road to Bichpari Minor, Moi Hooda to Katwal, Anwali to Katwal, Moi Hooda to Rukhi and Banwasa to Ahulana of Baroda Constituency have been damaged; if so, the time by which the abovesaid roads are likely to be repaired ?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : ब्यौरा सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

ब्यौरा

तारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 1800 से सम्बन्धित ब्यौरा

1. रेवाड़ा से आंवलीः– इस सड़क की लम्बाई 3.10 किलोमीटर है और इसका निर्माण वर्ष 2002 के दौरान किया गया था । इस सड़क की विशेष मरम्मत के लिए 37.35 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति 21.01.2017 को प्रदान कर दी गई थी । कार्य 20.02.2017 को आबंटित कर दिया गया है । मरम्मत कार्य 30.06.2017 तक पूरा होने की संभावना है ।

2. सफीदों रोड से बिचपड़ी माईनरः– प्रस्तावित सड़क की लम्बाई 2.28 किलोमीटर है । इसके लिए कोई राजस्व रास्ता उपलब्ध नहीं है । यद्यपि, बिचपड़ी माईनर की पटड़ी पर 10 फूट चौड़ा रास्ता उपलब्ध है जिसपर पेड़ भी खड़े हैं । प्रस्तावित सड़क बोर्ड की नीति के अन्तर्गत नहीं आती, इसलिए इस सड़क के निर्माण की कोई योजना हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल के विचाराधीन नहीं है ।

3. मोई हुड्डा से कटवालः– इस सड़क की लम्बाई 3.85 किलोमीटर है और इसका निर्माण वर्ष 2004 के दौरान किया गया था । यह सड़क वाहन चलने योग्य है । इस सड़क पर मामूली गड्ढे बन गए हैं जिनकी मरम्मत 31.03.2017 तक कर ली जायेगी ।

4. आंवली से कटवालः– प्रस्तावित सड़क की लम्बाई 3.58 किलोमीटर है । पूरी लम्बाई में 4 करम चौड़ा राजस्व रास्ता उपलब्ध है । रास्ते की चौड़ाई कम होने के कारण प्रस्तावित सड़क बोर्ड की नीति के अन्तर्गत नहीं आती।

5. मोई हुड्डा से रुखी :–इस सड़क की लम्बाई 4.03 किलोमीटर है और इसका निर्माण वर्ष 2010 के दौरान किया गया था । इस सड़क की विशेष मरम्मत के लिए 60.57 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति 20.02.2017 को प्रदान कर दी गई है । मरम्मत कार्य अगले वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है ।

6. बनवासा से अहूलानाः– ऐसी कोई सड़क मौजूद नहीं है । राजस्व रिकार्ड के अनुसार गांव बनवासा तथा अहूलाना के बीच कोई राजस्व रास्ता भी उपलब्ध नहीं है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Road Accidents in Haryana

408. Shri Jagbir Singh Malik & Shri Parminder Singh Dhull. : Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that road accidents in Haryana have increased during the year 2014-15, 2015-16 and up to December, 2016; and

(b) if so, the district-wise details of accidents togetherwith the details of casualties in these accidents in the above mentioned period?

मुख्य मंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान् जी, वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

वर्ष 2014–15, 2015–16 तथा दिसम्बर, 2016 के दौरान हरियाणा में सड़क दुर्घटनाओंतथा इस अवधि में इन दुर्घटनाओं में हुई मौतों का विवरण निम्न प्रकार है:–

क्रमांक	जिला	दुर्घटनाएं	मौते	दुर्घटनाएं	मौते	दुर्घटनाएं	मौते
		2014–15	2014–15	2015–16	2015–16	अप्रैल से दिसम्बर 2016	अप्रैल से दिसम्बर 2016
1	अम्बाला	590	243	572	276	443	234
2	पचंकुला	196	86	250	99	165	101
3	यमुनानगर	420	172	465	239	342	156
4	कुरूक्षेत्र	468	220	535	251	395	185
5	कैथल	354	142	367	172	267	131
6	करनाल	562	278	711	347	607	301

7	पानीपत	590	287	554	209	434	217
8	सोनीपत	646	367	854	414	597	329
9	रोहतक	430	207	488	241	394	171
10	झज्जर	456	251	480	294	392	199
11	हिसार	581	241	633	244	470	204
12	फतेहाबाद	270	97	264	110	217	81
13	सिरसा	319	167	290	133	202	99
14	भिवानी (दादरी सहित)	620	255	592	233	467	200
15	जीन्द	349	167	371	179	283	144
16	गुरूग्राम	1036	388	1071	430	788	256
17	फरीदाबाद	679	233	674	214	453	154
18	पलवल	445	200	481	197	374	137
19	रेवाडी	626	268	602	253	503	223
20	नारनौल	486	186	466	174	330	145
21	मैवात	389	145	468	171	323	133
कुल	**10512**	**4600**	**11188**	**4880**	**8446**	**3800**	

.....

Privatization of Power Houses.

405.Shri Ram Chand Kamboj.: Will the Chief Minister be pleased to state the number of Power Houses (Sub-Divisions) privatized till to date in the Haryana State?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान्, हरियाणा राज्य में आज तक किसी भी बिजली घर (सब–डिवीजन) का निजीकरण नहीं किया गया है।

.....

Marriage of Minor Children

411. Sh. Karan Singh Dalal. : Will the Women And Child Development Minister be pleased to state the number of marriages of Minor-Children have taken place in the state from the year 2014 till to date togetherwith the action taken by the Government?

शहरी स्थानीय निकाय (श्रीमती कविता जैन) : श्रीमान जी, सम्बंधित सूचना निम्न तालिका में वर्णित हैः–

सूचना

क0स0	ब्यौरा	2014–15	2015–16	2016–17
1.	बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की धारा 3 के अन्तर्गत शून्यता के लिए अदालत में आवेदन दायर किया गया	13	11	1
2.	बाल विवाहों की शिकायतों की रिपोर्ट की संख्या	246	315	362
3.	बाल विवाहों को निषेधाज्ञा आदेशों के द्वारा रोका गया।	48	37	38
4.	परामर्श के द्वारा बाल विवाहों को रोका गया	119	182	230
5.	पुलिस को शिकायतें आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी गई ।	28	18	28
6.	जांच के पश्चात लड़की/लड़के को बालिग पाया गया /जांच उपरान्त शिकायत को असत्य पाया गया।	49	74	65

HOME DEPARTMENT

404. Sh. Parminder Singh Dhull. : Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the total number of armed licenses issued in district Jind since Nov., 2014 till to date; and

(b) whether the policy for issuing armed licenses has been changed by the Government togetherwith the details thereof ?

मुख्य मन्त्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान, (क) जिला जीन्द में नवम्बर, 2014 से अब तक 133 शस्त्र लाईसैंस जारी किए गए हैं, तथा

(ख) हां, हाल ही में, आयुध नियम, 2016 भारत सरकार जी.एस.आर.701(ई) दिनांक 15.07.2016 द्वारा प्रावधानों जैसे विभिन्न सेवाओं की फीस, फार्मों में बदलाव को अधिसूचित किया है।

Change of Sub-Division

427. Sh. Tek Chand Sharma. : Will the Revenue & Disaster Management Minister be pleased to state whether it is a fact that the Jakkopur, Binghopur, Ladhiyapur, Kabulpur Banger, Bhanakpur, Karnera, Sikrona and Ferozepur Kalan villages of Prithla Assembly Constituency, Tehsil and Sub-Division Ballabgarh have been included in newly created Sub-Division Gonchhi and Sub-Division Badkhal without obtaining consent of the Panchayats; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to include again the said villages in Tehsil and Sub-Division Ballabhgarh?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : जी हां। पुर्नगठित कमेटी की सिफारिश के अनुसार उप–तहसील गौंच्छी व उप–मण्डल बडखल में गांव जखोपुर, बिंघोपुर, लधियापुर, कबूलपुर बांगर, भनकपुर, करनेरा, सिकारौना तथा फिरोजपुर कलां को शामिल किया गया था। वर्तमान में उक्त गांवों को तहसील तथा उप–मण्डल बल्लबगढ़ में शामिल करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

.....

Problem of Stray Cattles

428. Shri Jasbir Singh Deswal. : Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to tackle the problem of Stray Cattles particularly Bulls in the State to avoid road accidents?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : हां, श्रीमान जी । सरकार आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए हरियाणा गौ सेवा आयोग को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। इस समस्या को कम करने के लिए, दो गौ–अभ्यारण्य एक गाँव नैन (पानीपत) तथा दूसरा ढंडूर (हिसार) में आवारा गाय व सांडों को रखने के लिए स्थापित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त सरकार ने आवारा गोवंष की समस्या को इसके श्रोत से निपटने के लिए प्रयास आरम्भ किये हैं अर्थात् गाँव एवं कस्बों में नंदीषाला/पषुबाड़ा/फाटक स्थानीय निवासियों एवं जिला प्रषासन की सहायता से स्थापित किऐ जा रहे हैं। प्रथम चरण में 11 जिले फतेहाबाद, सिरसा, मेवात, कुरूक्षेत्र, पंचकुला, पानीपत, रिवाड़ी, करनाल, अम्बाला, यमुनानगर एवं हिसार लिऐ

गये हैं जहां आवारा गोवंष को यथासम्भव विद्यमान गौषालाओं तथा इन नई नंदीषालाओं/पषुबाड़ों/फाटकों में नगर निगम/कमेटी एवं स्थानीय ग्रम पंचायतों की सहायता से सम्बन्धित जिला प्रषासन द्वारा आश्रय प्रदान किया जायेगा। दूसरे चरण में, राज्य के शेष 11 जिलों में भी इसी तरीके से आवारा गोवंष को आश्रय उपलब्ध करवाया जाएगा।

To Establish Blood Bank in Civil Hospital

424. Sh. Ravinder Singh Baliala. : Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to establish Blood Bank in the Civil Hospital in Ratia; if so, the time by which it is likely to be established?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : नहीं, श्रीमान् जी।

.....

Land Allotted To Private Hospitals

441. Sh. Umesh Aggarwal. :Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) the extent of land allotted to the private Hospitals separately in the Gurugram district by the HUDA on the concessional rates togetherwith the locations thereof;

(b) the terms and conditions on which the said land was allotted togetherwith the full details thereof;

(c) the extent of concession on the medical facilities to be provided to the poor people in the above said Hospitals; and

(d) whether any violation in providing the concession has been committed by any private Hospital; if so, the detail thereof; and

(e) the action taken against these private Hospitals by the Government for not adhering to the terms and conditions of the HUDA together with the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, सवाल का जवाब बिन्दु अनुसार इस प्रकार हैः–

(अ) हुडा द्वारा गुरूग्राम जिले में रियायती दरों पर किसी भी निजी अस्पताल को भूमि आबंटित नही की गई।

(ब,स,द,य) उपरोक्त 'अ' के उत्तर के मध्यनजर ब,स,द,य भागों/बिन्दुओं का उत्तर देना प्रासंगिक नहीं है।

.....

MOU between the Government and Patanjali Yogpeeth

431. Sh. Abhay Singh Chautala.: Will the Forest Minister be pleased to state whether any MOU between the State Government and the PatanjaliYogpeeth, Haridwar was signed on 18th January, 2017; if so, the details thereof?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : हां श्रीमानजी, 18 जनवरी, 2017 को सरकार तथा पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। समझौता ज्ञापन की प्रति सदन के पटल पर रख दी गई है।

समझौता ज्ञापन

हरियाणा के शिवालिक क्षेत्र में स्थित मोरनी पहाड़ी वन क्षेत्र में जैव विविधता एवं औषधीय जड़ी–बूटियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु यथा संभव क्षेत्र में विश्व स्तरीय जैव विविधता एवं औषधीय जड़ी–बूटी, वनों की स्थापना एवं विकास मोरनी हिल्ज तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का हर्बल प्रदर्षन केन्द्र (125 एकड) प्रस्तावित है। इस उद्देश्य के लिये यह समझौता ज्ञापन वन विभाग, हरियाणा सरकार (प्रथम पक्ष) एवं पतंजलि अनुसंधान संस्थान दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट, हरिद्वार उत्तराखण्ड (द्वितीय पक्ष) के बीच संपन्न हुआ है। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों पक्ष मोरनी पहाड़ी वन क्षेत्र में विष्व स्तरीय जैव विविधता एवं औषधीय वन की स्थापना एवं विकास हेतू निम्नलिखित शर्तो के अनुसार कार्य करने के लिये सहमति प्रदान करते हैं:–

1. द्वितीय पक्ष विश्व स्तरीय जैव विविधता एवं औषधीय जड़ी–बूटी वनों का विकास एवं स्थापना करने हेतु वन विभाग, हरियाणा के लिए निषुल्क परामर्शदाता के रुप में कार्य करने के लिये सहमत है।
2. विश्व स्तरीय जैव विविधता एवं औषधीय जड़ी–बूटी, वनों की स्थापना एवं विकास मोरनी पहाड़ियों के सरकारी वन क्षेत्र में उपलब्ध वांछित स्थानीय वनस्पति एवं औषधीय जड़ी–बूटीयों को सुरखित रखते हुए प्रथम पक्ष द्वारा द्वितीय पक्ष के तकनीकी सहयोग एवं परामर्ष से की जाएगी। प्रजातियों को प्रस्तावित गतिविधि से विकसित किया जाएगा। इस कार्य/ परियोजना से सम्बंधित सभी व्यय प्रथम पक्ष द्वारा वहन किये जाएंगे।
3. द्वितीय पक्ष परियोजना के निर्माण एवं क्रियान्वयन हेतु परामर्शदाता एवं विशिष्ट वैज्ञानिक प्रति नियुक्त करेगा तथा तकनीकी सहयोग जैसे पौधों की पहचान, पौधारोपण के लिये उपयुक्त क्षेत्र का चुनाव, पौधारोपण से सम्बन्धित सभी गतिविधियां और पौधों का संवर्धन व संरक्षण इत्यादि के कार्य का तकनीकी परामर्ष प्रदान करेगा।

4. प्रथम एवं द्वितीय पक्ष प्रस्तावित क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण करेंगे तथा मौजूदा वन एवं वन्य जीवन कानूनों के मद्देनजर प्रथम एवं द्वितीय पक्ष एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनायेंगे जिसमें निम्न प्रकार से सूचना निहित होगी:–

4(1). वनस्पति एवं वासस्थल अनुसार पूरे क्षेत्र का नक्शा।

4(2). पौधों की प्रजाति वार वस्तु–सूची।

4(3). परियोजना हेतु उपलब्ध क्षेत्र का वर्णन प्रथम पक्ष द्वारा एवं उपयुक्त क्षेत्र के निर्धारण में द्वितीय पक्ष से परामर्श लिया जायेगा।

4(4). प्रस्तावित रोपण क्षेत्रों (प्रजातियों सहित) को नक्शे पर दिखाना।

4(5). लैंटाना कमारा ***(Lantana camara)*** के बारे में सूचना जैसे इससे प्रभावित क्षेत्र व उस क्षेत्र का ढाल ***(slope)*** इत्यादि।

4(6). क्षेत्र वार मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट प्रथम पक्ष द्वारा द्वितीय पक्ष के निर्देशन में।

4(7). परियोजना एवं मिट्टी की रिपोर्ट अनुसार जड़ी–बूटी रोपण के भिन्न–भिन्न माडल।

4(8). औषधीय पौधों को पौधशाला में उगाने की तकनीक।

4(9). वर्ष वार एवं प्रजाति वार उगाए जाने वाले औषधीय पौधों की संख्या ।

4(10). कोई प्रजाति आक्रामक ***(invasive)*** न बन जाए, इसके दुषप्रभावों के बारे में सूचना ।

4(11). परियोजना कियान्वयन की अवधि ।

4(12). परियोजना की अवधि अनुसार वर्षवार करवाए जाने वाले भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की रूप–रेखा ।

4(13). परियोजना का कुल खर्चा अंकित किया जायेगा । इसमें ***Lantana*** एवं अन्य खर पतवार को उखाड़ने का खर्चा भी शामिल होगा ।

5. मद संख्या '4' में निहित सूचनानुसार द्वितीय पक्ष की सहमति के उपरान्त प्रथम पक्ष परियोजना के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव सरकार को भेजेगा । हरियाणा सरकार से परियोजना की अनुमति उपरान्त वार्षिक कार्ययोजनाएं बनाई जाएंगी तथा तदानुसार परियोजना का कियान्वयन किया जायेगा तथा किसी प्रकार की व्यपारिक गतिविधि वन क्षेत्रों मं नही होगी।

6. परियोजना कियान्वयन के दौरान द्वितीय पक्ष पौधारोपण के रख–रखाव, रोगों की रोकथाम एवं उनकी अच्छी तढ़ौतरी के लिए परामर्ष देगा ।

7. रोपित पौधों की उचित बढ़वार एवं स्वास्थ्य हेतु जैविक उर्वरक एवं जैविक कीटनाषक द्वितीय पक्ष के सहयोग से प्रथम पक्ष द्वारा स्वयं अपने खर्चे पर तैयार किये जायेंगे जिसके लिए तकनीकी ज्ञान एवं परामर्ष इत्यादि द्वितीय पक्ष देगा । इनका प्रयोग सरकारी वन क्षेत्रों में द्वितीय पक्ष के परामर्ष अनुसार किया जायेगा ।

8. साल में दो बार क्षेत्र में करवाये गये कार्यों का मूल्यांकन करवाया जायेगा, जिसमें द्वितीय पक्ष की सहमति से मूल्यांकन के लिए तीसरी संस्था को शामिल किया जायेगा । इस मूल्यांकन की विस्तृत रिपोर्ट हरियाणा सरकार को उचित कार्यवाही हेतु भेजी जायेगी।

9. प्रथम पक्ष एवं द्वितीय पक्ष संयुक्त रूप से तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार तथा स्थानीय वातावरण स्थिति ***(ecological)*** के मद्देनजर क्षेत्र से ***Lantana*** एवं अप्रिय खर पतवार इस प्रकार से उखाड़ा जाएगा कि उस क्षेत्र में भूमि कटाव न हो । यह कार्य स्थानीय लोगों एवं द्वितीय पक्ष के सक्रिय सहयोग से करवाया जायेगा ।

10. जैव विविधता एवं जड़ी–बूंटी वन की स्थापना एवं विकास हेतु द्वितीय पक्ष द्वारा नियत वैज्ञानिकों एवं विशिष्ट व्यक्तियों के ठहरने के लिए प्रथम पक्ष आवासीय एवं वाहन सुविधा प्रदान करेगा ।

11. मोरनी क्षेत्र में किसानों की भूमि पर औषधीय जड़ी–बूंटियों की खेती को बढ़ावा दिया जायेगा । इसके लिए प्रथम एवं द्वितीय पक्ष मिलकर कार्य करेंगे।

12. संयुक्त परियोजना के तहत उक्त कार्य का सम्पादन किया जायेगा जिसमें वित्तीय व्यवस्था व अन्य वित्तपोषित गतिविधियाँ प्रथम पक्ष करेगा व तकनीकी सहयोग का कार्य द्वितीय पक्ष निषुल्क करेगा ।

13. वैज्ञानिकों, अनुसंधान संस्थानों और शोधार्थियों के लिए औषधीय पौधों से सम्बन्धित स्थायी अनुसंधान कार्यों और औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता फैलाने के कार्य में द्वितीय पक्ष सहयोग करेगा। संस्थागत एवं अनुसंधान कार्यों में व्यय की पूर्ति का अधिकार द्वितीय पक्ष को होगा ।

प्रथम पक्ष

(आर.आर. जोवल, भा०प्र०से०)

अतिरिक्त मुख्य सचिव,
हरियाणा सरकार, वन विभाग,
चण्डीगढ़।

द्वितीय पक्ष

(आचार्य बालकृष्ण)

महामंत्री
पतंजलि अनुसंधान संस्थान,
दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

Newly Constructed Roads Damaged

433. Sh. Kehar singh: Will the PW(B&R) Minister be pleased to state whether it is a fact that the road from Jaindapur to Sahrala PWD Road, National Highway No. 2 to Phulwari PWD road, Mandkola-Nuh road to Shahid Ramphal road and Vidhawali to Durenchi road have been

damaged within a month after construction; if so, the action taken by the Government against the responsible officers ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी। सभी सड़कें अच्छी स्थिति में हैं और दोष दायित्व अवधि के अर्न्तगत हैं। केवल 'राष्ट्रीय राजमार्ग क्रम संख्या –2 से फुलवारी लोक निर्माण विभाग सड़क' के अंतिम 300 मीटर भाग को छोड़कर, जिसके सुधार का कार्य न्यायालय के स्थगन आदेशों के कारण नहीं किया जा सका था।

.....

Agreement With Companies For Investment

440. Sh. Naresh Kaushik. : Will the Industries & Commerce, Minister be pleased to state:-

(a) The names of companies with whom the agreements of worth Rs. 5,84,000 Crores were signed in Gurugram for the investment in Haryana State : and

(b)The details of investment made in each district of the state together with the number of districts in which the work has been started alongwith the details thereof ?

उद्योग एंव वाणिज्य मंत्री (श्री विपुल गोयल):

(क) हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान, 359 कंपनियों ने एम. ओ. यूज. पर हस्ताक्षर किए थे, उनका विवरण अनुबन्ध–क में विवरित हैं ।

(ख) राज्य के प्रत्येक जिले में किए गए निवेश का विस्तृत विवरण अनुबन्ध– ख में विवरित हैं तथा जिन जिलों में कार्य आरम्भ हो चुके है उनका विवरण निम्न प्रकार से है:–

क्रम संख्या	जिला	परियोजनाओं की संख्या	प्रस्तावित निवेश का विवरण	किए गये निवेश का विवरण (करोड़ रूपयों में)
1	अम्बाला	5	320.51	261.3
2	फरीदाबाद	35	5104.27	1288.07
3	गुरूग्राम	22	67715.71	7556.48
4	झज्जर	3	570	200
5	जीन्द	1	0.62	7
6	करनाल	5	415.93	78.1
7	कुरूक्षेत्र	3	138.4	29.07
8	मेवात	3	607.36	35.1
9	पलवल	1	13.5	15
10	पंचकूला	8	1968.55	360.6
11	पानीपत	2	202.36	43

12	रेवाड़ी	24	2747.271	1141.93
13	रोहतक	2	160	103
14	हिसार	1	2000	0
15	सोनीपत	40	3061.095	774.69
16	यमुनानगर	2	50	6.7
	कुल जोड़	**157**	**85075.576**	**11900.04**

85060 करोड़ रूपये के पूँजी निवेश के लिये 148 एम ओ यूज किये गये जिनमें से 11900.04 करोड़ रूपये का पूँजी निवेश से हो चुके है, जबकि परियोजनाओं की संख्या 157 है जिसमें से 6 एम. ओ. यूज. की स्थिति कई स्थानों पर हैं ।

अनुबन्ध–क

Sr. No.	Company Name	Investment (INR Cr.)	Sector
1	DMICDC	125000	Infrastructure
2	China Fortune Land Development Company Limited	60000	Infrastructure
3	Wanda	60000	Infrastructure
4	M3M	26000	Infrastructure
5	India bulls	25000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
6	DLF	22808	Real Estate
7	ICICI	15000	Banking Sector
8	Vatika	12823	Real Estate
9	GEITSO	12000	Infrastructure
10	IREO	11100	Real Estate
11	Adani Power	10500	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
12	Praj Industries Ltd.	10,000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
13	Ratan Power	10000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
14	Panchvaktra	9450	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
15	Omaxe	8749	Real Estate
16	CLP India Private Limited	8650	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
17	M3M	8430	Real Estate
18	GEITSO	8000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks

19	Indoeuropean Sustainable development Srl. (IESD) with associate partner ASACA India Pvt. Ltd.	7344	Agro, Food processing & Allied Industries
20	Myzen Enterprises Pvt. Ltd.	6500	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
21	Countrywide Promoters	6132	Real Estate
22	Ikratos Solargie Private limited	6000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
23	Thinkenergy partners Solar India LLC	6000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
24	Supertech	5706	Real Estate
25	Puri Constructions	5500	Real Estate
26	Panchvaktra	5400	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
27	Patanjali Ayurved Ltd.	5000	Manufacturing
28	Fortin Holdings Private Limited	5000	Miscellaneous
29	Sampuran Agri Venture Pvt. Ltd.	5000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
30	Suncity projects	4662	Real Estate
31	Sobha Developers	3700	Real Estate
32	HDFC Bank Ltd	3000	Banking Sector
33	Raheja Developers	2650	Real Estate
34	Ansal API	2370	Real Estate
35	Satya Developers	2300	Real Estate
36	Vimaan Aerospace Pvt. Ltd.	2000	Aerospace & Defence
37	Techno Electric & Engineering Co. Ltd	2000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
38	Airtel	2000	Electronic, IT & ITeS
39	Reliance Jio	2000	Electronic, IT & ITeS
40	Tulip	1955	Real Estate
41	M3M	1935	Electronic, IT & ITeS
42	Embassy Industrial Park	1910	Infrastructure
43	Bhardwaj Exporters	1900	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
44	Jindal Realty	1800	Real Estate
45	Raheja Developers	1750	Real Estate

46	Abi Energy Consultancy Services Pvt. Ltd.	1640	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
47	Express Projects	1500	Real Estate
48	Indian oil Corporation	1500	Pharmaceutical & Chemical Industry
49	Rainbowstec	1495	Infrastructure
50	Maxworth consumer products	1315	Agro, Food processing & Allied Industries
51	Silverlining Group	1250	Manufacturing
52	PES Solar Pvt. Ltd	1250	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
53	Conscient	1210	Real Estate
54	International Land Developers	1000	Real Estate
55	International Coil	1000	Manufacturing
56	Indo UK Healthcare Ltd	1000	Healthcare
57	Amplus Energy Solutions Pvt Ltd	1000	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
58	Jaina Mobile Industries	1000	Electronic, IT & ITeS
59	Vodafone	1000	Electronic, IT & ITeS
60	Patwari Jee & Co	960	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
61	Neelkanth Group	800	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
62	IL & FS Rail Ltd.	790	Manufacturing
63	Alqimi India	680	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
64	Indospace Industrial Park	650	Infrastructure
65	Dreamland Publication	650	Education & Skill Development
66	Voltech Group	600	Manufacturing
67	ITC	570	Agro, Food processing & Allied Industries
68	Boortmalt India	552	Agro, Food processing & Allied Industries
69	Park Medicenters	550	Healthcare
70	Allcargo Logistics	500	Infrastructure
71	Star City Buildhome	500	Manufacturing
72	Tejasvi Real Estate	500	Manufacturing
73	Inspur Corporation	500	Electronic, IT & ITeS

74	Riviera Home Furnishings Pvt Ltd	500	Manufacturing
75	Farmfresh Bananas	500	Agro, Food processing & Allied Industries
76	Kayem Food Industries Pvt. Ltd.	500	Agro, Food processing & Allied Industries
77	Vikram Solar Pvt Ltd	467	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
78	P Aryan Art Gallery Pvt. Ltd.	450	Agro, Food processing & Allied Industries
79	Mushashi auto parts	428	Auto, Auto Components & Light Engineering
80	NITCO logistics Pvt. Ltd.	415	Infrastructure
81	JKS Infrastructure	350	Infrastructure
82	Banaskantha District Co-op Mil Producers Union Limited	312	Agro, Food processing & Allied Industries
83	Ashiana housing	302.5	Real Estate
84	Artemis Medicare	300	Manufacturing
85	Star Wire (India)	283	Manufacturing
86	Wings to Fly	250	Infrastructure
87	Sudhir Power Limited	250	Manufacturing
88	Fortin Holdings Private Limited	250	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
89	Lotus Infraestates Private Ltd.	250	Manufacturing
90	Giga Terra India Pvt. Ltd.	245	Electronic, IT & ITeS
91	Atotech Development	215	Miscellaneous
92	Puri Oil Mills	210	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
93	Suri infotech	200	Real Estate
94	Minda Kosei Aluminium Wheels	200	Auto, Auto Components & Light Engineering
95	Carrier Airconditioning & Refrigeration Ltd.	200	Electronic, IT & ITeS
96	Eglo India Production Pvt. Ltd	200	Manufacturing
97	Beri Udyog (P) Ltd.	200	Agro, Food processing & Allied Industries
98	Honda	190	Real Estate
99	Gyrox Aviation Private Limited	170	Aerospace & Defence
100	Enrich Agro Food Products P Ltd	165	Agro, Food processing & Allied Industries

101	Abijit Mercantile Pvt. Ltd.	160	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
102	Relaxo Footwears Limited	150	Manufacturing
103	Cetex Speciality Chemcicals Ltd	150	Pharmaceutical & Chemical Industry
104	Kothari Petrochemical Ltd.	150	Pharmaceutical & Chemical Industry
105	Torus Buildcon	150	Electronic, IT & ITeS
106	J.T. Agro Foods (P) Limited	150	Agro, Food processing & Allied Industries
107	Shree Bankey Behari Exports (P) Limited	150	Agro, Food processing & Allied Industries
108	Combitic Global Capital Private Limited	140	Miscellaneous
109	Sunrise Milkfoods Private Limited	140	Agro, Food processing & Allied Industries
110	Amartex	125	Education & Skill Development
111	OSI Steel Pvt. Ltd.	125	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
112	Uber	120	Electronic, IT & ITeS
113	Nariangarh Sugar mills	117	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
114	Motherson Auto Ltd	113	Manufacturing
115	DLF Foundation	110	Miscellaneous
116	JMD Hydro Pvt. Ltd.	110	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
117	Prem Sagar Gupta	110	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
118	Paradise Infra Solutions Pvt. Ltd	105	Manufacturing
119	Metro institute of Medical Science	105	Healthcare
120	Glen Appliances Pvt. Ltd.	102.56	Electronic, IT & ITeS
121	Indraprasta Engine Parts Pvt. Ltd.	100	Auto, Auto Components & Light Engineering
122	Minda Industries	100	Auto, Auto Components & Light Engineering
123	Mindarika	100	Auto, Auto Components & Light Engineering
124	Primus Real Estates Pvt. Ltd.	100	Auto, Auto Components & Light Engineering
125	Mayar Infrastrucutre Development Pvt. Ltd.	100	Manufacturing
126	Mittal International	100	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles

127	Jetline Group of Companies	100	Manufacturing
128	Kirloskar Energen	100	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
129	Sobti Foundations	100	Footwear & Accessories
130	TMB Electronics	100	Electronic, IT & ITeS
131	TII India Pvt. Ltd.	100	Manufacturing
132	Bikanervala Foods Pvt. Ltd.,	100	Agro, Food processing & Allied Industries
133	Britannia	100	Agro, Food processing & Allied Industries
134	Forum Agro Foods Pvt. Ltd.	100	Electronic, IT & ITeS
135	HN Agrichain Pvt. Ltd.	100	Agro, Food processing & Allied Industries
136	Shyamsree Agro Commodities	97	Agro, Food processing & Allied Industries
137	Tivoli group - youngstar	90	Hotel, Tourism sector
138	Colour Creation Board	90	Manufacturing
139	Manpasand Beverages	85.51	Agro, Food processing & Allied Industries
140	Minda TG Rubbers Pvt. Ltd.	80	Auto, Auto Components & Light Engineering
141	Home Textiles	80	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
142	Fish Biotech (P) Ltd	65	Agro, Food processing & Allied Industries
143	JC International	60	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
144	Sri Jyoti Renewable Energy	60	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
145	BR Polytech	59	Agro, Food processing & Allied Industries
146	4S Synergies	58.3	Manufacturing
147	Hi-quality Foods & Beverages	57.96	Agro, Food processing & Allied Industries
148	Bio D Energy India	56	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
149	Dalvinder Singh Supreme Engineers	56	Electronic, IT & ITeS
150	Kirloskar Integrated Technologies	55	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
151	Acutech Manufacturing	55	Agro, Food processing & Allied Industries
152	PMV Maltings Pvt. Ltd	55	Agro, Food processing & Allied Industries
153	Keshav Parking Association	54.48	Manufacturing

154	Rajdhani Flour Mills Limted	53	Agro, Food processing & Allied Industries
155	Bebo Technologies	53	Electronic, IT & ITeS
156	Shreedayal Enterprises	51	Agro, Food processing & Allied Industries
157	Mittal Processors Pvt. Ltd.	50	Manufacturing
158	Tata Power Company	50	Electronic, IT & ITeS
159	Vsun Mobiles Pvt. Ltd.	50	Electronic, IT & ITeS
160	Kanodia Global	49.06	Manufacturing
161	Khalsha Consultancy Services Private Limited	49	Manufacturing
162	Motherson Auto Ltd	45	Manufacturing
163	KRF	44.27	Manufacturing
164	R.K. Company	43.3	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
165	Harsh Agarwal	43	Agro, Food processing & Allied Industries
166	Kamlesh Gupta and Vanshita Gupta	42	Electronic, IT & ITeS
167	Vardhaman Electrical Appliances	41	Electronic, IT & ITeS
168	Bikano Foods (P) Limited	40	Agro, Food processing & Allied Industries
169	HTL Footwear Pvt. Ltd.	40	Footwear & Accessories
170	Marc Enterprises	40	Electronic, IT & ITeS
171	Enrich plastic	35	Manufacturing
172	Sanko Gosei JRG Automative	33.2	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
173	Super Water Well Engineers	32	Manufacturing
174	Victora automotive	30	Auto, Auto Components & Light Engineering
175	Rajiv Mirchia and others	30	Healthcare
176	HAPG Holdings	30	Agro, Food processing & Allied Industries
177	Diamond Footwear Udyog	30	Footwear & Accessories
178	Sampada Realtek	30	Footwear & Accessories
179	Dawar sons	30	Manufacturing
180	Excel Abrasives Pvt. Ltd.	30	Manufacturing

181	Hindustan Syringes & Medical Devices Ltd.	30	Manufacturing
182	Allied Blenders	28	Agro, Food processing & Allied Industries
183	Sainsons Paper Industries	25.4	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
184	Gupta Exim Pvt. Ltd.	25	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
185	Jain Narrow fabrics	25	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
186	Tiffins Fresh Foods Ltd.	25	Agro, Food processing & Allied Industries
187	Victoria Foods (P) Limited	25	Agro, Food processing & Allied Industries
188	RSL Distillaries	25	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
189	Jagadhri Metal & Utensilis Cluster	25	Manufacturing
190	Jaycee castalloys	25	Manufacturing
191	Microweb Solutions	23	Electronic, IT & ITeS
192	Intime Garments Pvt. Ltd	23	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
193	All India Plastics Manufacturers association (AIPMA)	23	Education & Skill Development
194	Karmic Alloys Kreations	23	Education & Skill Development
195	K2 PowerGen	23	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
196	Feathers Cookware Pvt. Ltd.	20	Manufacturing
197	Satyam Enterprises	20	Manufacturing
198	Value Space India Consultants & Services Pvt. Ltd.	20	Manufacturing
199	Titan Zip Fasteners	20	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
200	Inspired Leadership Gurukul	20	Education & Skill Development
201	HS Polymers	20	Footwear & Accessories
202	Manminder singh Chandok	20	Electronic, IT & ITeS
203	Manvinder Singh	20	Electronic, IT & ITeS
204	Sudhir Kumar Gupta	20	Electronic, IT & ITeS
205	Kapoor Enterprises	20	Manufacturing
206	SMR Overseas Pvt. Ltd.	20	Manufacturing

207	Ankit Gupta and Ankur Gupta	19.4	Manufacturing
208	Sneh Agri Foods	18.5	Agro, Food processing & Allied Industries
209	Tirupatibalaji Mills	18.2	Agro, Food processing & Allied Industries
210	Hitech Ferrous & non-ferrous India	16.4	Real Estate
211	Eppeltone Engineers	15	Auto, Auto Components & Light Engineering
212	Calpro Food Essentials Pvt. Ltd.	15	Manufacturing
213	Obelisk Consulting	15	Manufacturing
214	Ambadi Enterprises	15	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
215	Yuva Healthcare Skilling Pvt. Ltd.	15	Education & Skill Development
216	Acme Engg. Co.	15	Manufacturing
217	Sai International	15	Footwear & Accessories
218	Focal Skill Development Pvt. Ltd.	15	Electronic, IT & ITeS
219	Sunil Kumar Jain	15	Electronic, IT & ITeS
220	JSH Packagings	15	Manufacturing
221	Modern Manufacturers Pvt. Ltd.	15	Manufacturing
222	Presswell Steels (P) Limited	15	Manufacturing
223	Sanson Promo Innovations	15	Manufacturing
224	SBM Industries (P) Limited	15	Manufacturing
225	Usaka Industrial Components Pvt. Ltd.	15	Manufacturing
226	Yungcheng Rotogravure	15	Manufacturing
227	Ashoka Distillers & Chemicals	13.5	Agro, Food processing & Allied Industries
228	Modern Overseas	12.85	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
229	Nova Publication & Printers	12.6	Manufacturing
230	Ess Kay Fabrications	12	Electronic, IT & ITeS
231	Rhytumus Technologies Pvt. Ltd.	12	Electronic, IT & ITeS
232	Cerebro Infosystems Pvt. Ltd.	11.5	Manufacturing
233	APG Constructions	11	Energy / Renewable Energy & Solar Parks

234	RS Hydro power Consultants	11	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
235	Dropco Multihub System Pvt. Ltd.	10	Manufacturing
236	Jugi Mann International Ltd.	10	Manufacturing
237	Rikki Plastic Pvt. Ltd.	10	Manufacturing
238	Bikash D. Niyogi	10	Miscellaneous
239	YB Systems	10	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
240	Amree Pharmaceuticals	10	Pharmaceutical & Chemical Industry
241	Parbhat Fertilizers & Chemicals Ltd.	10	Pharmaceutical & Chemical Industry
242	KKM soft	10	Education & Skill Development
243	Rajdoot Cables Pvt. Ltd.	10	Manufacturing
244	Ram Swarup Das Foods	10	Agro, Food processing & Allied Industries
245	Focal Skill Development Pvt. Ltd.	10	Education & Skill Development
246	Focal Skill Development Pvt. Ltd.	10	Education & Skill Development
247	Aditya Printers	10	Manufacturing
248	JSG Innotech	10	Manufacturing
249	Printads	10	Manufacturing
250	Rahul Steels	10	Manufacturing
251	Yonker Skates	10	Manufacturing
252	Angel India CAD CAM (P) Limited	9.75	Manufacturing
253	MB Deco International	8.6	Manufacturing
254	Flexibles	8	Manufacturing
255	PR Industries	8	Manufacturing
256	Sunrise Plastics	7.5	Manufacturing
257	Rahul Strips	7	Manufacturing
258	Sidhi International Metalloys Pvt. Limited	7	Manufacturing
259	Lakshya Enterprises	6.9	Manufacturing
260	Navjyoti India Foundation	6.75	Manufacturing

261	Noble Seeds	6.5	Agro, Food processing & Allied Industries
262	Jaquar Foundation	6	Manufacturing
263	Jigyasa Arora	5.5	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
264	Excellous Skills Pvt. Ltd.	5.25	Education & Skill Development
265	AB Industries	5.23	Manufacturing
266	Starwell Properties Pvt. Ltd	5	Infrastructure
267	Phooltas	5	Auto, Auto Components & Light Engineering
268	India Talent Services	5	Manufacturing
269	Raga Protek Pvt. Ltd.	5	Manufacturing
270	Wisescan Engineering	5	Manufacturing
271	Apex Foods	5	Agro, Food processing & Allied Industries
272	LR Foods	5	Agro, Food processing & Allied Industries
273	Chirag electronics	5	Manufacturing
274	N.K. Auto Electricals India Pvt. Ltd.	5	Manufacturing
275	Pee Empro Exports Pvt.	5	Manufacturing
276	Standard Innovations	5	Manufacturing
277	Innova Techno Products Pvt. Ltd	4.45	Manufacturing
278	Arihant Techno Pack (P) Limited	4.25	Manufacturing
279	Kohli Ruber Moulds	4	Auto, Auto Components & Light Engineering
280	3D Architects	4	Manufacturing
281	Nutrelis Agro Foods	4	Agro, Food processing & Allied Industries
282	Refair India Pvt. Ltd.	4	Manufacturing
283	Shivam Industrial glass	4	Manufacturing
284	Panchkula Farms	3.95	Agro, Food processing & Allied Industries
285	Matta Drawing Works	3.75	Manufacturing
286	Shiv Enterprises	3.7	Manufacturing
287	Kohinoor Priniting Ink Co.	3.62	Manufacturing

288	Uttam stics	3.5	Miscellaneous
289	Euroasia Footform	3.5	Footwear & Accessories
290	Balaji Expo Trade	3.5	Manufacturing
291	Master Gratings	3.5	Manufacturing
292	Sidh Rotogravoure (P) Limited	3.315	Manufacturing
293	Ambience Healthcare & Sports Club	3	Healthcare
294	medline packages	3	Healthcare
295	Durga forging	3	Manufacturing
296	Om Shanti Educational Trust	3	Manufacturing
297	MPK Agro Industuries	2.75	Agro, Food processing & Allied Industries
298	Romita Agro Industries	2.7	Agro, Food processing & Allied Industries
299	Nahar Cotsyn Pvt. Ltd.	2.56	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
300	M.S.Industries	2.5	Manufacturing
301	Mamta Aggarwal	2.5	Agro, Food processing & Allied Industries
302	Stimulus Info Systems	2.5	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
303	Netra Bhushan Gupta	2.5	Footwear & Accessories
304	Harish Chander batra & Naman Batra	2.5	Manufacturing
305	Excellent Housewares	2.4	Manufacturing
306	Nitin Tuteja & Karan Tuteja	2.38	Manufacturing
307	Keshav International	2.33	Manufacturing
308	Sarovar Agro Farms and Biogass Pvt. Ltd.	2.3	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
309	Swaraj Firms and Stores	2.3	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
310	Kishor Packaging	2.25	Manufacturing
311	Genex Exports Pvt. Ltd.	2.24	Agro, Food processing & Allied Industries
312	Krishna Steel	2.24	Agro, Food processing & Allied Industries
313	KT Agro	2.2	Manufacturing
314	Biomax Laboratories	2	Agro, Food processing & Allied Industries

315	Mohit Garg	2.06	Electronic, IT & ITeS
316	Keshar Singh & Sons	2	Auto, Auto Components & Light Engineering
317	Yamuna Automotive Components	2	Auto, Auto Components & Light Engineering
318	Spice Packaging Company	2	Manufacturing
319	Deficik Designs	2	Manufacturing
320	Tangerine Design	2	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
321	Shell Agro Infrastructure (P) Limited	1.78	Agro, Food processing & Allied Industries
322	Sambhavi Metal	1.75	Manufacturing
323	Unique Industries	1.7	Manufacturing
324	Mr. Vikas Singla	1.63	Pharmaceutical & Chemical Industry
325	Aero Insulation India	1.61	Manufacturing
326	Priti Kumari	1.61	Manufacturing
327	Jai Enterprises	1.5	Manufacturing
328	Neo Industries	1.5	Manufacturing
329	Zenner Aquamet India	2	Manufacturing
330	precision Engineers	1.4	Manufacturing
331	Rushik Kumar Kaushik	1.35	Textiles / Apparel / knitting / Embroidery / Technical Textiles
332	JD enterprises	1.3	Manufacturing
333	Kanak Print Pack India	1.261	Manufacturing
334	Dhanda Exporters & Company	1.25	Manufacturing
335	Max Engineering & Automation	1.06	Electronic, IT & ITeS
336	Powertech Switchgears	1.06	Electronic, IT & ITeS
337	Nutech Enterprises	1	Manufacturing
338	Akash Bansal	1	Manufacturing
339	Canbro Healthcare	0.91	Pharmaceutical & Chemical Industry
340	Asian Tech	0.9	Manufacturing

341	Haines Electrical	0.9	Manufacturing
342	Dheeraj Footwear Udhyog	0.73	Footwear & Accessories
343	Sabic India	0.25	Manufacturing
344	Pandhe 10.com	0.2	Manufacturing
345	FuAngDe group	0	Infrastructure
346	Jiangsu Sunrising Chemical Co., Ltd	0	Miscellaneous
347	Mizuho Bank, Japan	0	Banking Sector
348	Ontario Province	0	Miscellaneous
349	OSell	0	Miscellaneous
350	GAIL	0	Pharmaceutical & Chemical Industry
351	Algonquin College of Applied Arts and Technology (Canada)	0	Education & Skill Development
352	Applied Materials	0	Education & Skill Development
353	Cisco Systems International B.V.	0	Electronic, IT & ITeS
354	Google	0	Electronic, IT & ITeS
355	iSoftStone	0	Electronic, IT & ITeS
356	Jasper Infotech (Snapdeal)	0	Electronic, IT & ITeS
357	ZTE Corporation	0	Electronic, IT & ITeS
358	M/s Plasser India Private Limited	150	Manufacturing
359	Lanco Solar Energy Pvt. Ltd.	850	Energy / Renewable Energy & Solar Parks
	Total	586862.136	

अनुबन्ध–ख

Details of district wise investment made in the state

Sr. No.	Company Name	Sector	Proposed Investment cr.	Actual Investment Cr. made	District
1	Harish Chander Batra and Naman Batra	Manufacturing	2.5	0.2	Sonepat
2	Om Shanti Educational Trust	Manufacturing	6.4	0.1	Rewari
3	Sidh Rotogravure (P) Limited	Manufacturing	3.315	3	Sonepat
4	Balaji Expo Trade Pvt. Ltd.	Manufacturing	3.5	0.3	Rewari
5	Master Gratings	Manufacturing	3.5	0.25	Faridabad
6	Shiv Enterprises	Manufacturing	3.7	0.1	Karnal
7	Matta Drawing Works	Manufacturing	3.75	1	Faridabad
8	Refair India Pvt. Ltd.	Manufacturing	4	3	Faridabad
9	Shivam Industrial Gases	Manufacturing	4	3	Faridabad
10	Arihant Techno Pack (P) Limited	Manufacturing	4.25	0.7	Sonepat
11	Innova Techno Products Pvt. Ltd	Manufacturing	3.41	0.55	Faridabad
12	N.K. Auto Electricals India Pvt. Ltd.	Manufacturing	5	4	Faridabad
13	Chirag Electronics	Manufacturing	5	1	Faridabad
14	Lakshya Enterprises	Manufacturing	6.9	0.25	Faridabad
15	Pee Empro Exports Pvt. Ltd.	Manufacturing	5	2	Faridabad
16	Sidhi International Metalloys Pvt. Limited	Manufacturing	7	7	Faridabad
17	Sunrise Plastics	Manufacturing	7.5	0.8	Sonepat
18	Colour Creation Pvt. Ltd.	Manufacturing	90	55	Rewari
19	JSG Innotech Pvt. Ltd.	Manufacturing	65	65	Sonepat
20	KAP CONES PVT. LTD.	Agro, Food processing & Allied Industries	250	50	Rewari
21	Karnal Foodpack Cluster ltd.	Agro, Food processing & Allied Industries	202	35	Karnal
22	M/s Wangfeng Aluminium Wheel (India) Pvt. Ltd.	Manufacturing	490	490	Rewari
23	M/S Inspired Leadership Gurukul	Education & Skill Development	20	20.16	Gurugram
24	Chandigarh Malt	Education & Skill Development	125	75	Panchkula
25	Mohit Garg	Electronic, IT & ITeS	2.06	35	Sonepat
26	Tata Power Company	Electronic, IT & ITeS	50	64.06	Faridabad
27	Torus Buildcon	Electronic, IT & ITeS	286	99	Gurugram
28	Max Engineering & Automation	Electronic, IT & ITeS	1.06	0.5	Sonepat
29	Powertech Switchgears	Electronic, IT & ITeS	1.06	0.5	Sonepat

30	Sunil Jain (Outsourcing Technologies)	Electronic, IT & ITeS	15	0.35	Sonepat
31	Glen Appliances	Electronic, IT & ITeS	102.56	38	Faridabad
32	Manpasand Beverages	Agro, Food processing & Allied Industries	85.51	125	Ambala
33	Rajdhani Flour Mills Limited	Agro, Food processing & Allied Industries	53	26	Sonepat
34	Shreedayal Enterprises	Agro, Food processing & Allied Industries	51	28	Sonepat
35	Allied Bleneders	Agro, Food processing & Allied Industries	28	28	Ambala
36	Victoria Foods(P) Limited	Agro, Food processing & Allied Industries	25	36.25	Sonepat
37	Tirupatibalaji mills	Agro, Food processing & Allied Industries	18.2	10	Sonepat
38	Ashoka Distillers & Chemicals	Agro, Food processing & Allied Industries	13.5	15	Palwal
39	Ram Swarup Das Foods	Agro, Food processing & Allied Industries	10	0	Sonepat
40	Panchkula Farms	Agro, Food processing & Allied Industries	3.95	4	Panchkula
41	Noble seeds	Agro, Food processing & Allied Industries	6.5	7	Sonepat
42	Dheeraj Footwear Udhyog	Footwear & Accessories	0.23	0.05	Karnal
43	Fujikura Kesai pvt ltd	Others	16.8	7	Gurugram
44	Eurosia Footform	Footwear & Accessories	40	1.2	Faridabad
45	H.S. Polymers	Footwear & Accessories	20	2	Sonepat
46	HTL footwear	Footwear & Accessories	40	20	Jhajjar
47	Netra Bhushan Gupta	Footwear & Accessories	2.5	0.3	Sonepat
48	Minda Kosei Aluminium Wheels	Auto, Auto Components & Light Engineering	200	180	Rewari
49	Primus Real Estates Pvt. Ltd.	Auto, Auto Components & Light Engineering	100	10	Rewari

50	Toyoda Gosei Minda India Pvt. Ltd.	Auto, Auto Components & Light Engineering	92.47	28	Rewari
51	Victora automotive	Auto, Auto Components & Light Engineering	30	7.5	Faridabad
52	Jackson MV (Spice Packaging Company)	Manufacturing	2	0.51	Faridabad
53	Sambhavi Metal	Manufacturing	1.75	0.43	Faridabad
54	Unique Industries	Manufacturing	1.7	0.42	Rewari
55	Pragati udyog (Priti Kumari)	Manufacturing	1.61	0.41	Rewari
56	Neo Industries	Manufacturing	1.5	0.38	Faridabad
57	Zenner Aquamet India	Manufacturing	2	0.51	Faridabad
58	precision Engineers	Manufacturing	1.4	0.35	Faridabad
59	Kanak Print Pack India	Manufacturing	1.261	0.32	Rewari
60	Ambience Healthcare & Sports club	Healthcare	3	2	Kurukshetra
61	Indian Oil Corporation	Others	1500	326	Faridabad
62	Metro Institute of Medical Science	Healthcare	55	8	Panchkula
		Healthcare	50	3	Rohtak
63	Prabhat fertilizers & chemicals ltd.	Healthcare	10	3	Karnal
64	Park Medicenters	Healthcare	550	60	Panchkula
65	Rajiv Mirchia & Others	Healthcare	30	9	Panchkula
66	Nariangarh Sugar Mills	Renewable Energy	117	103	Ambala
67	Bio D Energy India	Renewable Energy	56	13	Rewari
68	Sanko Gosei JRG Automotive	Renewable Energy	33.2	0	Rewari
69	Sainsons Paper Industries	Renewable Energy	25.4	23	Kurukshetra
70	Sarovar Agro Farms and Biogas Pvt.	Renewable Energy	2.3	2.3	Panchkula
71	Swaraj Firms and Stores	Renewable Energy	2.3	2.3	Panchkula
72	Forum Agro foods Pvt.Ltd	Food Processing	**100**	10	Mewat
73	Banaskantha District Coop Mil Producers Union Lmt.	Agro, Food processing & Allied Industries	312	310	Faridabad
74	Beri Udhyog (P) Ltd	Agro, Food processing & Allied Industries	200	40	Karnal
75	Atotech Development	Others	215	75.33	Gurugram
76	Value Space Indian Consultance &services Pvt.ltd	Infrastructure	18	1.5	Gurugram
77	Dhanda Exporters & Co.	Manufacturing	0.62	7	Jind
78	Dropco Multilub System Pvt.ltd	Manufacturing	2	1.15	Faridabad
79	Can-pack Indian Pvt.ltd.	Manufacturing	500	22.1	Mewat

80	Calpro Food Esstential Pvt.ltd	Agro, Food processing & Allied Industries	7.36	3	Mewat
81	Artemis medicare	Infrastructure	300	0	Gurugram
82	Mayar Infrastructure Development Pvt.ltd	Infra	210	190	Gurugram
83	Rikki Plastic Pvt.ltd.	Manufacturing	0.32	0	Faridabad
84	JK Infrastructure	Warehousing	161	100	Gurugram
85	Vashishtha Bulid Engineers Pvt Ltd	Industrial Colony	100	100	Faridabad
86	Alcargo Logistics	Railway Logistics	500	180	Jhajjar
87	Wings to Fly	Helipad	310	77.5	Faridabad
88	Diamond Footwear Udyog	Footwear & Accessories	30	0	Jhajjar
89	Vimaaan Aerospace	Defence & Aerospace	2000	0	Hisar
90	Syamshree Agro commodities	Agro, Food processing & Allied Industries	97	0	Gurugram
91	Hi-Quality foods & beverages	Agro, Food processing & Allied Industries	57.96	0.5	Sonepat
92	PMV Maltings	Agro, Food processing & Allied Industries	55	0	Gurugram
93	Mamta Aggarwal	Agro, Food processing & Allied Industries	2.5	0.2	Sonepat
94	Shell Agro Infrastructure	Agro, Food processing & Allied Industries	1.78	0.25	Sonepat
95	Bikano foods Ltd	Agro, Food processing & Allied Industries	40	11	Sonepat
96	Sneh Agri Foods	Agro, Food processing & Allied Industries	18.5	1	Sonepat
97	Mushashi Auto Parts	Auto, Auto Components & Light Engineering	428	26	Rewari
98	Indraprasta Engine Parts Pvt LTD	Auto, Auto Components	100	10	Rewari
99	Eppeltone Engineers	Auto, Auto Components	15	2.75	Faridabad
100	Kohli Rubbers Moulds	Auto, Auto Components	4	0.62	Sonepat
101	Excellent Housewares	Manufacturing	2.4	0.39	Sonepat
102	Nitin Tuteja and Karan Tuteja	Manufacturing	2.38	0.72	Sonepat
103	Keshav International	Manufacturing	2.33	0.35	Sonepat
104	Kishore Packaging	Manufacturing	2.25	0.35	Sonepat
105	Haines Electricals	Manufacturing	0.9	0.6	Rewari
106	Kanodia Global	Manufacturing	50.73	6	Sonepat
107	TII India Pvt. Ltd	Manufacturing	100	100	Rewari
108	Yungcheng Rotogravure Pvt.	Manufacturing	15	15	Faridabad

	Ltd				
109	Usaka Industrial Components Pvt Ltd.	Manufacturing	15	15	Faridabad
110	Starwire	Manufacturing	283	40	Faridabad
111	Eglo India	Manufacturing	96	90	Rewari
112	Enrich Agro	Manufacturing	110	100	Rohtak
113	Enrich Plastic	Manufacturing	35	2	Faridabad
114	Motherson	Manufacturing	151	43	Rewari
115	4s Synergy	Manufacturing	46.52	12	Sonepat
116	Super water well	Manufacturing	32	5	Ambala
117	Excel Abrasives	Manufacturing	28.15	4.65	faridabad
118	Hindustan Syringes	Manufacturing	37.14	2.14	Faridabad
119	Jagadhri Metal	Manufacturing	25	0.5	Yamunanagar
120	Kapoor Enterprises	Manufacturing	12.2	1.25	Sonepat
121	Rockman Industries	Manufacturing	41.63	13	Rewari
122	JSH Packagings	Manufacturing	12.2	7.5	Rewari
123	Sanson Promo	Manufacturing	9	1	Sonepat
124	SBM Industries	Manufacturing	15	2	Sonepat
125	Nova Publication	Manufacturing	11.3	2.8	Faridabad
126	Marktech Marking	Manufacturing	1.1	0.27	Sonepat
127	KRF Ltd.	Textile	44.16	5	Sonepat
128	RK & Company	Textile	13.3	1.6	Sonepat
129	Micro Turners	Solar	58	0.3	Ambala
130	Ambadi Enterprises	Textile	12.36	8	Panipat
131	Nahar Cotsyn	Textile	2.04	0.57	Sonepat
132	Titan Zip Fasteners	Textile	20	1.7	Sonepat
133	Bikash D Niyogi	Textile	10	0	Gurugram
134	Ansal API	Real Estate	1200	190	Gurugram
		Real Estate	110	4.07	Kurukshetra
		Real Estate	190	35	Panipat
		Real Estate	145	2.3	Rewari
		Real Estate	700	105	Sonepat
		Real Estate	25	6.2	Yamunanagar
135	**Ashiana Housing**	Real Estate	302	125	Gurugram
136	**Conscient**	Real Estate	165	40	Faridabad
		Real Estate	1045	545	Gurugram
137	**Countrywide Promoters**	Real Estate	1996.59	214.04	Faridabad
		Real Estate	4135.91	148.4	Gurugram
138	**DLF**	Real Estate	22808	302	Gurugram
139	**Express Projects**	Real Estate	1500	400	Sonepat
140	**Hitech Ferrous & Non Ferrous India**	Manufactuaring	16.4	4	Rewari
141	**International Land Developers**	Real Estate	1000	60	Gurugram
142	**IREO**	Real Estate	9900	791	Gurugram
		Real Estate	1200	200	Panchkula
143	**M3M**	Real Estate	8430	499.93	Gurugram
144	**Raheja Developers**	Real Estate	4400	406	Gurugram
145	**Satya Developers**	Real Estate	2300	475	Gurugram
146	**Sobha Developers**	Real Estate	3700	925	Gurugram

147	**Supertech**	Real Estate	5706	2500	Gurugram
	Tulip	Real Estate	1400	96.16	Gurugram
		Real Estate	330	17.98	Rewari
148		Real Estate	225	7.32	Sonepat
		Grand Total	**85075.576**	**11900.04**	

.....

Water Released In Gurugram Canal

438. Shri Naseem Ahmed : Will the Chief Minister be pleased to state the day-wise, month-wise and year-wise Quantum of water released in Gurugram Canal during the last 25 years?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरणी

आगरा नहर ओखला बैराज, दिल्ली से 6000 क्यूसेक डिस्चार्ज क्षमता के साथ निकलती है । चैनल की कुल लंबाई 161 कि0मी0 है । आगरा नहर का स्वामित्व उत्तर प्रदेश सरकार के पास है एवं रखरखाव उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा किया जाता है । गुड़गांव कैनाल फीडर, आगरा नहर की बुर्जी संख्या 4 मील–3 फरलॉग/दाएं से निकलती है । बुर्जी संख्या 0 से 56674 तक आगरा नहर की क्षमता 2204 क्यूसेक है और इसे गुड़गांव कैनाल फीडर कहा जाता है । गुड़गांव कैनाल फीडर के अंतिम छोर पर बुर्जी संख्या 56674 से गुड़गांव कैनाल 1960 क्यूसेक क्षमता के साथ निकलती है जिसकी लंबाई 167886 फीट है । बुर्जी संख्या 167886 से बुर्जी संख्या 238234 तक इसे ''राजस्थान लिंक गुड़गांव नहर'' नाम दिया गया है । गुड़गांव नहर एक अंतर्राज्जीय चैनल है क्योंकि इससे हरियाणा के विभिन्न जिलों जैसे फरीदाबाद, गुरूग्राम, पलवल, मेवात तथा राजस्थान राज्य में पानी की आपूर्ति की जाती है ।

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1992

Date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	300	150	160	160	230	258	240	500	400	450	100	280
2	30	300	160	160	160	191	240	500	400	450	100	280
3	300	300	150	200	170	140	240	500	400	450	400	280
4	250	300	150	180	165	108	240	500	400	450	175	100
5	240	350	220	190	200	104	240	500	400	450	150	260
6	270	350	230	220	180	126	300	500	400	450	150	260
7	250	300	220	190	200	175	350	500	400	450	175	260
8	240	400	270	190	195	170	350	500	400	450	175	260
9	220	300	250	190	170	175	350	500	400	450	175	300
10	250	300	260	210	185	175	350	500	400	350	175	300
11	220	300	260	150	260	160	250	400	400	350	200	300
12	100	300	260	130	280	300	250	400	400	350	200	300
13	100	400	260	120	300	293	250	400	400	350	200	250
14	200	400	260	180	345	331	354	400	400	350	250	250
15	200	400	260	155	330	343	300	400	350	350	300	250
16	200	400	260	120	320	324	300	400	350	350	250	250
17	200	250	260	120	318	166	300	400	350	350	250	250
18	200	230	280	120	350	321	270	400	350	350	250	250
19	200	200	270	120	306	350	280	400	350	350	250	250
20	200	140	240	135	293	300	280	400	350	350	250	250

21	200	220	240	120	293	200	350	325	350	350	250	250
22	200	220	240	160	318	100	370	325	350	350	230	250
23	200	220	220	155	287	100	395	325	350	300	230	250
24	140	190	250	160	276	100	524	325	350	300	230	250
25	140	150	250	230	263	100	524	325	350	300	230	250
26	150	160	240	230	240	200	524	325	350	300	220	250
27	170	160	220	245	252	200	500	300	350	300	170	300
28	150	150	115	245	207	200	500	300	350	300	300	300
29	140	140	200	160	246	200	500	300	450	300	280	300
30	150	0	200	205	240	240	500	300	450	100	280	300
31	150	0	160	0	252	0	500	300	0	100	0	300
Total	**6230**	**7680**	**7015**	**5150**	**7831**	**6150**	**1092**	**12450**	**11400**	**10900**	**6595**	**8180**

Total Water Supplied in the Year 1992 = 90673 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1993

Date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	300	300	200	300	300	250	240	450	300	450	225	240
2	300	300	200	300	300	250	240	450	300	450	225	245
3	300	300	300	300	300	250	200	450	300	450	190	240
4	300	300	300	300	300	250	240	450	400	450	175	245
5	300	300	300	300	300	250	240	450	400	450	235	315
6	300	300	300	300	300	250	240	450	450	450	218	240
7	300	300	300	300	300	250	250	450	450	450	218	245
8	300	300	300	300	300	250	250	450	450	450	223	240
9	300	300	300	300	300	250	200	400	450	450	235	250
10	300	300	300	300	300	250	200	400	450	450	210	178
11	300	300	300	300	300	300	200	400	450	450	210	218
12	300	300	300	300	300	300	200	450	150	450	240	240
13	300	300	300	300	300	240	200	450	120	300	218	223
14	300	300	300	300	300	260	200	450	130	250	190	234
15	300	300	300	300	300	270	250	450	450	250	250	213
16	300	300	300	300	300	300	250	450	450	150	240	165
17	300	300	300	300	300	300	250	450	450	150	250	245
18	300	300	300	300	300	300	250	450	450	150	245	280
19	300	300	300	300	300	300	250	450	450	150	310	240
20	300	300	300	300	300	300	250	450	450	100	255	258
21	300	300	300	300	300	300	300	450	450	100	220	223
22	300	300	300	150	300	300	300	100	450	100	170	245
23	300	300	300	100	300	300	300	150	450	100	250	207
24	300	200	300	100	300	300	300	50	450	100	250	213
25	300	200	300	100	300	300	300	50	450	100	269	258
26	300	200	300	100	300	300	350	50	450	150	250	50
27	300	200	300	100	300	300	450	160	450	150	241	50
28	300	200	300	180	300	280	450	190	450	100	260	150
29	300	0	300	225	300	280	450	180	450	50	235	180
30	300	0	300	225	200	240	450	220	450	140	245	200
31	300	0	300	0	200	0	450	300	0	290	0	196
Total	**9300**	**7900**	**9100**	**7580**	**9100**	**8270**	**8700**	**10750**	**12000**	**8280**	**6962**	**6726**

Total Water Supplied in the Year 1993 = 104668 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1994

Date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	160	230	248	165	246	276	234	300	350	500	246	258
2	155	248	248	170	263	263	246	300	400	500	234	248
3	155	230	263	160	246	258	269	100	400	500	246	262
4	165	262	240	91	258	246	300	100	400	500	252	287
5	170	236	234	170	240	223	300	100	450	500	170	268
6	207	230	240	121	252	258	450	100	450	500	160	274
7	200	236	234	121	234	246	500	100	500	500	140	268
8	160	200	212	140	196	258	500	100	500	300	170	274
9	133	224	212	185	270	263	500	100	500	300	196	274
10	67	224	223	223	234	196	500	100	500	300	234	270
11	75	194	223	240	191	207	500	100	500	300	234	270
12	160	224	223	212	191	223	500	100	500	300	234	270
13	230	224	212	234	200	234	500	100	500	300	234	270
14	230	212	212	196	234	234	500	100	500	300	234	260
15	224	200	180	104	223	234	500	100	550	300	258	270
16	183	166	180	123	218	207	500	100	550	300	258	270
17	250	206	170	207	191	191	500	100	550	300	223	300
18	250	248	165	135	155	145	500	175	550	300	223	300
19	250	262	201	155	165	191	500	175	550	300	234	300
20	350	281	212	155	201	246	500	175	550	300	191	300
21	350	262	170	180	175	300	500	175	550	155	212	300
22	350	248	100	180	180	318	500	200	600	180	191	300
23	350	236	269	223	228	318	500	200	600	180	223	180
24	300	274	269	281	246	293	500	200	600	180	228	180
25	300	242	240	212	246	300	500	200	600	212	228	160
26	250	242	228	223	223	276	500	250	600	218	258	160
27	250	274	180	223	223	276	500	250	600	218	281	200
28	268	274	170	228	246	300	500	250	600	230	281	230
29	255	0	170	234	263	246	400	250	600	234	258	200
30	255	0	155	240	276	240	400	275	500	246	258	230
31	261	0	180	0	276	0	400	275	0	240	0	220
Total	**6963**	**6589**	**6463**	**5541**	**6990**	**7466**	**13999**	**5150**	**15600**	**9693**	**6789**	**7853**

Total Water Supplied in the Year 1994 = 99096 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1995

Date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	220	270	230	300	100	216	289	340	100	200	200	200
2	220	270	225	300	290	300	272	340	100	200	200	200
3	200	270	225	300	290	241	283	340	100	200	300	200
4	160	230	225	300	290	257	267	300	100	200	300	200
5	180	240	235	300	130	262	262	300	100	200	300	200
6	200	225	235	270	210	236	272	340	100	200	300	200
7	230	225	235	270	210	246	283	340	100	225	300	100
8	210	260	285	280	200	272	207	340	100	125	300	100
9	220	270	245	280	200	246	246	350	100	125	300	100
10	260	200	245	270	200	278	236	350	50	125	300	100
11	300	230	220	270	315	278	251	100	50	125	300	100
12	300	240	230	280	250	294	272	100	50	100	300	300
13	300	185	230	280	207	294	500	100	50	100	300	300
14	300	210	230	280	250	267	500	100	50	100	200	200

15	300	240	270	280	250	294	500	100	50	100	200	200
16	300	210	270	290	250	272	500	100	100	100	200	200
17	300	245	190	290	272	272	500	100	100	100	200	200
18	300	230	220	280	290	300	500	100	100	50	200	100
19	300	242	230	280	300	280	500	100	100	50	200	100
20	300	248	215	290	300	188	500	100	100	50	200	100
21	300	206	220	280	300	183	500	100	100	50	200	100
22	300	300	210	290	290	305	500	100	100	50	300	200
23	300	300	220	290	272	323	500	100	100	100	300	200
24	300	180	210	290	283	375	500	100	100	100	300	200
25	300	225	120	290	226	283	500	100	100	150	300	200
26	300	225	200	290	111	317	341	100	100	300	300	300
27	300	230	200	260	251	278	340	100	100	300	300	300
28	270	300	180	210	283	241	341	100	100	200	300	300
29	260	0	180	100	262	207	341	100	100	200	200	300
30	275	0	200	100	262	267	341	100	100	200	200	100
31	275	0	220	0	241	0	140	100	0	200	0	100
Total	**8280**	**5110**	**6850**	**8090**	**7585**	**8092**	**11484**	**6400**	**2800**	**4550**	**7800**	**5700**

Total Water Supplied in the Year 1995 = 82741 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1996

Date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	june	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	100	100	300	300	300	169	50	150	80	150	150	4
2	100	100	300	300	205	120	50	150	80	150	150	140
3	100	100	300	250	180	100	50	150	80	150	150	140
4	200	100	300	250	250	100	50	150	125	150	200	140
5	200	100	300	250	250	100	50	150	125	150	200	140
6	200	100	300	250	250	100	50	150	125	150	200	140
7	200	100	300	250	250	100	50	50	125	150	200	120
8	200	100	300	250	250	100	50	50	125	150	200	120
9	200	100	300	250	200	150	50	50	125	150	200	120
10	200	100	300	250	120	150	100	50	125	150	200	120
11	200	100	300	250	150	150	100	50	125	150	200	120
12	200	100	300	250	100	100	170	50	125	150	200	120
13	200	300	300	250	100	100	170	50	125	150	200	120
14	200	300	300	160	100	100	170	100	125	150	200	120
15	200	300	300	160	100	100	170	100	125	150	200	120
16	200	300	300	160	100	200	170	100	125	150	250	120
17	300	300	150	160	100	400	170	50	125	150	250	120
18	450	300	150	90	100	400	170	50	125	150	250	120
19	450	300	150	90	210	450	170	50	125	150	250	120
20	450	300	300	90	251	450	200	50	125	150	250	120
21	450	300	300	90	220	450	200	50	125	150	250	100
22	450	300	300	90	250	450	200	50	125	150	250	100
23	450	300	300	400	278	450	200	50	125	150	250	100
24	450	300	300	400	290	450	200	50	125	80	250	100
25	450	300	300	400	290	300	200	50	150	80	250	100
26	380	300	300	400	293	200	200	50	150	80	250	100
27	380	300	300	400	309	100	200	50	150	80	200	100
28	100	300	300	300	317	50	200	50	150	80	200	200
29	100	300	300	400	306	50	200	50	150	80	200	200
30	100	0	300	400	286	50	200	50	150	80	200	200
31	100	0	300	0	300	0	200	50	0	80	0	200
Total	**7960**	**6300**	**8850**	**7540**	**6705**	**6189**	**4410**	**2300**	**3765**	**4090**	**6400**	**4080**

Total Water Supplied in the Year 1996 = 68589 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1997

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	100	200	130	252	240	275	300	400	250	300	50	100
2	100	250	115	295	240	275	300	400	250	300	50	100
3	100	250	100	296	165	290	300	400	250	300	50	100
4	100	250	100	298	165	300	300	400	250	300	50	100
5	100	250	100	293	165	300	300	50	400	300	25	100
6	100	250	130	278	165	300	300	100	400	300	25	150
7	100	250	270	250	165	300	300	50	400	150	25	150
8	100	250	130	250	165	300	300	200	400	150	25	150
9	100	300	100	50	165	300	300	400	400	150	25	150
10	100	250	100	50	165	300	300	400	400	150	25	50
11	100	250	190	50	165	300	300	400	400	150	25	25
12	120	250	180	50	165	300	300	400	400	150	25	25
13	120	250	100	50	165	200	300	400	400	150	25	25
14	200	250	59	50	165	140	300	400	250	150	25	25
15	250	150	51	50	165	110	300	400	250	150	25	25
16	250	150	149	50	165	124	300	400	250	150	25	25
17	250	150	112	50	165	147	300	400	250	150	25	25
18	250	150	148	50	165	161	300	400	200	150	25	25
19	250	150	125	50	165	174	300	400	200	150	25	50
20	250	150	82	50	275	169	400	400	200	150	25	50
21	300	150	162	50	300	300	400	400	250	150	25	100
22	300	100	190	50	300	300	400	400	250	150	25	100
23	400	100	230	50	200	300	400	400	250	50	100	100
24	400	100	294	225	240	300	400	400	250	50	100	100
25	300	120	252	225	300	300	400	400	250	50	100	100
26	200	100	249	225	275	300	400	400	250	50	100	100
27	200	100	255	260	235	300	400	400	300	50	100	100
28	200	100	262	270	115	300	400	400	300	50	100	100
29	200	0	264	270	125	300	400	400	300	50	100	100
30	200	0	325	260	220	300	400	300	300	50	100	100
31	200	0	264	0	250	0	400	300	0	50	0	100
Total	**6140**	**5270**	**5218**	**4697**	**6120**	**7765**	**10500**	**11000**	**8900**	**4650**	**1450**	**2550**

Total Water Supplied in the Year 1997 = 74260 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1998

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	100	250	350	350	250	250	200	400	150	50	50	100
2	100	250	350	350	250	250	200	400	150	50	50	150
3	75	250	350	350	250	250	200	400	150	50	50	150
4	75	250	350	350	250	250	200	400	150	50	50	150
5	75	250	350	350	250	250	200	400	150	50	50	150
6	75	250	200	350	250	250	200	400	150	50	50	150
7	350	200	200	350	250	250	200	400	150	50	150	150
8	350	200	200	250	250	250	300	400	150	50	150	150
9	350	200	100	250	350	250	300	400	400	50	150	150

10	350	300	100	250	350	250	300	400	400	50	150	150
11	350	300	100	250	350	200	300	400	400	50	150	300
12	350	300	100	250	350	200	350	400	400	50	150	300
13	350	300	200	250	350	200	350	400	400	50	150	300
14	400	200	200	150	350	450	350	400	400	50	100	300
15	400	200	200	150	400	450	350	400	400	50	100	300
16	400	200	200	150	400	450	350	400	400	50	100	300
17	400	200	300	150	400	450	350	150	400	50	100	300
18	350	200	300	150	400	450	350	150	400	50	100	300
19	350	200	300	100	400	450	350	150	400	50	100	300
20	350	300	300	100	400	450	350	150	400	50	100	300
21	350	400	300	100	300	450	200	150	400	50	100	300
22	350	400	300	100	300	450	200	150	400	50	100	300
23	350	400	300	100	400	450	350	150	400	50	100	300
24	350	400	300	100	400	450	350	150	200	50	100	300
25	350	350	300	100	400	450	400	150	200	50	100	300
26	350	350	450	250	400	450	400	150	200	50	100	300
27	350	350	350	250	400	450	400	150	100	50	100	300
28	350	350	350	250	400	450	400	150	50	50	100	300
29	350	0	350	250	400	450	400	150	50	50	100	400
30	350	0	350	250	300	450	400	150	50	50	100	400
31	350	0	350	0	300	0	400	150	0	50	0	400
Total	**9450**	**7800**	**8450**	**6650**	**10500**	**10750**	**9650**	**8650**	**8050**	**1550**	**3050**	**8050**

Total Water Supplied in the Year 1998 = 92600 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 1999

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	400	300	200	50	100	100	200	500	600	300	200	150
2	400	300	200	50	100	100	200	500	600	300	250	250
3	400	300	200	50	100	100	200	500	600	300	250	250
4	400	300	200	50	100	100	200	500	600	300	250	250
5	400	300	200	50	100	100	200	500	300	300	150	250
6	400	300	200	50	100	100	200	500	600	300	150	250
7	400	300	200	50	100	100	250	500	50	150	250	250
8	150	300	200	150	100	150	250	500	50	150	250	300
9	150	300	200	200	100	150	250	500	50	150	250	300
10	150	300	200	200	100	150	250	500	50	150	250	300
11	100	300	100	200	100	150	250	500	100	150	250	350
12	100	300	100	200	200	150	250	500	100	150	250	350
13	100	300	100	200	200	150	100	500	100	150	250	400
14	100	300	100	200	200	150	100	500	100	150	250	400
15	300	300	100	200	100	150	100	500	150	150	250	400
16	300	300	100	200	100	150	100	500	150	150	250	400
17	300	300	100	100	150	150	100	500	200	100	250	400
18	300	300	100	100	150	150	100	500	200	100	250	400
19	300	300	100	100	150	175	300	600	200	100	250	400
20	300	200	100	100	150	175	300	600	200	100	150	300
21	300	200	100	100	100	175	300	600	200	100	150	300
22	300	200	100	100	100	175	300	600	200	100	150	300
23	300	200	100	100	100	200	300	600	200	100	150	300
24	300	200	100	100	100	300	300	500	200	100	150	300
25	300	200	100	100	100	400	300	500	400	100	150	400
26	300	200	100	100	100	200	300	500	300	100	150	400
27	300	200	100	100	100	200	425	500	300	150	150	400
28	300	200	100	100	100	200	425	500	300	150	200	400
29	300	0	100	100	100	200	425	550	300	150	200	400
30	300	0	50	100	100	200	425	550	300	150	200	400
31	300	0	50	0	100	0	425	550	0	200	0	400
Total	**8750**	**7500**	**4000**	**3500**	**3600**	**4950**	**7825**	**16150**	**7700**	**4950**	**6300**	**10350**

Total Water Supplied in the Year 1999 = 85575 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2000

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	400	250	400	500	250	200	300	350	350	500	350	350
2	75	250	400	500	250	200	300	350	350	500	350	100
3	75	250	400	500	250	200	300	450	350	500	350	200
4	300	250	200	500	250	200	300	500	350	500	350	200
5	300	350	200	500	250	200	300	500	350	500	350	200
6	300	450	200	500	250	200	300	500	350	500	350	200
7	300	100	200	500	250	200	300	500	350	500	350	200
8	300	100	200	400	250	350	300	500	350	500	350	200
9	300	100	200	400	250	350	300	500	500	500	350	250
10	400	450	200	300	250	350	350	600	500	500	350	250
11	550	450	200	250	250	350	350	600	500	300	350	250
12	550	75	200	250	250	350	350	600	500	300	350	250
13	550	75	200	250	250	350	350	600	500	300	350	300
14	550	75	200	250	250	350	350	600	500	300	200	300
15	450	200	200	250	450	350	350	600	500	300	200	300
16	450	200	200	250	450	350	350	600	500	300	350	300
17	450	200	200	250	250	400	350	200	500	200	450	300
18	450	300	200	250	250	400	350	200	500	200	450	300
19	200	300	200	250	250	400	350	200	500	200	290	300
20	200	300	200	250	350	400	350	200	500	200	290	300
21	450	300	200	250	350	400	350	200	300	200	290	300
22	350	300	200	250	350	300	350	200	300	200	300	300
23	350	300	200	250	350	300	350	200	100	200	300	200
24	300	300	200	250	350	300	350	200	100	200	300	200
25	300	300	300	250	350	300	350	200	100	300	300	200
26	300	300	300	250	350	300	350	200	100	350	450	200
27	300	300	300	250	250	300	350	200	400	350	450	300
28	300	400	300	250	250	300	350	200	400	350	450	300
29	250	400	300	250	250	300	350	200	400	350	450	300
30	250	0	300	250	250	300	350	200	500	350	450	300
31	250	0	300	0	250	0	350	200	0	350	0	300
Total	**10500**	**7625**	**7500**	**9600**	**8850**	**9250**	**10400**	**11350**	**11500**	**10800**	**10420**	**7950**

Total Water Supplied in the Year 2000 = 115745 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2001

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	300	250	200	100	200	150	350	450	450	250	400	300
2	300	250	200	100	200	150	350	450	450	250	400	250
3	450	250	100	100	175	150	400	500	450	250	350	250

4	500	250	100	100	175	150	400	500	450	250	350	250
5	400	250	100	100	175	150	400	500	450	350	350	250
6	350	250	100	100	175	150	400	500	450	400	350	250
7	350	250	100	125	175	150	400	500	450	400	350	200
8	350	250	100	125	125	150	400	500	450	400	350	200
9	400	250	100	125	125	200	400	500	450	400	350	200
10	400	250	100	125	125	200	400	500	300	400	350	200
11	400	250	100	125	125	200	400	500	150	400	350	200
12	400	250	100	125	125	200	400	500	150	400	350	200
13	400	250	100	125	125	200	400	500	150	400	350	200
14	400	250	100	100	125	150	500	500	150	400	350	200
15	400	250	100	100	250	150	350	200	200	400	350	200
16	300	250	100	200	250	150	350	200	200	400	350	200
17	300	200	125	200	250	150	350	50	200	400	350	350
18	300	200	125	200	250	150	350	50	200	300	300	350
19	300	200	125	200	250	150	350	50	200	300	300	350
20	300	200	125	200	250	150	350	150	250	225	300	350
21	300	200	175	250	250	125	450	150	250	225	300	350
22	300	200	175	250	250	125	450	350	200	225	300	350
23	200	200	175	250	250	125	450	350	200	225	300	325
24	200	200	175	250	250	125	450	350	200	225	150	325
25	200	200	175	250	250	125	450	350	200	225	150	100
26	200	200	175	175	250	125	450	350	200	225	300	100
27	250	200	175	250	250	125	450	350	200	225	300	100
28	250	200	175	200	250	125	450	350	200	225	300	100
29	250	0	100	200	250	125	450	600	250	225	300	100
30	250	0	100	200	250	350	450	450	250	225	300	400
31	250	0	100	0	250	0	450	450	0	400	0	400
Total	**9950**	**6400**	**4000**	**4950**	**6400**	**4725**	**12800**	**11700**	**8350**	**9625**	**9700**	**7600**
Total Water Supplied in the Year 2001 = 96200 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2002

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	400	400	500	250	250	400	250	200	400	425	75	350
2	400	350	400	250	400	400	250	200	500	425	75	350
3	300	350	450	250	400	400	250	200	600	425	75	350
4	300	350	450	250	200	400	250	100	600	500	75	350
5	300	350	450	350	200	400	250	100	600	500	75	350
6	350	350	450	400	200	400	200	100	600	500	300	350
7	350	350	450	400	200	400	200	100	500	500	300	300
8	350	350	450	400	200	400	200	100	425	500	300	300
9	250	50	450	400	200	400	200	400	425	500	300	300
10	250	200	450	300	200	400	200	450	425	550	300	300
11	250	200	450	300	200	400	200	500	500	400	300	400
12	350	200	300	300	200	400	200	500	500	400	300	300
13	350	200	300	100	200	400	100	500	100	250	300	300
14	350	200	300	100	200	400	100	600	100	250	200	150
15	350	350	300	100	200	350	100	600	200	250	500	250
16	350	400	300	100	200	350	100	600	200	250	200	250
17	250	400	300	100	200	350	100	600	200	250	400	250
18	250	500	300	200	200	350	100	500	200	200	250	400
19	200	400	300	500	200	350	100	500	200	200	250	400
20	300	100	300	350	200	350	100	500	200	200	200	400
21	300	100	200	350	200	350	100	600	200	200	200	200
22	300	100	200	350	200	150	100	600	300	200	200	200
23	300	100	400	350	200	150	100	600	300	200	350	200
24	300	100	400	350	200	150	100	600	300	75	350	400
25	300	200	400	250	200	250	100	500	300	75	350	400
26	250	250	400	150	200	250	100	600	300	75	350	200
27	250	400	400	150	200	250	200	400	425	75	350	200
28	200	500	400	200	200	250	200	500	425	75	350	300
29	200	0	400	250	350	250	200	500	425	75	350	350
30	400	0	250	250	400	250	200	400	425	75	350	350
31	400	0	250	0	400	0	200	400	0	75	0	350
Total	**9450**	**7800**	**11350**	**8100**	**7200**	**10000**	**5050**	**13050**	**10875**	**8675**	**7975**	**9550**
Total Water Supplied in the Year 2002 = 109075 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2003

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	400	350	250	400	100	500	400	300	150	100	100	100
2	450	350	250	500	100	500	400	300	150	100	100	100
3	450	400	250	500	150	500	400	300	150	100	100	100
4	450	500	250	300	250	500	400	300	150	100	100	100
5	350	500	250	100	250	500	500	200	150	100	100	100
6	350	500	250	100	250	500	500	200	150	100	100	100
7	350	500	250	100	250	450	250	200	150	100	100	100
8	450	400	350	100	250	450	500	200	150	100	100	100
9	350	400	350	100	250	450	500	200	150	100	100	100
10	350	400	350	100	250	450	500	200	100	100	100	100
11	400	400	350	100	250	450	500	200	100	100	100	100
12	400	400	350	100	250	450	400	200	100	100	100	100
13	400	400	350	100	250	450	400	200	100	100	100	100
14	400	400	350	100	350	400	400	100	100	100	100	200
15	400	400	550	100	350	400	400	100	100	100	150	200
16	400	300	500	100	350	400	400	100	100	150	150	200
17	400	300	500	100	250	400	350	100	100	150	150	300
18	300	300	500	100	250	400	350	100	200	150	150	300
19	300	300	500	100	250	400	300	100	200	150	150	300
20	300	200	500	200	250	400	300	100	200	150	150	300
21	300	200	500	200	250	250	300	100	150	150	150	300
22	300	350	450	200	250	250	300	100	150	150	150	300
23	300	350	450	100	250	250	300	100	150	150	100	300
24	300	350	450	100	250	250	300	150	150	150	100	300
25	300	350	450	100	250	350	300	150	150	150	100	300
26	300	350	450	100	250	350	300	150	100	150	100	300
27	300	350	450	100	250	350	300	150	100	150	100	300
28	300	250	450	100	250	400	300	150	100	150	100	400
29	300	0	400	100	350	400	300	150	100	100	100	400
30	300	0	400	100	350	400	300	150	100	100	100	400
31	300	0	400	0	350	0	300	150	0	100	0	400
Total	**10950**	**10250**	**12100**	**4600**	**7950**	**12200**	**11450**	**5200**	**4000**	**3750**	**3400**	**6800**
Total Water Supplied in the Year 2003 = 92650 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2004

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	400	300	350	150	450	50	250	100	250	300	350	50
2	400	200	350	150	350	50	250	100	250	300	350	50
3	400	200	350	50	350	50	250	100	250	150	350	50
4	400	200	350	50	400	50	150	100	250	500	350	100
5	300	0	350	50	400	50	150	300	50	500	350	100
6	200	300	150	50	400	50	150	100	50	450	350	100
7	200	300	150	50	400	50	150	100	50	450	350	100
8	200	300	150	50	450	50	150	300	50	450	350	100
9	200	300	150	50	350	50	150	300	50	450	350	100
10	200	300	150	100	450	150	150	500	50	450	350	100
11	200	150	150	100	450	150	150	100	50	450	350	150
12	200	150	150	100	450	150	150	500	50	450	350	150
13	200	150	150	100	450	150	150	400	50	450	350	150
14	200	250	150	100	450	150	150	600	50	450	350	150
15	200	250	150	450	450	150	100	600	50	350	350	150
16	200	250	150	450	450	150	100	550	150	350	350	150
17	150	250	150	450	450	150	100	500	150	350	350	150
18	150	250	150	50	450	150	100	350	150	350	350	100
19	150	250	150	350	450	150	100	600	100	350	350	100
20	150	350	150	450	450	150	100	450	100	350	350	100
21	150	350	150	450	450	150	100	450	500	350	350	100
22	150	350	150	100	150	150	100	450	500	350	50	100
23	300	350	150	450	150	150	50	450	500	350	50	100
24	300	250	150	300	150	150	100	250	500	350	50	100
25	300	250	150	350	50	250	100	250	500	350	50	100
26	450	250	150	450	50	250	100	100	500	350	50	100
27	450	250	150	450	50	250	50	100	150	350	50	100
28	450	350	150	450	50	250	50	100	150	350	50	150
29	450	350	150	450	50	250	50	100	150	350	50	150
30	450	0	150	450	50	250	50	100	300	350	50	200
31	450	0	150	0	50	0	100	250	0	350	0	200
Total	**8600**	**7450**	**5650**	**7250**	**9750**	**4200**	**3850**	**9250**	**5950**	**11750**	**7800**	**3600**

Total Water Supplied in the Year 2004 = 85100 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2005

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	200	200	150	300	400	100	100	600	200	600	100	400
2	200	200	150	300	400	100	150	600	200	500	100	400
3	200	200	150	200	400	100	150	600	200	500	100	400
4	200	200	150	200	400	200	150	600	200	350	100	400
5	200	150	125	200	400	200	150	600	200	350	400	400
6	200	150	125	200	400	200	150	600	200	350	400	400
7	200	150	125	200	500	200	200	600	200	350	400	400
8	150	150	125	200	500	200	200	500	200	350	400	400
9	150	150	125	200	500	200	200	500	200	350	400	400
10	150	150	125	300	500	200	400	500	200	350	400	150
11	150	200	125	300	500	200	400	500	200	350	400	150
12	150	250	200	300	500	200	400	600	200	350	300	150
13	150	450	400	200	500	200	400	600	300	350	300	150
14	215	450	400	200	200	200	400	600	300	350	300	150
15	215	450	400	200	200	200	400	200	300	350	300	150
16	200	300	400	300	200	200	400	200	500	350	300	150
17	200	300	400	300	200	200	300	200	500	50	300	150
18	200	300	400	300	200	150	300	200	500	50	300	150
19	200	150	200	300	200	150	300	200	500	50	300	150
20	200	300	200	400	200	150	400	200	600	100	300	150
21	200	200	200	400	150	150	400	380	600	50	300	150
22	200	150	200	400	150	150	600	380	600	50	300	150
23	200	150	200	400	150	150	600	500	600	50	300	150
24	200	150	400	400	150	150	600	300	600	50	300	150
25	200	300	300	400	150	100	600	300	600	50	300	150
26	200	300	300	400	150	100	600	300	600	50	300	150
27	200	300	300	400	150	100	600	200	600	100	300	150
28	200	300	300	400	100	100	600	200	600	100	400	150
29	200	0	300	400	100	100	600	400	600	100	400	150
30	200	0	300	400	100	100	600	300	600	100	400	150
31	200	0	300	0	100	0	600	200	0	100	0	150
Total	**5930**	**6700**	**7575**	**9100**	**8750**	**4750**	**11950**	**12660**	**11900**	**7200**	**9200**	**6900**

Total Water Supplied in the Year 2005 = 102615 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2006

date	Jan	Feb	Mar	Apr	May	June	July	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
1	150	125	100	500	500	200	200	500	300	600	100	400
2	150	125	100	500	500	200	200	600	350	600	100	400
3	150	125	100	500	500	200	200	600	350	600	100	400
4	150	100	100	500	500	200	200	600	350	600	100	400
5	150	100	100	500	500	200	200	600	350	600	100	500
6	150	100	100	450	500	200	200	600	350	600	300	500
7	100	100	100	450	150	200	200	600	350	600	200	250
8	100	100	100	450	150	200	200	600	350	600	200	250
9	100	150	100	450	150	200	200	600	100	600	100	300
10	100	150	100	450	150	300	200	600	100	600	100	100
11	100	150	100	450	150	300	500	500	100	600	100	300
12	100	100	100	450	150	300	500	600	100	600	100	100
13	100	100	100	450	100	300	500	600	100	600	100	100
14	200	100	100	450	100	300	500	600	100	600	100	100
15	200	100	400	450	100	300	500	600	100	600	100	100
16	200	100	400	450	100	300	300	600	100	600	100	100
17	200	100	400	450	100	300	300	600	100	600	100	100
18	200	150	400	450	100	300	300	600	100	600	300	100
19	200	150	400	450	100	300	400	600	100	600	300	100
20	200	150	400	500	300	300	400	600	100	600	300	100
21	150	150	400	500	300	300	300	600	100	600	300	100
22	150	150	400	500	300	300	100	600	100	600	250	100
23	150	150	400	500	300	300	200	250	200	600	250	250
24	150	150	400	500	300	300	400	400	200	600	250	250
25	150	100	400	500	300	150	100	300	400	600	150	250
26	150	100	400	500	300	150	200	600	400	600	200	250

27	150	100	550	500	300	150	400	300	400	600	150	250
28	125	100	550	500	200	150	400	300	400	600	200	250
29	125	0	550	500	200	150	400	300	400	600	150	250
30	125	0	550	500	200	150	400	300	600	100	150	200
31	125	0	500	0	200	0	400	300	0	100	0	200
Total	**4550**	**3375**	**8900**	**14300**	**7800**	**7200**	**9500**	**16050**	**7150**	**17600**	**5050**	**7050**
Total Water Supplied in the Year 2006 = 108525 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2007

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	200	100	150	400	500	200	200	100	250	100	450	300
2	200	100	150	400	500	150	200	100	250	100	200	250
3	200	100	300	400	500	150	200	100	250	500	200	250
4	200	100	400	400	500	150	300	200	250	500	200	250
5	200	100	400	400	500	150	350	200	250	450	200	250
6	200	100	400	400	500	150	350	200	250	450	200	250
7	200	100	400	400	500	150	350	350	250	450	200	250
8	200	100	400	400	500	150	350	350	250	450	200	250
9	200	100	400	500	500	200	350	350	400	450	200	250
10	200	100	400	500	500	200	350	350	400	450	100	250
11	200	150	400	500	500	200	350	350	400	450	100	250
12	200	150	400	500	300	200	350	350	400	450	100	250
13	200	400	400	550	100	200	350	350	200	450	100	250
14	100	500	200	500	100	200	200	350	200	450	100	250
15	100	600	200	500	100	200	300	450	200	450	100	250
16	100	600	200	500	100	200	350	450	200	450	100	200
17	150	600	200	500	100	200	350	450	200	450	400	200
18	150	600	200	500	100	200	350	450	200	450	400	200
19	150	600	200	500	100	200	350	450	200	450	400	200
20	150	600	200	500	100	200	200	300	200	450	400	200
21	100	600	200	500	100	200	200	300	200	450	400	200
22	100	400	200	500	100	200	200	300	200	450	400	200
23	100	400	200	500	100	200	200	450	200	450	400	200
24	100	300	200	500	100	200	200	350	100	450	300	200
25	100	150	200	500	100	200	200	350	100	450	300	200
26	100	150	200	500	200	200	200	250	100	450	300	200
27	100	150	200	500	200	200	200	250	100	450	300	200
28	100	150	200	500	200	200	200	250	100	450	300	200
29	100	0	200	500	200	200	200	250	100	450	300	200
30	100	0	400	500	200	200	200	250	100	450	300	200
31	100	0	400	0	200	0	200	250	0	450	0	200
Total	**4600**	**8100**	**8600**	**14250**	**8300**	**5650**	**8350**	**9500**	**6500**	**13350**	**7650**	**7000**
Total Water Supplied in the Year 2007 = 101850 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2008

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	300	250	300	300	300	100	550	550	600	400	500	500
2	300	250	300	450	300	100	550	550	600	400	500	500
3	300	250	300	450	100	100	550	350	600	400	500	500
4	300	250	300	450	100	100	550	450	600	400	500	500
5	300	250	300	300	100	100	300	600	300	400	500	500
6	300	250	300	500	100	100	300	600	300	400	500	300
7	300	250	300	500	100	200	550	600	600	400	500	300
8	300	250	100	500	100	200	550	600	300	400	400	300
9	300	250	100	500	100	200	550	500	200	400	400	300
10	300	100	100	500	100	200	550	500	200	400	400	300
11	300	100	100	500	100	200	550	300	200	400	400	300
12	200	100	100	250	100	200	550	300	200	400	400	300
13	150	100	100	250	100	200	550	500	200	400	400	300
14	150	100	100	250	100	350	550	500	200	400	400	300
15	150	100	100	250	100	350	550	500	400	400	200	300
16	150	150	100	250	100	350	550	200	400	400	200	300
17	150	150	100	250	200	250	550	500	400	400	200	300
18	150	150	100	250	200	450	550	500	400	400	300	300
19	150	150	100	200	200	450	550	500	400	500	300	300
20	200	150	100	200	200	450	550	500	300	500	300	200
21	250	150	100	200	200	500	550	500	300	500	300	200
22	250	150	100	200	300	500	550	500	300	500	500	200
23	250	350	100	200	350	500	550	600	300	500	500	200
24	250	350	100	200	350	500	550	600	300	500	500	200
25	250	350	100	200	350	500	550	600	300	500	500	200
26	250	350	100	300	300	500	550	600	300	500	500	200
27	250	350	100	300	300	550	550	600	400	500	500	350
28	250	350	150	300	300	550	550	600	400	500	500	350
29	250	350	150	300	300	550	550	600	400	500	500	350
30	250	0	150	300	300	550	550	600	400	500	500	350
31	250	0	150	0	100	0	550	600	0	500	0	200
Total	**7500**	**6350**	**4700**	**9600**	**5950**	**9850**	**16550**	**16000**	**10800**	**13700**	**12600**	**9700**
Total Water Supplied in the Year 2008 = 123300 Cusecs												

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2009

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	200	500	200	400	100	100	200	200	250	300	500	200
2	200	500	200	400	200	100	200	200	250	300	600	200
3	200	500	200	400	200	100	200	200	250	400	600	200
4	200	500	200	100	200	100	150	200	150	400	600	200
5	200	500	200	250	200	100	150	200	100	400	600	200
6	200	500	200	250	200	300	150	200	100	650	600	200
7	200	300	300	250	200	300	150	200	100	650	200	200
8	200	300	300	250	200	300	150	150	100	650	150	200
9	200	300	300	250	200	300	150	150	100	650	150	200
10	200	400	300	250	200	300	150	150	100	650	50	200
11	450	400	300	300	200	300	150	150	750	650	50	200
12	450	400	300	300	200	300	100	150	400	650	50	250
13	450	400	300	300	200	300	100	150	300	650	50	250
14	450	100	150	300	200	300	100	150	300	650	150	250
15	450	200	150	300	200	300	100	150	300	500	150	250
16	450	200	150	300	200	300	100	150	300	500	150	250
17	300	200	150	300	200	300	100	150	400	500	150	250
18	300	200	150	200	200	300	200	150	650	500	150	250
19	300	200	150	200	200	300	200	150	650	500	150	150

20	300	200	150	200	200	300	200	150	650	500	150	150
21	300	100	100	200	200	300	200	150	650	500	150	150
22	300	100	100	200	200	300	200	250	650	500	300	150
23	300	100	100	200	100	300	200	250	650	500	300	150
24	450	100	100	200	100	300	200	250	650	500	300	100
25	500	100	100	100	100	300	200	250	650	500	300	50
26	500	100	100	100	100	300	200	250	650	500	150	50
27	500	100	100	100	100	200	200	250	650	500	150	50
28	500	200	300	100	100	200	200	250	650	500	200	50
29	500	0	250	100	100	200	200	250	500	500	200	50
30	500	0	250	100	100	200	200	250	300	500	200	50
31	500	0	250	0	100	0	200	250	0	500	0	50
Total	**10750**	**7700**	**6100**	**6900**	**5200**	**7600**	**5200**	**6000**	**12200**	**16150**	**7500**	**5150**

Total Water Supplied in the Year 2009 = 96450 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2010

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	50	200	150	700	150	100	100	300	150	50	100	100
2	50	200	150	700	150	100	100	300	500	50	100	100
3	50	200	150	700	150	100	100	300	600	50	100	100
4	50	200	150	700	150	100	100	300	600	50	100	100
5	50	200	200	400	150	100	100	300	600	50	100	100
6	50	100	100	100	150	200	100	300	400	50	100	100
7	50	100	100	100	150	200	300	300	50	50	100	100
8	100	100	100	100	150	200	600	300	500	250	100	400
9	100	100	100	100	150	200	600	400	500	250	100	400
10	100	100	100	100	150	200	600	400	50	250	100	250
11	100	100	100	100	150	200	500	400	100	250	100	250
12	100	100	100	100	150	200	500	400	100	250	100	250
13	100	150	100	100	150	200	500	400	100	250	100	250
14	100	150	100	100	150	200	500	250	50	250	100	250
15	100	150	100	100	100	200	500	250	50	250	100	250
16	150	150	100	100	100	200	500	250	50	100	100	250
17	150	150	300	100	100	200	200	250	50	100	100	250
18	150	150	300	100	100	200	200	250	500	100	100	250
19	150	150	300	100	100	200	200	250	500	100	100	250
20	150	300	200	100	100	200	200	250	50	100	100	250
21	150	300	200	100	100	200	200	250	50	100	100	250
22	150	300	200	100	50	200	200	50	50	100	100	100
23	200	300	200	100	50	200	500	50	50	100	100	100
24	200	300	200	100	100	200	300	50	100	100	100	100
25	200	300	500	100	100	200	300	50	100	100	100	200
26	200	300	500	100	100	100	500	100	100	100	100	200
27	200	150	700	100	100	100	500	50	100	100	100	200
28	200	150	700	100	100	100	500	100	50	100	100	200
29	200	0	700	100	100	100	400	50	50	100	100	200
30	200	0	700	100	100	100	200	150	50	100	100	200
31	200	0	700	0	100	0	200	150	0	100	0	200
Total	**4000**	**5150**	**8300**	**5700**	**3700**	**5000**	**10300**	**7200**	**6200**	**3950**	**3000**	**6200**

Total Water Supplied in the Year 2010 = 68700 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2011

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	200	50	500	600	300	0	0	600	200	550	0	200
2	200	50	500	600	300	0	0	450	200	0	0	200
3	200	100	500	200	300	0	0	400	100	0	0	300
4	200	200	500	200	0	0	0	1000	100	0	0	300
5	200	200	500	200	0	0	0	700	100	0	0	300
6	200	200	500	200	0	0	0	1200	150	0	0	300
7	200	200	550	200	0	0	500	1200	400	0	0	300
8	400	200	550	200	0	0	700	1200	400	0	0	300
9	400	200	550	150	0	0	700	1300	400	0	0	300
10	400	300	300	150	0	0	850	1300	400	0	0	100
11	400	100	300	150	0	0	950	1300	700	0	0	100
12	400	300	400	150	0	0	500	1300	700	0	0	100
13	400	150	400	150	0	0	500	1250	400	0	0	200
14	400	150	400	150	0	0	650	1250	400	0	0	200
15	200	150	400	150	0	0	700	1250	400	0	0	200
16	200	200	400	200	0	0	900	1250	500	0	850	200
17	200	200	400	200	0	0	900	1250	500	0	700	350
18	200	200	400	200	0	0	700	250	500	0	200	350
19	200	200	200	200	0	0	900	150	500	0	200	350
20	200	350	200	200	0	0	400	100	500	0	200	350
21	200	350	200	200	0	0	400	100	600	0	200	350
22	200	350	200	200	0	0	400	100	600	0	200	350
23	100	350	200	200	0	0	300	700	500	0	200	350
24	100	350	300	200	0	0	800	1200	500	0	200	400
25	100	350	300	200	0	0	1200	1200	500	0	200	400
26	100	350	200	200	0	0	1200	1200	500	0	450	400
27	100	500	200	200	0	0	1200	1200	500	0	450	400
28	100	500	200	200	0	0	1200	1200	500	0	450	400
29	50	0	600	450	0	0	1200	200	500	0	450	400
30	50	0	600	300	0	0	400	800	500	0	450	400
31	50	0	600	0	0	0	600	200		0		450
Total	**6550**	**6800**	**12050**	**6800**	**900**	**0**	**18750**	**26800**	**12750**	**550**	**5400**	**9300**

Total Water Supplied in the Year 2011 = 106650 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2012

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	450	150	100	300	250	100	200	200	650	150	150	100
2	450	150	100	300	250	100	200	200	650	150	150	100
3	450	150	100	300	250	100	200	200	650	150	400	100
4	1000	100	150	300	250	100	200	1500	650	150	400	100
5	450	100	100	300	400	100	200	1500	650	150	400	100
6	450	100	100	300	400	300	200	1500	650	250	400	100
7	300	100	100	350	400	300	250	1500	650	1000	400	0
8	600	100	100	350	400	300	250	1500	650	1000	400	0
9	500	100	100	500	400	300	250	1000	650	1000	400	0
10	1200	100	200	500	400	300	250	1000	650	1000	400	0
11	1000	50	200	500	400	300	250	1000	650	1000	400	100
12	1000	50	200	500	100	300	250	1000	650	1000	400	100
13	1000	50	200	500	100	300	250	1000	650	600	150	100
14	350	50	250	500	100	300	100	1000	650	600	150	100

15	350	50	250	500	50	300	100	1000	350	600	150	300
16	350	50	350	500	100	200	100	1000	350	600	150	300
17	800	50	300	500	100	200	100	1000	350	600	150	300
18	1400	150	300	500	100	200	100	1000	350	600	150	300
19	1200	150	150	200	100	200	100	1000	350	150	150	300
20	1000	150	150	200	100	200	100	1000	350	150	150	300
21	200	150	150	100	100	200	200	1000	350	150	150	300
22	200	150	50	100	100	200	200	1000	150	150	150	400
23	200	150	100	100	100	200	200	1000	150	150	150	400
24	200	150	100	100	100	200	200	1000	150	150	100	400
25	200	100	100	100	100	200	200	700	150	150	100	400
26	200	100	100	100	100	200	200	700	150	150	100	400
27	200	100	200	100	100	200	200	700	150	150	100	400
28	150	100	200	250	100	200	200	700	150	150	100	400
29	150	100	200	250	100	200	200	300	150	150	250	500
30	150	0	200	250	100	100	200	300	150	150	100	500
31	150	0	300	0	100	0	200	650	0	150	0	500
Total	**16300**	**3050**	**5200**	**9350**	**5750**	**6400**	**5850**	**28150**	**12900**	**12550**	**6800**	**7400**
Total Water Supplied in the Year 2012 = 119700 Cusecs												
Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder during the year 2013												
date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	500	800	0	0	400	200	800	500	450	800	500	50
2	500	1000	0	0	400	200	800	500	450	800	500	50
3	500	1000	0	0	400	200	800	500	450	300	500	50
4	300	1000	0	0	400	200	800	500	450	300	500	50
5	350	650	250	0	400	200	800	500	450	300	500	50
6	350	650	250	0	400	200	800	500	550	300	500	50
7	350	650	250	0	400	200	800	500	550	100	500	400
8	350	650	250	0	500	200	800	500	550	100	200	400
9	350	650	800	0	500	200	800	500	550	100	200	400
10	350	650	800	0	500	200	800	500	550	100	200	400
11	350	650	400	0	400	800	800	500	550	100	200	500
12	300	650	300	0	400	800	800	500	550	100	200	600
13	300	650	400	0	400	600	800	400	600	100	200	600
14	300	650	500	0	400	400	800	400	800	100	200	600
15	300	650	800	800	400	800	800	0	800	100	200	600
16	300	350	400	800	400	500	800	0	800	100	200	600
17	300	350	800	800	400	500	800	400	800	100	200	600
18	300	350	800	400	100	200	800	400	800	100	200	600
19	200	100	1000	400	100	0	800	400	800	100	200	600
20	200	100	800	100	100	0	800	400	800	100	200	600
21	400	100	800	200	100	0	800	400	200	100	200	600
22	600	100	600	200	100	200	800	400	200	100	200	600
23	600	100	600	200	100	800	800	400	800	100	200	600
24	600	0	500	200	100	800	800	400	800	100	200	600
25	600	0	300	200	200	800	800	400	800	100	200	600
26	600	0	300	200	200	800	800	400	800	100	200	600
27	600	0	300	400	200	800	800	400	800	100	200	600
28	800	0	300	800	200	800	800	400	800	100	200	600
29	800	0	300	400	200	800	800	400	800	500	200	800
30	800	0	0	400	200	800	800	400	800	500	50	800
31	800	0	0	0	200	0	500	450	0	500	0	600
Total	**13950**	**12500**	**12800**	**6500**	**9200**	**13200**	**24500**	**12850**	**19100**	**6500**	**7950**	**14800**
Total Water Supplied in the Year 2013 = 153850 Cusecs												
Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder During the year 2014												
date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	800	300	100	100	800	400	600	1300	700	100	900	400
2	800	300	100	100	800	400	600	800	200	100	900	400
3	800	300	100	100	200	400	600	800	700	100	1000	400
4	800	300	100	100	200	600	600	800	200	100	600	400
5	800	300	100	100	200	400	150	1273	500	100	300	400
6	800	300	100	100	200	700	150	1000	500	100	700	300
7	800	300	100	100	200	300	150	1000	400	600	1000	300
8	800	300	100	100	200	300	150	1000	700	900	200	300
9	800	300	100	100	450	300	150	1000	600	500	200	300
10	800	400	100	100	700	300	150	1000	600	800	100	300
11	1000	400	100	100	700	300	150	1000	1000	800	100	300
12	1000	400	100	100	700	300	50	1000	1000	800	100	300
13	1000	400	100	100	700	300	100	1000	1000	800	200	200
14	800	400	100	100	700	300	100	1000	500	700	200	200
15	600	400	100	100	700	300	100	1000	600	600	200	200
16	600	400	100	100	1000	300	100	1000	800	600	200	200
17	700	400	100	100	1000	300	100	1000	500	600	200	200
18	400	400	100	100	1300	300	500	1000	800	600	200	400
19	1000	400	100	50	1300	300	500	1000	400	1000	200	200
20	400	400	100	50	1300	300	1000	1000	200	600	200	200
21	600	400	100	50	1000	600	1000	1000	100	500	200	200
22	1000	500	100	50	700	600	1000	1000	100	100	400	200
23	800	500	100	50	800	600	1000	1000	100	100	400	200
24	300	500	100	50	600	600	350	900	100	100	400	300
25	300	500	100	50	700	600	1000	900	100	100	400	300
26	300	500	100	600	800	600	1300	200	100	600	400	200
27	300	500	100	800	800	600	1300	200	100	600	400	200
28	300	500	100	800	800	600	500	200	100	400	400	200
29	300	0	100	800	800	300	600	200	100	300	400	200
30	300	0	100	800	800	600	1300	200	100	600	400	200
31	300	0	100	0	400	0	1300	200	0	900	0	200
Total	**20300**	**11000**	**3100**	**5950**	**21550**	**12800**	**16650**	**25973**	**12900**	**14800**	**11500**	**8300**
Total Water Supplied in the Year 2014 = 164823 Cusecs												
Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder During the year 2015												
date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	200	1000	300	200	100	500	500	300	650	400	200	400
2	200	1000	300	200	100	500	500	300	650	400	200	400
3	200	1000	600	200	200	500	500	300	650	400	600	400
4	200	800	600	200	200	500	300	300	650	400	800	400
5	200	300	600	200	200	500	300	400	650	400	800	400
6	0	300	400	200	200	500	300	600	500	400	800	400
7	700	100	600	200	200	500	300	600	500	400	700	400
8	800	100	300	200	400	500	500	600	200	800	700	400

9	1000	100	300	200	0	500	500	600	200	400	400	400
10	1000	100	300	200	0	300	500	600	200	300	600	400
11	500	100	350	200	0	300	800	600	200	300	600	200
12	200	100	350	200	0	300	800	600	400	300	600	200
13	200	100	350	200	0	400	800	600	400	300	600	200
14	500	100	350	100	300	400	600	600	400	300	600	200
15	800	150	350	100	300	400	600	600	400	300	600	200
16	1000	100	350	100	300	400	600	600	400	300	600	200
17	500	100	200	100	500	400	600	600	300	300	400	200
18	300	100	200	100	500	400	600	500	300	300	400	200
19	300	100	200	100	500	400	800	500	300	300	400	400
20	300	100	200	100	500	400	800	500	400	300	600	400
21	300	100	200	100	500	300	800	500	400	100	400	400
22	800	100	200	100	500	300	800	500	400	100	400	400
23	1000	100	200	100	500	300	800	600	400	100	400	400
24	1000	100	200	100	500	400	800	600	400	100	400	400
25	1000	100	200	100	300	400	800	600	400	100	400	400
26	1000	100	100	100	300	400	800	600	400	100	400	600
27	1000	100	100	100	100	500	800	600	400	100	400	600
28	800	300	100	100	100	500	800	600	400	200	400	600
29	800	0	200	100	100	400	300	600	400	200	400	600
30	1000	0	200	100	500	400	300	650	400	200	400	600
31	1000	0	200	0	500	0	300	650	0	200	0	600
Total	**18800**	**6850**	**9100**	**4300**	**8400**	**12500**	**18500**	**16800**	**12350**	**8800**	**15200**	**12000**

Total Water Supplied in the Year 2015 = 143600 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder During the year 2016

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	600	400	500	200	100	300	100	600	600	0	600	300
2	600	400	500	300	100	300	200	600	600	0	600	300
3	600	400	500	300	100	300	200	600	600	0	600	300
4	600	400	500	400	100	300	200	600	600	0	600	300
5	600	400	500	400	100	300	200	600	600	0	600	500
6	600	400	500	400	100	300	200	600	600	0	600	500
7	600	400	500	200	200	300	200	600	600	0	600	500
8	600	400	500	200	200	300	200	600	600	0	600	500
9	500	400	500	200	200	300	200	600	600	0	600	500
10	500	400	500	200	200	300	200	600	600	0	600	500
11	500	400	500	200	200	100	200	600	600	0	600	500
12	500	400	600	200	200	100	200	600	600	0	200	500
13	500	300	800	200	200	100	200	0	600	0	200	500
14	500	300	800	200	100	100	200	600	400	0	200	500
15	500	300	800	200	200	100	200	600	400	0	200	500
16	400	300	800	400	200	100	200	600	400	0	200	500
17	400	300	800	400	100	100	600	600	100	0	200	100
18	400	300	800	400	100	100	600	600	100	0	200	100
19	400	300	800	400	100	100	600	600	100	0	200	100
20	400	400	800	400	100	100	600	600	100	0	200	100
21	400	400	800	400	100	100	400	600	100	0	200	100
22	400	400	800	400	100	100	600	600	100	0	200	100
23	600	400	800	100	100	100	600	600	100	0	200	100
24	500	400	600	100	100	100	600	600	100	0	200	300
25	500	400	600	100	200	100	600	600	100	0	200	300
26	500	400	600	100	100	100	600	600	100	0	300	300
27	500	500	600	100	100	100	600	600	100	0	300	300
28	500	500	300	100	300	100	600	600	0	0	300	300
29	500	500	200	100	300	100	600	600	0	0	300	300
30	400	0	200	100	300	100	600	600	0	0	300	300
31	400	0	200	0	300	0	600	600	0	600		500
Total	**15500**	**11200**	**18200**	**7400**	**4900**	**5000**	**11900**	**18000**	**10100**	**600**	**10900**	**10500**

Total Water Supplied in the Year 2016 = 124200 Cusecs

Statement showing daily discharge in Cusecs released at the Head of Gurgaon Canal Feeder During the year 2017

date	**Jan**	**Feb**	**Mar**	**Apr**	**May**	**June**	**July**	**Aug**	**Sep**	**Oct**	**Nov**	**Dec**
1	500											
2	500											
3	500											
4	500											
5	500											
6	500											
7	500											
8	500											
9	500											
10	500											
11	500											
12	500											
13	500											
14	100											
15	100											
16	100											
17	100											
18	100											
19	100											
20	100											
21	100											
22	100											
23	100											
24	100											
25	100											
26	100											
27	300											
28	500											
29	800											
30	600											
31	600											
Total	**10600**											

Total Water Supplied in the January 2017 = 10600 Cusecs

……

Amount Spent on Irrigation System

444. Dr. Hari Chand Middha: Will the Chief Minister be pleased to state –

(a) the total amount spent on canals, distributaries and minors by the Government during the year 2015-16 and 2016-17 in Jind Assembly Constituency; and

(b) total amount spent by the Government to set right the irrigation system in the State during the period from the year 2015-16 and 2016-2017?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :

(क) श्रीमान जी, वर्ष 2015–16 तथा 2016–17 के दौरान जीन्द निर्वाचन क्षेत्र में नहरों, रजबाहों व माईनरों पर क्रमशः रु 105.45 लाख व रु 479.63 लाख खर्च किए गए हैं।

(ख) श्रीमान जी, प्रदेश में सिंचाई प्रणाली दुरूस्त करने के लिए वर्ष 2015–16 के दौरान रु 28671.58 लाख तथा वर्ष 2016–17 के दौरान रु 25896.20 लाख खर्च किए गए हैं ।

.....

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संख्या–1 को टालने के संबंध में अध्यक्ष महोदय द्वारा घोषणा

श्री अध्यक्ष : श्री ज्ञान चंद गुप्ता जी, विधायक ने डिजिटल इंडिया अभियान के बारे में संख्या–1 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के विषय को आगे किसी भी दिन की कार्य सूची में शामिल कर लिया जायेगा।

स्थगन प्रस्तावों/बैठक के स्थगन का मामला उठाना

श्री अभय सिंह चौटाला : हमने आपको एक ऐडजर्नमैंट मोशन दे रखा है और यह बड़े ही महत्वपूर्ण इशू के ऊपर है। इस प्रदेश के अंदर पिछले महीने की 29 तारीख से लेकर आज 28 तारीख हो गयी है, लगभग 1 महीना हो गया है, (विघ्न) और इस 1 महीने की अवधि में हजारों–हजारों लोग धरने पर बैठे हैं। प्रदेश में 19 ऐसे प्वाइंट हैं जहां पर लोग धरने पर बैठे हुए हैं। उसमें यह भी नहीं है कि किसी एक जाति विशेष वर्ग के लोग ही बैठे हों, उसमें 36 बिरादरी के लोग धरनों पर बैठे हैं और सरकार में से एक मंत्री उन धरना स्थलों पर गया था। एक दिन तो वह ऐसे वक्त पर गया था, जब धरना समाप्त हो गया था और दूसरे दिन जब गया तो फिर

लोगों की बात सुनने के बजाए कहीं–न–कहीं सरकार की तड़ी दिखा करके कि मुझे तो सिर्फ अपनी बात कहनी है और उसके लिए कितना बड़ा विरोध उनको सहना पड़ा, उसके बारे में हम आपको बता भी देंगे, लेकिन मेरा कहना यह है कि हमने जो प्रस्ताव आपके सामने रखा है, वह इसलिए रखा है कि कहने का तात्पर्य है कि एक महीना हो गया, सरकार कहीं भी इस इशू पर सीरियस नहीं दिखती है, सरकार कहीं अपनी जिम्मेवारी नहीं समझ रही है। जो लोग आज धरना देकर बैठे हैं, यह धरना उन्होंने स्वयं शुरू नहीं किया है, यह धरना भी सरकार की तरफ से शुरू करवाया गया था, उनको मजबूर किया गया था। जब जाट आरक्षण आंदोलन इस प्रदेश में चल रहा था, उस वक्त उस आंदोलन को समाप्त करवाने के लिए पिछले साल 22 फरवरी को श्री राजनाथ सिंह जी की कोठी पर आपके मुख्यमंत्री जी की मौजूदगी में, आपके पार्टी के प्रभारी अनिल जैन जी और अनेक मंत्री वहां मौजूद थे, उन सबके सामने बैठकर के यह तय हुआ था कि जो–जो मांगें इनकी तरफ से रखी गई हैं, उन सब मांगों को मंजूर कर लिया जाए, उस समय यह निर्णय लिया गया था कि जो 31 इन्नोसैंट बच्चे मरे थे, उनके परिवारों को 10–10 लाख रुपये देने की मांग थी, उनके परिवार के एक–एक व्यक्ति को नौकरी देने की बात थी, उसके साथ–साथ जिन लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गये थे, मुकदमा को वापस लेने की बात की गई थी और जो लोग जेलों में बंद थे, उनको छोड़ने की बात कही गई थी। इस तरह से 7 मांग जो उन्होंने रखी थी, उन 7 मांगों को सरकार की तरफ से मंजूर किया गया था और उसके बाद यहां उनको विश्वास दिलाकर धरना समाप्त करवाया गया था। उसके बाद फिर उन्हें जून के महीने में धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया गया ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप मेरी बात सुनें । मैं आपका स्थगन प्रस्ताव कल के लिए स्वीकार कर रहा हूं । उस पर आप यह बात कह लेना ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी पूरी बात तो सुन लें । उनको पहले जून के महीने में धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया गया और अब फिर से एक महीने से लोगों को धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया गया है क्योंकि जून में उन्हें जो आश्वासन सरकार द्वारा दिए गए थे उनको पूरा नहीं किया गया । एक महीने का समय लोगों को धरने पर बैठे हुए हो गया है लेकिन सरकार की तरफ से इस मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, मैं आपका स्थगन प्रस्ताव कल के लिए स्वीकार कर रहा हूं । प्लीज, आप मेरी बात सुनें ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 36 बिरादरी के हजारों लोगों को सरकार द्वारा किए गए वायदों को पूरा कराने के लिए पिछले एक महीने से धरने पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है । इस समय मुख्यमंत्री जी सदन में उपस्थित नहीं है इसलिए राम बिलास शर्मा जी सदन में आश्वासन दें कि उन लोगों से सरकार ने जो वायदे किए थे उन्हें पूरा किया जायेगा । इसके अतिरिक्त मुख्य मंत्री जी सदन में अपना वक्तव्य दें कि लोगों को धरने पर बैठे हुए एक महीना हो गया है, इस दौरान सरकार ने धरने को लेकर क्या कदम उठाये हैं ? क्योंकि यह कोई छोटा मामला नहीं है । यह मामला आज के दिन प्रदेश में सबसे बड़ा चिंता का विषय है। आज के दिन प्रदेश में कई जगहों पर 36 बिरादरी के हजारों लोग धरने पर बैठे हुए हैं । ऐसा नहीं है कि एक समुदाय के लोग धरने पर बैठे हुए हैं लेकिन सरकार उसको 35 बिरादरी और 1 बिरादरी में बांटने का काम कर रही है । गांवों से 36 बिरादरी के लोग साथ आते हैं और शांतिपूर्ण धरने पर एक महीने से बैठे हुए हैं और सरकार के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं ताकि सरकार को अपने किए हुए वायदे याद आ जायें । लेकिन सरकार ने इस मामले को काफी समय से लटकाकर रखा हुआ है । जिस तरह से पिछले साल फरवरी महीने में कुछ शरारती तत्वों ने प्रदेश को आग के हवाले कर दिया था और प्रदेश को बहुत नुकसान हुआ था । उसमें कुछ राजनैतिक लोग भी शामिल थे । (विघ्न) यह सब होने के बावजूद अब भी सरकार इस मामले में पूरी तरह से सीरियस नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, सरकार इस मामले पर पूरी तरह से सीरियस है और इस पर चर्चा भी कराने के लिए तैयार है । प्लीज आप मेरी बात सुनें ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लगातार एक महीने से हजारों लोग धरने पर बैठे हुए हैं । मुख्यमंत्री जी को चाहिए था कि वे स्वयं धरने पर जाकर लोगों से पूछते कि उनकी क्या कठिनाईयां हैं ? सरकार ने स्वयं कठिनाईयां खड़ी की हैं । जून के महीने में सरकार ने कहा था कि उनकी 100 प्रतिशत बातें मानी जायेंगी ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, क्या आप पूरा भाषण इस तरह से देना चाहते हैं ?

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पूरी बातें तथ्यों पर कह रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप मेरी बात सुनें । मैं आपका स्थगन प्रस्ताव कल के लिए स्वीकार कर रहा हूं । (विघ्न) यदि आप ऐसे ही बोलते रहेंगे तो यह ठीक नहीं है । आपकी पूरी बात सुन ली गई है । आप बहुत लम्बी बात कह चुके हैं । आज मुझे तीन ऐडजर्नमैंट मोशन मिले हैं ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, अभी विपक्ष के नेता चौधरी अभय सिंह चौटाला जी ने अपनी पूरी बात कही है । पिछले सैशन में इन्होंने अपने भाषण में जो फरवरी में घटना हुई थी उसकी निंदा भी की थी । अध्यक्ष महोदय, 22 फरवरी, 2016 को जो कुछ हुआ उससे पूरा प्रदेश बदनाम हुआ था और स्पीकर सर, अब इस मामले का फायदा उठाने में कांग्रेस पार्टी और इंडियन नेशनल लोकदल में होड़ लगी हुई है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि इस सम्बन्ध में राजनीतिक फायदा उठाने के लिए कांग्रेस पार्टी और इंडियन नेशनल लोकदल में एक मुकाबला हो रहा है। कभी माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड़डा जी अपने भाई को आंदोलनकारियों के पास भेजते हैं और कभी माननीय विधायक श्री कृष्ण हुड्डा जी को वहां पर भेजते हैं और कहलवाते हैं कि आप लोग यही पर बैठे रहें। इसी प्रकार से कभी वहां पर श्री अभय सिंह चौटाला जी जाते हैं और कहते हैं कि आप धरना जारी रखें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप सभी कृपा करके बैठ जायें क्योंकि माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने वही बातें कही हैं जो आप वास्तव में कर रहे हैं। सदन में वे इस बात का जिक्र करके एक प्रकार से आपकी प्रशंसा की है। (शोर एवं व्यवधान) क्या आप उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी यही तो कह रहे हैं कि आप उनका समर्थन कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, इन्होंने अपनी पूरी बात यहां पर कह दी है इसलिए अब इनको हमारा जवाब भी धैर्यपूर्वक सुनना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप सभी कृपया करके बैठ जायें और इस विषय पर सरकार का जवाब जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा दिया जा रहा है उसे धीरज के साथ सुने। (शोर एवं व्यवधान) यहां पर माननीय सदस्य द्वारा जो कहा गया है उसके ऊपर सरकार को भी जवाब देना है। इसलिए आप उसे सुनें। (शोर एवं व्यवधान) मैं इस मामले में अपनी रूलिंग देता हूं। आप उसे सुनें। माननीय सदस्यगण, श्री अभय सिंह चौटाला, विधायक, श्री रघुवीर सिंह कादियान, विधायक और श्री जय प्रकाश, विधायक ने मुझे इस मामले में एडजर्नमैंट मोशन मुझे

दिया है। माननीय सदस्यगण, मुझे जाट आरक्षण आंदोलन से सम्बंधित तीन स्थगन प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जो कि समान विषय पर है। जैसा कि आप सभी भलीभांति परिचित हैं कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 68 के तहत इस तरह के प्रस्ताव का कोई भी विषय जो कि न्यायालय के विचाराधीन हो उसके ऊपर सदन में किसी भी प्रकार की चर्चा नहीं की जा सकती। जो माननीय सदस्यगण इस सम्बन्ध में प्रस्ताव लेकर आये हैं और जो प्रस्ताव का विश्लेषण किया गया है इस विश्लेषण का बहुत सा भाग इस समय न्यायालय के विचाराधीन है। इसलिए मेरा निर्णय है कि वे इसे पुनः प्रस्तुत करें अगर उनका प्रस्ताव हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के अधीन ठीक पाया जायेगा तो मैं इस सदन को आश्वस्त करता हूं कि इस विषय पर काम रोको प्रस्ताव पर अवश्य चर्चा करवाई जायेगी। (शोर एवं व्यवधान) आप इसमें आवश्यक संशोधन करके सबमिट करें सरकार इस विषय पर चर्चा करवाने के लिए तैयार है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर महोदय, जो स्थगन प्रस्ताव हमने दिया है उसमें हमने जो भाषा लिखी है उसके एक–एक शब्द को आप पढ़कर देख लें। उसमें कहीं पर भी एक भी शब्द ऐसा नहीं है जिसके कारण कोर्ट की कोई अड़चन खड़ी हो। हमने सरकार के सामने बड़े सरल और सीधे तौर पर लिखकर दिया है कि आज किस प्रकार से लोग आंदोलन कर रहे हैं और किस बात को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हम सरकार से यह जानना चाहते हैं कि आज जो आंदोलन चल रहा है उस आंदोलन को लेकर सरकार कितनी सीरियस है और सरकार ने अब तक इस मामले में क्या काम किया है?

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, हमने अपने प्रस्ताव में यह कहा है कि सरकार और आंदोलनकारियों के बीच क्या समझौता हुआ था। आंदोलनकारियों की जो मांगें सरकार द्वारा मानी गई थी उनको अभी तक पूरा क्यों नहीं किया गया है? इस बारे में सरकार अपना जवाब दे।

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप सभी इस बारे में आपस में बैठकर विचार–विमर्श कर लें और मुझे हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियमों के अधीन एक तर्कसंगत प्रस्ताव बनाकर दें। सरकार उस पर चर्चा करवाने के लिए विचार कर लेगी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आपने कहा है कि यह मैटर सबज्यूडिस है इसलिए हाउस में डिस्कस नहीं हो सकता । इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि यह मामला सबज्यूडिस नहीं है । सबज्यूडिस तो केवल आरक्षण का मामला है । इसके साथ–साथ जिन दूसरे मुद्दों को लेकर वहां पर एक महीने से लोग शांतिपूर्वक धरने पर बैठे हुये हैं उन पर तो सरकार को जवाब देना चाहिए । वहां पर कोई 10, 20 या 50 आदमी नहीं बैठे हुये हैं बल्कि हजारों और लाखों की संख्या में लोग बैठे हुये हैं और दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है । सारी कानून व्यवस्था ठप्प है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, जाट आरक्षण को लेकर आंदोलन नहीं हो रहा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, वहां पर इतनी बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं इसका मतलब यह है कि उनके मन में कोई ठेस लगी हुई है और वे लोग सरकार से उम्मीद करते हैं कि सरकार उनको दिये गये आश्वासनों पर कार्रवाई करते हुये उनको पूरा करे । (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : सर, यह जाट आरक्षण का आंदोलन नहीं है यह झगड़ा कुछ और ही है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ट्रैजरी बैंचिज के विधायक इस प्रकार बोल रहे हैं इसका मतलब यह हाउस किसी और ही दिशा में जा रहा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश का विकास पूरी तरह से ठप्प पड़ा हुआ है और सरकार के मंत्री गांवों तक नहीं जा पा रहे हैं तथा सरकार के अधिकारी भी गांवों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं । इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए तथा सरकार को अपने किए हुए वायदे पूरे करने चाहिएं ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, जो बात चौधरी भूपेन्द्र सिंह हड्डा जी कह रहे हैं ऐसी बात नहीं है । पूरी सरकार गांवों तक जा रही है । 10 गांवों का दौरा करके तो अभी मैं लौटा हूं । हम जसिया हो कर ही आते हैं । हुड्डा साहब को अपने 10 साल के समय को नहीं भूलना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कहीं सड़कों पर घूम कर आ गये होंगे और ये गांवों में नहीं गये होंगे । प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप्प पड़ी है और

सरकार कोई काम नहीं कर रही है । इसलिए सरकार को जल्दी से जल्दी इसका समाधान निकालना चाहिए । यह बड़ा गम्भीर मामला है और प्रदेश के हित का सवाल है । सारी कानून व्यवस्था ठप्प हो गई है । सरकार कोई काम नहीं कर पा रही है और लोग परेशान हैं । इस बात की चर्चा आज हाउस में होनी चाहिए । उन लोगों से बात करके इसका कोई न कोई समाधान निकाला जाना चाहिए । मेरा सरकार से एक ही सवाल है कि सरकार इस बात का जवाब दे दे कि सरकार का आंदोलनकारियों के साथ समझौता हुआ था या नहीं हुआ था ?

श्री अध्यक्ष : आप सभी मेरे चैम्बर में आ जाईये इस कालिंग अटैन्शन नोटिस की शब्दावली में विचार–विमर्श करके कुछ बदलाव कर लेते हैं, सरकार इस पर चर्चा करवाने के लिए तैयार है। अब सदन 30 मिनट के लिए स्थगित किया जाता है ।

(तत्पश्चात् सदन 30 मिनट के लिए स्थगित हुआ तथा 11:53 बजे रि–असैम्बल हुआ।)

स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मुझे जाट आरक्षण पर धरने संबधी विषय पर स्थगन प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया है कि कल दिनांक 1 मार्च, 2017 को प्रश्न काल के पश्चात् इस विषय पर चर्चा की जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैने गुरूग्राम में ग्वाल पहाड़ी भूमि के घोटाले से संबंधित एक स्थगन सूचना दी है। मुझे उसका फेट बताया जाये? मैं आपसे जानना चाहती हूँ कि आप इस स्थगन सूचना को मंजूर करके कब चर्चा करवायेंगे?

श्री अध्यक्षः किरण जी, आपके द्वारा दी गई स्थगन सूचना के संबंध में बताना चाहूँगा कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के अध्याय 14 के नियम 67 के अधीन यह प्रावधान है कि 'स्थगन के प्रस्ताव का नोटिस उस दिन की बैठक प्रारम्भ होने से कम से कम एक घंटा पूर्व लिखित रूप में दिया जायेगा' इसी तरह अध्याय 14 के नियम 68 में यह भी प्रावधान है कि 'एक ही बैठक में एक से अधिक स्थगन प्रस्ताव नहीं लिये जायेंगे'। इन प्रावधानों के मद्देनज़र आपके संज्ञान में लाया जाता है कि आपके द्वारा दी गई स्थगन सूचना आज प्रातः 9.25 बजे हरियाणा विधान सभा सचिवालय को प्राप्त हुई है, जो नियम 67 के अधीन प्रावधान की अवहेलना करता है। इसके अतिरिक्त कल दिनांक 1 मार्च, 2017 को जाट आरक्षण पर धरने संबधी विषय पर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की

जायेगी इसलिए आपके द्वारा दी गई स्थगन सूचना पर कल भी चर्चा नहीं करवाई जा सकती क्योंकि ऐसा करना अध्याय 14 के नियम 68 के तहत दिए गए उस प्रावधान की पूर्णतयाः अवहेलना मानी जायेगी जिसमें कहा गया है कि 'एक ही बैठक में एक से अधिक स्थगन प्रस्ताव नहीं लिये जायेगे'। अतः इन परिस्थितियों के मद्देनज़र आपके द्वारा दिए गए स्थगन सूचना संबंधी विषय पर कल के बाद विचार किया जायेगा।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से विभिन्न विषयों पर ध्यानाकर्षण सूचनाएं दी गई हैं। कल का दिन अन्य विषयों पर चर्चा के लिए मुकर्रर किया गया है। ऐसी परिस्थिति में संभव सी बात है कि जो ध्यानाकर्षण सूचनाएं कल के लिए मंजूर की गई होंगी, उन पर कल चर्चा नहीं हो सकेगी और उन पर अन्य किसी दिन चर्चा की जायेगी। मेरा आपसे अनुरोध है कि हमें यह बताया जाये कि हमारे द्वारा दी गई कौन–कौन सी ध्यानाकर्षण सूचनाएं मंजूर की गई हैं, कौन सी ध्यानाकर्षण सूचनाएं नामंजूर की गई है तथा ध्यानाकर्षण सूचनाओं को नामंजूर करने के क्या आधार रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी मेरे द्वारा दिए गए 14 ध्यानकर्षण सूचनाओं के फेट के बारे में बताया जाये?

श्री अध्यक्षः ठीक है, मैं सभी ध्यानाकर्षण सूचनाओं का फेट बताता हूँ। श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक द्वारा डिजिटल इंडिया अभियान पर दी गई ध्यानाकर्षण सूचना को स्वीकृत कर लिया गया था तथा उस पर चर्चा के लिए आज का दिन नियत था, को पोस्टपोन कर दिया गया है, श्री घनश्याम दास, विधायक द्वारा स्वच्छ भारत अभियान विषय पर दी गई ध्यानाकर्षण सूचना को भी पोस्टपोन कर दिया गया है, श्री परमिन्द्र सिंह ढुल तथा श्री रविन्द्र बलियाला, विधायकों द्वारा एक्सटैंशन लैक्चरर्ज के धरने संबंधी विषय पर दिए गए ध्यानाकर्षण सूचना को तत्कालीनता के अभाव के मद्देनज़र अस्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार श्रीमती रेणुका बिश्नोई ने हांसी नगर परिषद के दायरे में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली बारे ध्यानाकर्षण सूचना दी गई है, जिसको तत्कालीन विषय के अभाव की वजह से नामंजूर किया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, एक्सटैंशन लैक्चरर्ज के धरने संबंधी विषय की ध्यानाकर्षण सूचना को नामंजूर नहीं किया जाना चाहिए। यह बहुत ही महत्वपूर्ण

मुद्दा है। इस ध्यानाकर्षण सूचना को मंजूर करते हुए चर्चा जरूर करवाई जानी चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, बच्चों की पढ़ाई के विषय को हल्के में नहीं लेना चाहिए और एक्सटैंशन लैक्चरर्ज के धरने संबंधी विषय पर आधारित ध्यानाकर्षण सूचना को मंजूर करते हुए उस पर चर्चा जरूर करवाई जानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, ऐक्सटैंशन लैक्चरर्ज से संबंधित विषय की ध्यानाकर्षण सूचना में तत्कालीनता के विषय का अभाव है और यह एक पुराना इशू है। (शोर एवं व्यवधान) अतः आप प्लीज बैठिए और मुझे अन्य ध्यानकर्षण सूचनाओं की वस्तु स्थिति के बारे में इस माननीय सदन को बताने दीजिए। श्री राजदीप फोगाट तथा श्री ओम प्रकाश, विधायकों द्वारा चरखीदादरी के गांवों में कृषि उपयोगी भूमि में सेम की वजह से हुए भारी नुकसान के मुआवजे बारे दी गई ध्यानाकर्षण सूचना को सरकार के पास 48 घंटे के अंदर टिप्पणी हेतु भेज दिया गया है। सर्वश्री जसविन्द्र सिंह संधू, रणबीर सिंह गंगवा तथा रविन्द्र बलियाला, विधायकों द्वारा राज्य में बिजली चोरी की घटनाओं बारे दी गई ध्यानाकर्षण सूचना में तत्कालीन विषय के अभाव की वजह से इसे अस्वीकृत कर दिया गया है। श्री अभय सिंह चौटाला, नेता प्रतिपक्ष तथा श्री परमिन्द्र सिंह ढुल व श्री जाकिर हुसैन, विधायकों द्वारा चालू वित्त वर्ष 2016–17 में विभिन्न योजनाओं व कार्यों के लिए आबंटित बजट फंड का पूरा उपयोग न होने बारे जो ध्यानाकर्षण सूचना दी गई है, उसके बाबत सूचना दी जाती है कि बजट पर चर्चा के दौरान इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बजट पर चर्चा के दौरान तो हम बोलेंगे ही लेकिन आपको हमारी ध्यानाकर्षण सूचना को भी मंजूर करना चाहिए?

श्री अध्यक्षः अभय जी, यदि हर विषय को ध्यानाकर्षण सूचना में बदल दिया जायेगा तो स्वाभाविक है कि ऐसी अवस्था में कई महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से चर्चा करना संभव नहीं हो सकेगा। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बजट पर चर्चा के दौरान अनेकों मुद्दे चर्चा का विषय बन जाते हैं और ऐसी परिस्थिति में हमारे विधायकों को इतने महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा का समय नहीं मिलेगा। (विघ्न)

12:00 बजे

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, उन्हें पूरा समय क्यों नहीं मिलेगा ? हम उन्हें बोलने के लिए पूरा टाइम देते हैं ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, इतने कम समय में सभी विधायकों को बोलने का समय नहीं मिल पाता ।

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप अपने बोलने का समय थोड़ा–सा कम कर लेना क्योंकि बाद में आपकी पार्टी के विधायक ही कहते हैं कि हमारे बोलने का सारा समय तो हमारे नेता ने ले लिया । (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में महत्वपूर्ण विषयों पर ही बात करता हूं । प्रदेश के महत्वपूर्ण विषयों को सरकार के नोटिस में लाना मेरी जिम्मेवारी है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, हमने भी आपको कभी महत्वपूर्ण विषय उठाने से नहीं रोका है और हम आपको बोलने का पूरा समय देते हैं । (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, मैं सदन में कोई भी ऐसा इशू नहीं उठाता जिसकी वजह से सदन का समय जाया हो । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे माननीय सदस्य श्री परमिन्द्र सिंह ढुल, श्री अनूप धानक, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया द्वारा बिजली वितरण कम्पनियों के कुप्रबन्ध व भ्रष्टाचार के कारण राजकीय कोष में करोड़ो रुपयों के नुक्सान बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इसे मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है । मुझे माननीय सदस्य श्री जाकिर हुसैन, माननीय सदस्य श्री रणबीर सिंह गंगवा, माननीय सदस्य श्री केहर सिंह द्वारा प्रदेश में गऊ तस्करी के बारे में ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इसे सरकार के पास 48 घंटे के अन्दर टिप्पणी देने के लिए भेज दिया गया है । मुझे माननीय सदस्य प्रो. रविन्द्र बलियाला, श्री ओम प्रकाश बड़वा, श्री नसीम अहमद द्वारा एजूसेट की योजना बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इस मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है और माननीय सदस्यगण राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के समय बजट 2017 पर सामान्य चर्चा एवं संबंधित मांग पर सदस्यगण मामला उठा सकते हैं । (विघ्न) मुझे माननीय सदस्य श्री राजदीप फौगाट, माननीय सदस्य श्री ओम प्रकाश बड़वा, माननीय सदस्य श्री केहर सिंह, माननीय सदस्य श्री नसीम अहमद द्वारा घग्घर आदि नदियों में हो रहे अवैध खनन बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इस मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है । (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, मैं इस विषय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा । हमारे प्रदेश के जिला सिरसा, जिला फतेहाबाद और रतिया में घग्गर नदी का बड़ा प्रभाव है । इसके बढ़े हुए पानी की वजह से बहुत से इलाकों जैसे फतेहाबाद में और मेरी अपनी कांस्टीच्यूएंशी में बाढ़ भी आती है । इससे बचने के लिए वहां पर नालों की खुदाई भी की गई है लेकिन उसकी खुदाई जिस तरीके से की गई है उसकी पड़ताल करने पर पता चला कि उसकी खुदाई में लगी हुई जिन जे.सी.बीज. और अन्य मशीनों के नम्बर दिए गए थे उनमें कोई नम्बर किसी स्कूटी का था, कोई नम्बर मोपेड का था तो कोई नम्बर तांगे का था । (विघ्न) अतः आप इस ध्यानाकर्षण सूचना पर चर्चा कराइये । यह मामला सरकार के ध्यान में लाना अत्यावश्यक है । इस बात की जांच होनी चाहिए कि सरकार के खजाने से जो पैसा जाता है उसको खाने का काम कौन लोग करते हैं । अतः मेरा आपसे पुनः आग्रह है कि आप इस ध्यानाकर्षण सूचना को कंसीडर कीजिए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, हम इस ध्यानाकर्षण सूचना पर चर्चा कराने के लिए पुनर्विचार कर लेते हैं । माननीय सदस्यगण, मुझे माननीय सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला, श्री राजदीप फौगाट, श्री राम चन्द कम्बोज, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, श्री पिरथी सिंह द्वारा सी.एम. विंडो की कार्यशैली बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है। इस मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है। मुझे माननीय सदस्य श्री ओम प्रकाश बड़वा, श्री नसीम अहमद, श्रीमती नैना सिंह चौटाला, श्री केहर सिंह, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, माननीय सदस्य श्री राम चन्द कम्बोज द्वारा पीने के पानी की समस्या बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इसे सरकार के पास 48 घंटे के अन्दर टिप्पणी के लिए भेज दिया गया है । मुझे माननीय सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, श्री नसीम अहमद, माननीय सदस्य श्री ओम प्रकाश बड़वा द्वारा किसानों को सब्जियों का विशेषकर आलू व टमाटर की लाभकारी कीमत न मिलने बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इसे सरकार के पास 48 घंटे के अन्दर टिप्पणी देने के लिए भेज दिया गया है । मुझे माननीय सदस्य प्रो. रविन्द्र बलियाला, श्री नसीम अहमद, श्री परमिन्द्र सिंह ढुल द्वारा मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल, राई में इलैक्ट्रोनिक वस्तुओं की खरीद में अनियमितताओं बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इसे सरकार के पास 48 घंटे के अन्दर टिप्पणी देने के लिए भेज दिया गया है । मुझे माननीय सदस्य प्रो. रविन्द्र बलियाला, श्री मक्खन लाल सिंगला, श्री रणबीर सिंह गंगवा,

माननीय सदस्य श्री जाकिर हुसैन, श्री वेद नारंग द्वारा राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की खराब कार्य पद्धति बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इस मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा एवं संबंधित मांग पर सदस्यगण यह मामला उठा सकते हैं । मुझे श्री राम चन्द कम्बोज, श्री मक्खन लाल सिंगला, श्री अनूप धानक, श्री हरि चन्द मिड्ढा, श्री वेद नारंग द्वारा राज्य के किसानों को फसलों की बिजाई के लिए बीज, खाद व कीटनाशक कर खरीद में धन का प्रबन्ध करने की समस्या बारे ध्यानाकर्षण सूचना प्राप्त हुई है । इस मामले में तत्कालीनता के अभाव के कारण इसे नामंजूर कर दिया गया है । मुझे माननीय सदस्या श्रीमती किरण चौधरी द्वारा खरीफ 2016 के दौरान बाजरे की खरीद से भिवानी जिले की दो महत्वपूर्ण मंडियों का बहिष्कार होने बारे, दक्षिणी हरियाणा को रावी और ब्यास नदियों का जल वितरण करने बारे, स्कूलों के उच्चीकरण की धीमी गति बारे, मनरेगा श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान करने बारे, अरावली में भूमि की 85 एकड़ जमीन की अधिसूचना रद्द करने बारे, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बारे, पीने के पानी की समस्या बारे, आवारा पशुओं से निजात दिलाने बारे, सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी बारे, हाल ही में मूसलाधार बारिश के कारण हिसार और भिवानी जिलों में हुए किसानों के नुक्सान बारे, राज्य सरकार द्वारा बनाई गई आबकारी योजना की नीति में निहित प्रावधान बारे, विधायक आदर्श ग्राम योजना के तहत गांव को गोद लेने बारे, हरियाणा में आशा और मिड–डे मील के कार्यकर्ताओं को सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट से मिलने वाले लाभ से वंचित रहने बारे, सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों के द्वारा विस्तार की मांग का क्रियान्वयन न होने बारे ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुई हैं । ये सभी ध्यानाकर्षण सूचनाएं विचाराधीन हैं।

.....

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब संसदीय कार्य मंत्री नियम 121 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231, 233, 235 तथा 266 के उपबंध जहाँ तक कि वे :–

(i) लोक लेखा समिति

(ii) प्राक्कलन समिति

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति तथा

(v) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति

के गठन से संबंधित है, को वर्ष 2017–2018 के लिए निलंबित किया जाए।

मैं यह भी प्रस्ताव पेश करता हूँ –

कि यह सदन, अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को प्राधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की अनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2017–18 के लिए उपरोक्त समितियों के सदस्यों को नामजद करें।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231, 233, 235 तथा 266 के उपबंध जहाँ तक कि वे :–

(i) लोक लेखा समिति

(ii) प्राक्कलन समिति

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति

के गठन से संबंधित है, को वर्ष 2017–2018 के लिए निलंबित किया जाए।

यह भी प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि यह सदन, अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को प्राधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की अनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2017–18 के लिए उपरोक्त समितियों के सदस्यों को नामजद करें।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231, 233, 235 तथा 266 के उपबंध जहाँ तक कि वे :–

(i) लोक लेखा समिति

(ii) प्राक्कलन समिति

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति

के गठन से संबंधित हैं, को वर्ष 2017–2018 के लिए निलंबित किया जाए।

यह प्रस्ताव भी प्रस्तुत हुआ –

कि यह सदन, अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को प्राधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की अनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2017–18 के लिए उपरोक्त समितियों के सदस्यों को नामजद करें।

(प्रस्ताव पारित हुआ।)

.....

गैर सरकारी संकल्पों की सूचनाएं

श्री परमिन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैंने सदन को 3 गैर सरकारी प्रस्ताव दे रखे हैं, उनके बारे में मुझे फेट बताया जाये ताकि वीरवार को चर्चा होने से पहले गैर सरकारी प्रस्ताव पर तैयारी की जा सके।

श्री अध्यक्षः ढुल साहब, आपके गैर सरकारी प्रस्ताव को देखकर उसका फेट कल बता दिया जायेगा।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, जो लैक्चरर्स की ऐक्सटेंशन का प्रस्ताव था, उसे सदन ने स्वीकार नहीं किया है। यह प्रस्ताव काफी महत्वपूर्ण है इसलिए इसको स्वीकार किया जाना चाहिए। मई 2016 में माननीय उच्च न्यायालय ने निर्णय किया है कि उनको 25,000 रूपये प्रति माह दिया जाए, जबकि सभी उनको 18,000 रूपये के हिसाब से दे रहे हैं। यू.जी.सी. 1001 रूपये प्रति पीरियड देने की बात कह रही हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने 22–22 कालेज खोल दिये जबकि सरकार के पास 56 प्रतिशत लैक्चरर्ज भी उपलब्ध नहीं है।

श्री अध्यक्षः सारी बातें कालिंग अटैंशन में नहीं दी जाती है तो फिर चर्चा किस बात की करवाई जाए।

.....

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा होगी। विधायक डा0 अभय सिंह यादव प्रस्ताव करेंगे।

डा0 अभय सिंह यादव (नांगल चौधरी): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाएः–

"कि इस सत्र में इकटठे् हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 27 फरवरी, 2017 को 2:00 बजे (मध्याह्न) पश्चात् सदन में देने की कृपा की है।"

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जब सत्ता संभाली उस वक्त सरकार के सामने दो प्रमुख चुनौतियां थी। पहली तो यह थी कि जो पिछली सरकार ने कार्य बीच में छोड़े थे, उन कार्यों को पूरा करवाना तथा दूसरा जो विकास में क्षेत्रीय असंतुलन का भेदभाव हुआ, उसको पूरा करना। सत्ता परिवर्तन एक नियमित प्रक्रिया है और सत्ता परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया भी है सरकारें आती हैं, जाती रहती हैं। पर एक सरकार जो कार्य शुरू करती है उस कार्य को पूरा करना जो आने वाली सरकार है उसकी जिम्मेदारी होती है। पिछली सरकार ने जो कार्य बीच में छोड़े थे उन सभी कार्यों को हमारी सरकार ने पूरा किया। जो कुछ ऐसे प्रोग्राम हैं उन को बताना (शोर एवं व्यवधान) मैं कई ऐसे सच भी बताऊंगा जो आपको मानने पड़ेंगे। मैंने शुरूआत की है। (शोर एवं व्यवधान) पहला जो महत्वपूर्ण कार्य हमारी सरकार ने किया है। वह यह है कि जो आधारभूत ढांचा था। यह ठीक है कि कांग्रेस रिजाइम में काफी अच्छे रोड बने। लेकिन उन रोडों का जो दायरा था। वह एक क्षेत्र विशेष तक सीमित रह गया था।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 11 ऐसे जिले हैं जहां इस सरकार के आने के बाद एक भी रोड नहीं बना है।

डा0 अभय सिंह यादवः पहले मुझे बोलने दे अगर आप बीच में इस तरह से कहेंगे तो मैं अपनी बात नहीं कह सकूंगा।

श्री कुलदीप शर्माः स्पीकर सर, मैंने आर.टी.आई. के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त की है। This information has been supplied by the Government.

डा0 अभय सिंह यादवः शर्मा जी, जब आपको बोलने का मौका मिलेगा आप उस समय अपनी बात कह लेना। मैं यह कह रहा हूं वह मैं अपने अनुभव से कह रहा हूं क्योंकि मैं नारनौल से चलकर महेन्द्रगढ होकर जब दादरी क्रॉस करता था तब ऐसा लगता था कि हम दूसरे राज्य में प्रवेश कर गये हैं शायद एक राज्य का हिस्सा नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान) मैं यह बता रहा था कि उस असंतुलन को दूर करने के लिए हमारी सरकार ने बड़ी गम्भीरता से कार्य किये। हमारी सरकार आने के बाद 900 किलोमीटर की लम्बाई के 9 महत्वपूर्ण रोड बनाये जिनको राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 155 किलोमीटर लम्बी रोड़

रायमिलकपुर से नारनौल, महेन्द्रगढ, भिवानी वाला जो लिंक है कॉरीडोर है। उसको बनाने के लिए 1240 करोड़ से अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। वह राशि मंजूर हो चुकी है, उसकी टैंडर प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक उस पर काम चालू हो जाएगा। इसी तरह से डॉ साहब आप कह रहे थे, आप जरा महेंद्रगढ़ जिले में एक बार राउंड लेकर देखो, पहले भी गए होंगे। आपकी सरकार के टाईम हो सकता है कि आप गए होंगे। अब फिर जाकर देखिए, आप कहीं रोड पर बैठे–बैठे चाय पी सकते हैं या अपनी गाड़ी में बैठकर चाय पी सकते हैं और आपके चाय के कप की चाय भी नहीं हिलेगी, रोड्स की इतनी अच्छी कंडीशन है। मैं अपने अनुभव से बता रहा हूं कि सरकार ने इस दिशा में बड़े महत्वपूर्ण काम किए हैं, कुंडली–मानेसर–पलवल का जो हाइवे था, जो कॉरीडोर था।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप अभय जी को बोलने दें।

श्री कुलदीप शर्मा : वहां पर काम में कोई प्रगति नहीं हो रही है।

डॉ0 अभय सिंह यादव : शर्मा जी, डे ड्रीमिंग नहीं होनी चाहिए, डे ड्रीमिंग मत करो। (शोर एवं व्यवधान) शर्मा जी, जो आप आज कर रहे हैं, जो डे ड्रीमिंग कर रहे हैं वह गलत है, ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं एम.एल.ए हूं, मैं बहुत खुश हूं, हमारे मंत्री बहुत अच्छा काम कर रहे है। कुंडली–मानेसर–पलवल जो हमारा कॉरीडोर है। इसमें मानेसर से पलवल तक का पार्ट तैयार होकर ऑपरेटिव हो गया है और ये क्वैश्चन आवर नहीं है। मैं बोल रहा हूं, मुझे बोलने दिया जाए, अब जो कुंडली मानेसर का रिमेनिंग पार्ट है, उस पर एच.एस.आई.आई.डी.सी. ने काम करना शुरू कर दिया है और उम्मीद है कि यह काम भी लगभग 1 साल की अवधि में पूरा हो जायेगा। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक बहुत बड़ा प्रौजेक्ट तैयार किया है जिसमें भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, हिसार और सिरसा जिलों के लिए 566 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल योजनाएं बनाई जा रही हैं। मुझे बड़ी खुशी है कि इसी तरह सीवरेज के लिए पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने जो छोटी–छोटी कमेटीज हैं हथीन, फिरोजपुर झिरका, नूह, कोसली, नांगल चौधरी और हैली मंडी जैसी म्यूनिसिपैलिटीज हैं, उनमें भी सीवरेज का काम चालू है। इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में हमारे शिक्षा मंत्री महोदय ने एक बहुत बड़ी समस्या से निजात दिलाया है। पहले टीचर्स अपने ट्रांसफर के लिए महीनों–महीनों हमारे या आप जैसे लोगों के पीछे घूमते रहते थे लेकिन अब एम.आई.एस पोर्टल के तहत जो शिक्षकों की

ट्रांसफर पॉलिसी बनाई है, उससे शिक्षकों में भी खुशी है और इससे सरकार को भी बहुत बड़ा रिलीफ मिला है। इसी तरह कॉलेज एजुकेशन में अभी सुबह हमारे शिक्षा मंत्री महोदय बता रहे थे कि 21 नए कॉलेज खोलने के लिए तो एक ही दिन में 10 फरवरी को उनके भवनों का शिलान्यास किया गया है और इसी तरह से दूसरे जो क्षेत्र हैं, दूसरे जो विभाग हैं, उनमें भी काम हो रहा है। अब मैं महत्वपूर्ण बात आप लोगों से करने जा रहा हूं, वह है सिंचाई व्यवस्था। अध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई के बारे में कुछ बात कहना चाहता हूं और बड़ी महत्वपूर्ण बात है, सुनने की बात है।

डॉ रघुवीर सिंह कादियान : पहले की अपेक्षा बेहतर है और वे इससे संतुष्ट हैं।

डॉ अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, सिंचाई व्यवस्था की क्वालिटी में काफी इम्प्रूवमेंट है। कादियान जी आपके मतलब की बात है। (शोर एव व्यवधान) मैं सिंचाई के बारे में कुछ बातें करने जा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, दक्षिणी हरियाणा भिवानी, महेंद्रगढ़ और रिवाड़ी जिले इन तीनों जिलों में आपको पता है कि पानी का नितांत अभाव है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं गुप्ता जी को कहना चाहूंगा कि ये मेरी बात सुन लें ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को इन्ही की पार्टी के सदस्य डिस्टर्ब कर रहे हैं ।

डा. अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने मैंबर के माध्यम से डाक्टर साहब को भी कहने की कोशिश की है । वे सीनियर मैंबर हैं इसलिए मैं उनको डायरैक्ट नहीं कह सकता । अध्यक्ष महोदय, मैं पानी की बात कर रहा था । हम सभी को मालूम है कि पानी के मामले में दक्षिण हरियाणा की प्राकृतिक स्थिति ऐडवर्स हालत में है । जब हम उत्तर से दक्षिण की तरफ चलते हैं तो हिमालय पर्वत स्थित है । इसी तरह से हमारे हरियाणा की जो हालत है उत्तर से दक्षिण की तरफ जाते हुए साल्हावास तक स्लोप है और वहां तक नहरी पानी बिना रूकावट के पहुंच जाता है। साल्हावास से आगे अरावली की चढ़ाई शुरू हो जाती है । वहां से बिना लिफ्ट किए पानी आगे नहीं जा सकता । सौभाग्यवश 1970 के दशक में दक्षिणी हरियाणा को पानी देने के लिए लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम का प्रावधान किया गया । मेरे क्षेत्र में तो अंडर ग्राउंड ट्यूबवैल का पानी पूरी तरह से खत्म हो गया है । हम पिछले काफी सालों से लगभग 3 दशक से पशुओं और इंसानों के लिए पीने के पानी के लिए नहरी पानी पर निर्भर हैं । ट्यूबवैल का पानी हमारे लिए नदारद है । अध्यक्ष महोदय, जो सिस्टम लिफ्ट इरिगेशन का हमें पानी देने के लिए लगाया गया था

वह बहुत पुराना हो गया था और जो पम्प और मशीनें उसमें लगी हुई थी उनकी अपनी एक आयु होती है। 1978 में नहर का एग्जीक्यूशन हुआ था जिस पर लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम लगा था । 1978 से लेकर 2015 तक कोई भी पम्प और मशीन रिप्लेस नहीं किए गये । यह रिकार्ड की बात है । इस सिस्टम को लेकर कंसलटैंट से सर्वे करवाया गया और जहां तक मुझे जानकारी है उसके मुताबिक पम्प 40 प्रतिशत कैपेसिटी में ही काम कर रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, इसी महान सदन में नवम्बर, 2014 के सैशन में मैंने एक बात रखी थी कि यदि हमारे इलाके को जिंदा रखना है तो लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम की ओवरहॉलिंग करवानी पड़ेगी । इस महान सदन में मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी सरकार द्वारा 143 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट लिफ्ट इरीगेशन की ओवरहॉलिंग के लिए मंजूर किया गया। उसके टैण्डर हो गये हैं और सप्लाई आर्डर भी इशू हो गये हैं । मुझे उम्मीद है कि आने वाले 6 महीने में पुराने पम्प्स रिप्लेस कर दिए जायेंगे । इसके अतिरिक्त लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम का जो बिजली का सिस्टम है और जो पुराने ट्रांसफार्मर तथा तारें हैं, उनको भी बदला जायेगा । यह ऐसा कार्य सरकार करने जा रही है जो प्रदेश के भिवानी, महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी इन तीन जिलों के लिए वरदान साबित होगा । (विघ्न) कादियान साहब, मैं सरकार की उपलब्धियां गिना रहा हूं । अध्यक्ष महोदय, जो अगली बात मैं यह कहने रहा हूं कि जहां तक पानी की मात्रा की बात है, सभी पार्टियां हांसी–बुटाना और एस.वाई.एल. नहरों की बात करती रहती हैं । लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम में सुधार की तरफ ध्यान नहीं दिया । (विघ्न) कादियान साहब आप झज्जर के रहने वाले हैं, आपका भी कुछ एरिया लिफ्ट इरीगेशन के अंदर आता होगा । अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य डॉ. रघुवीर सिंह जी को यह कहना चाहूंगा कि न तो कभी आपने उस सिस्टम को ठीक करने की सोची और न ही आपने कभी उस सिस्टम को जिंदा रखने के बारे में ही कोई विचार किया। इन्होंने अच्छा तो कुछ नहीं किया लेकिन एक उल्टा काम कर दिया जो कि उल्टा होने के साथ ही साथ पूरी तरह से अनैतिक भी था। जो जे.एल.एन. फीडर है वह हमारे यहां खुबडु हैड से जे.एफ.1 तक पानी लेकर आता है। इस कैनाल की लम्बाई लगभग 104 किलोमीटर है। यह कैनाल भिवानी की दादरी, बाढ़ड़ा व लोहारू तहसील, रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ इन तीनों जिलों को पानी देती है। जो जे.एल.एन. फीडर था बेसिकली यह इन तीनों जिलों को पानी देने के लिए बनाया गया था। जे.एल.एन.

फीडर के साथ एक पैरेलल नहर निकलती थी जिसको झज्जर सब ब्रांच अर्थात जे. एस.बी. कहते हैं । यह भालौड ब्रांच की टेल से निकलती थी। जे.एस.बी. का जो कमाण्ड एरिया था उसमें भालौड ब्रांच के माध्यम से पानी आता था । जो टेल के एरियाज़ थे उनमें पानी कम आता था। उस समय कादियान साहब की पार्टी की सरकार थी अर्थात इनके हाथ में सत्ता की बागडोर थी इसलिए झज्जर सब ब्रांच को डिस्बैंड करके जे.एल.एन. फीडर के ऊपर 15 आऊटलैट्स डाल दिये। मैं समझता हूं कि हमारे समूचे दक्षिणी हरियाणा के लिए इससे बड़ा अनर्थ कोई दूसरा नहीं हो सकता। मैं एक दिन हथनी कुण्ड बैराज पर रूका था। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मुझे आपकी प्रोटैक्शन चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मुझे अपनी बात पूरी करने दी जाये। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं डॉ0 कादियान की बात का जबाव दूंगा but he may kindly not intervene. मैं कोई कंट्रोवर्शियल बात नहीं कर रहा हूं। यह जो जे.एस.बी. डिस्बैंड हुई है यह इसलिए डिस्बैंड हुई है क्योंकि इसके माध्यम से जे.एल.एन. फीडर से सीधा पानी ड्रॉ करना था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ. साहब, आप कृपया करके बैठ जायें। जो भी आपको कहना है वह आप उस समय कहें जब आपको बोलने के लिए समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, मैं तो सिर्फ यही बताना चाहता हूं कि जे. एस.बी. क्यों डिस्बैंड हुई थी। मैं रिकार्ड को करैक्ट करना चाहता हूं।

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Speaker Sir, this is not the Questions Hour. Dr. Raghuvir Kadian has been in this Chair so many times. (Interruptions) This is not the record straight. This is not the Questions Hour. Dr. Sahib should address the Chair.

Dr. Raghuvir Singh Kadian: Speaker Sir, I am saying this only to put the record straight. मैं तो यही चाहता हूं कि किसी भी सूरत में हाउस को मिस–लीड न किया जाये।

Dr. Abhe Singh Yadav: I am not misleading the House.

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Dr. Sahib, it is not the record straight and it is not the Questions Hour. आपको चेयर को ऐड्रस करना चाहिए। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से डॉ. साहब को कहना चाहता हूं कि उनको पुरानी कैसेट को निकालना चाहिए और वर्तमान को स्वीकार करना चाहिए। To keep the record in straight, it is not your duty. Now the duty has been changed there. (interruptions)

Dr. Abhey Singh Yadav : Speaker Sir, I would like to tell Dr. Sahib that I am speaking on the record available with me. (Interruptions) मैं दायें–बायें की बात नहीं कर रहा हूं । I am telling the achievements of the Government. मैं गवर्नमैंट की अचीवमैंट्स पर बोल रहा हूं।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं डॉ. रघुवीर सिंह कादियान जी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा जो उन्होंने गवर्नर ऐड्रस के ऊपर अपनी टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह बड़ा विजनरी डॉक्यूमैंट है। हम इसके लिए इनका आभार व्यक्त करते हैं और इनका समर्थन भी करते हैं। ये बहुत अनुभवी हैं। इन्होंने जो महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के बारे में कहा है मैं बार–बार इनका बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

डॉ. अभय सिंह यादव : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से डॉ. कादियान जी को पूरी स्थिति स्पष्ट रूप से बताना चाहूंगा। नॉर्मली यह होता है कि जब फीडर में से कोई माईनर निकलती है आउटलैट्स का एक प्रिंसीपल होता है कि मान लीजिए किसी आउटलैट में 20 क्यूसिक पानी छोड़ना है तो सम्बंधित कैनाल में जिस लैवल तक वॉटर की अवेलेबिलिटी होती है उस लैवल के मुताबिक उसका हैड फिक्स किया जाता है तो उसकी जो कैपेसिटी होती है उसके मुताबिक ही उसमें आउटलैट्स डाली जाती हैं ताकि जरूरी पानी लेने के बाद उसमें पानी न चलता रहे। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस मामले में पूरे के पूरे आउटलैट्स कैनाल के पैंदे में लगाये गये हैं। पूरे 15 दिन उन आउटलैट्स में पानी चलता रहता है जबकि हम जो चना और सरसों की खेती करते थे, वह भी सूख रही है । अध्यक्ष महोदय, आप कभी अगस्त और सितम्बर के महीने में जा कर देखिये साल्हावास से निकलते ही आपको कुरूक्षेत्र और करनाल से भी ज्यादा धान की

खेती वहां पर मिलेगी । इससे दो नुकसान हो रहे हैं । एक तो हमारा इलाका बर्बाद हो रहा है और दूसरे इनकी जमीन खराब हो रही है । आज ये खुश हो रहे हैं कि हम धान बो रहे हैं लेकिन मैं इनसे कहना चाहता हूं कि यह धान की खेती भी इनकी ज्यादा दिन तक नहीं होने वाली है क्योंकि वह जमीन इस प्रकार की नहीं है कि उस जमीन पर लम्बे समय तक धान की खेती की जा सके । मैं इनसे कहना चाहता हूं कि ये भी चना और सरसों की खेती शुरू कर दें ताकि इनकी भी जमीन खराब न हो और हमारी भी चने और सरसों की खेती ठीक तरह से हो जाये। इसका हमने एक उपाय निकाला है । हमें पता है कि बारिश के दिनों में यमुना नदी में 3 महीने तक पानी की कोई कमी नहीं रहती है । इस बारे में मैंने एक रिपोर्ट माननीय मुख्यमंत्री महोदय को प्रस्तुत की है । स्टडी करने के बाद मैंने बताया कि जब हम हथिनीकुंड बैराज से चलते हैं तो दादूपुर नलवी हैड तक पैरलल दो कैनाल आती हैं । एक तो वैस्टर्न यमुना कैनाल आती है और एक साथ में हाइडल चैनल आती है । दादूपुर से हमीदा हैड तक कैनाल सिंगल है और डाउनस्ट्रीम में उससे आगे एक मुनक कैनाल आ जाती है और एक दिल्ली पैरलल ब्रांच और ऑगमैंटेशन कैनाल आ जाती है और राईट अप टू जे.एफ.बी. तथा जे.एफ.–1 तक जहां हमारा पहला पम्प है अकेहड़ी मदनपुर के पास, वहां तक पैरलल सिस्टम है । सिर्फ दादूपुर हैड और हमीदा के बीच में केवल 20 किलोमीटर का चैनल सिंगल है । मैंने सिंचाई विभाग के समक्ष एक प्रस्ताव रखा था कि अगर हम इस 20 किलोमीटर के चैनल को डबल कर लें तो हथिनीकुंज बैराज से जे.एफ.–1 तक हमारा पैरलल सिस्टम हो जायेगा । जे.एस.बी. को दोबारा रिकंस्ट्रक्ट कर लें तथा एक बड़ी नहर उसमें बना लें और जे.एल.एन का हम रिहैबिलिटेशन कर लें तो बहुत फायदा होगा क्योंकि जे.एल.एन. जो हमारी पानी की मेन वेन है, कंड्यूट है वह बहुत जर्जर हालत में है । यह बात जान कर सदन को खुशी होगी कि इसके लिए लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट बन गया है और उसमें से कुछ पार्ट पर काम भी शुरू हो रहा है । जे.एल.एन. फीडर की रिहैबिलिटेशन के लिए मुझे बताया गया है कि इनीशियल स्टेज पर एक्सपैरिमैंटल बेसिज पर 2 करोड़ रुपये का टैंडर किया है जिससे कुछ पर्टिकुलर एरिया में काम करवा कर देखा जायेगा। इसके अतिरिक्त और दूसरे काम भी चल रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी यहां पर नहीं हैं वे सिंचाई विभाग को देख रहे हैं मेरा उनसे अनुरोध है कि अगर वे टाइम–बाउंड तरीके से इस प्रोजैक्ट को लागू कर दें तो

बरसात के मौसम में 3–4 हजार क्यूसिक अतिरिक्त पानी वैस्टर्न यमुना सिस्टम में आ जायेगा जिससे महेन्द्रगढ़ और भिवानी के इलाके को पानी मिल जायेगा । अगर हमें बरसात के दिनों में ही पानी मिल जाये तो हमारे जोहडों और तालाबों में पानी पहुंच जायेगा और हमारी जमीन रिचार्ज हो जायेगी जिससे हमारा गुजारा हो जायेगा । अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त जो सरकार की एक और उपलब्धि है उसके बारे में मैं अपने विचार रखना चाहता हूं जिसका नाम सुनते ही विपक्ष के साथी बोलेंगे वह है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना । मैंने इस प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का विस्तृत अध्ययन किया है लेकिन बड़े दुख की बात है कि हमने इस योजना का लागू होने से पहले ही इतना विरोध किया कि इस स्कीम की गम्भीरता ही समाप्त हो गई है। मैं यह मानता हूं कि हम जब भी किसी स्कीम को व्यवहारिक रूप में लागू करते हैं तो उसमें कुछ दिक्कतें आती हैं । उसी तरह से इस स्कीम में भी कुछ दिक्कतें हैं । अध्यक्ष महोदय, इस समय कृषि मंत्री जी यहां पर नहीं हैं मैं आपके माध्यम से उनसे अनुरोध करना चाहूंगा कि इस स्कीम के बारे में विस्तृत अध्ययन करके हमारे राज्य के मुताबिक इसमें जहां भी संशोधन की आवश्यकता है वहां पर संशोधन कर लें लेकिन इस स्कीम को लागू अवश्य करें । मैं अपने विपक्ष के साथियों से भी निवेदन करना चाहता हूं बल्कि मैं तो सरकार को भी ये सुझाव दूंगा कि सभी दलों के पढ़े–लिखे सदस्य और जो कृषि में रूचि रखते हों उनकी एक कमेटी बनाकर इसका अध्ययन किया जाए और इसमें जहां–जहां भी संशोधन की जरूरत है वह संशोधन करके इस स्कीम को लागू करें नहीं तो अगर किसान को यह सुनिश्चित नहीं होगा कि उसकी फसल अगर प्राकृतिक आपदाओं के कारण नष्ट हो गई तो उसको कुछ नहीं मिलेगा जो उसके लिये अच्छा नहीं होगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि सरकार ने जो योजनाएं बनाई हैं क्या वे सारी की सारी लागू हो गई हैं? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, यह जो 3–4 बातें आई थी उनमें यह कहा गया है कि यदि आधे गांव में ओले पड़े हैं तो जहां पर ओले पड़े हैं उनको मुआवजा नहीं मिलेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, जो पॉजीटिव बात कही गई है उस पर आपको कोई एतराज है क्या? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : कादियान साहब, वह तो बाद की बातें हैं उसकी डिटेल बाद में बैठ कर बात कर लेंगे । कादियान साहब मैं फैसला नहीं कर रहा मैं तो सिम्पली आपको बता रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, उन्होंने आपको शामिल करके गलती कर दी क्या ? उन्होंने तो ठीक बात कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, कुछ किसानों के साथ तो ऐसा हुआ है कि उनके खाते में पहले तो मुआवजा राशि डाल दी गई और फिर उस मुआवजा राशि को उनके खाते में से निकाल लिया गया । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : यादव जी, आप उन स्कीमों की कमियां तो बताईये । जो किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : गंगवा साहब, आप इसमें नैगेटिव बातें मत कीजिये आप इसका पोजेटिव आस्पैक्ट देखिये । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है ।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, यह तो पूरे प्रदेश को पता है कि धोखा कहां से हो रहा है कहां से नहीं हो रहा ? कादियान जी, प्लीज आप बैठ जाईये । आपका जब बोलने का नम्बर आएगा तब आप इस विषय पर बोल लेना ।(शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : गंगवा साहब, मुझे पता था कि आपने नैगेटिव बोलना है ।

प्रो0 रविन्द्र बलियाला : आप इनकी कमियों को तो बताईये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बलियाला जी, प्लीज आप बैठिये आप पर कोई प्रश्न चिन्ह तो नहीं लगाया, रामचन्द जी, क्या उन्होंने आपको शामिल करने की गलती कर दी । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : गंगवा जी, आप मेरी बात को पूरी होने दो उसके बाद आप बोल लेना । (शोर एवं व्यवधान) मुझे पता था कि आपने नैगेटिव बोलना है ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात से सहमत हूं लेकिन जो ये फसल बीमा पॉलिसी की बात कर रहे हैं । मैं उस पर चर्चा करना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष : आपने इस पर पूरी चर्चा कर ली है। उस पर आप कालिंग अटैंशन मोशन भी ले कर आए और उस पर आपने एक घण्टे की चर्चा भी कर ली है ।

(शोर एवं व्यवधान) जसविन्द्र सिंह जी उस पर आपने दो–ढ़ाई घण्टे चर्चा कर ली है और जिस पर सरकार ने जवाब भी दे दिया है । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldip Sharma: Speaker Sir, I have a point of order. (शोर एवं व्यवधान) There is absolutely no mention of Crop Insurance Scheme in the Governor's Address. From where they have taken out this, it is my point of order?

श्री अध्यक्ष : बताएंगे जी, आप बैठिये । (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, जो अच्छी नीतियां है यह लोग उनका भी विरोध करते हैं ।

डॉ0 अभय सिंह यादव : शर्मा जी, आप मेरा जवाब तो सुन लीजिये । आप कह रहे हो कि अभी (शोर एवं व्यवधान) मैं यह कह रहा हूं कि आप पढ़कर नहीं आते । पढ़कर आया करो । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से शर्मा जी को बताना चाहता हूं कि मैं जो हाउस में बोलता हूं वह पढ़कर आता हूं । मैं ऑफ दि रिकॉर्ड कोई बात नहीं बोलता । मैं सारी बात फैक्ट्स पर बोलता हूं । मैं जो भी बोलता हूं उसके लिये मैं जिम्मेवार हूं ।

Shri Kuldip Sharma: Whether this scheme is mentioned in the Governor's Address?

Dr. Abhe Singh Yadav: Yes, it is mentioned. (शोर एवं व्यवधान)

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल अभिभाषण के पेज नं0 13 पर कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां मेंशन हैं और यह कृषि और किसानों से रिलेटिड हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : आप उसको गवर्नर एड्रस में पढ़िये ।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप बैठिये । आपने अपनी बात कह दी है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : शर्मा जी, हमारा कृषि प्रधान राज्य है । हम किसानों की बात करते हैं । अगर किसानों की बात करने में भी आपको एतराज है तो हम और किसकी बात करेंगे ।

Shri Kuldip Sharma: Speaker Sir, I was hoping that being a farmer and being son of soil Dr. Abhe Singh Yadav will criticize this policy.

Dr. Abhe Singh Yadav: No, No, for what I should criticize this Scheme? (Interruptions)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, फसल बीमा योजना के नाम पर किसानों के खाते से जबरन पैसा काटा जा रहा है। क्या इस तरह की योजना से किसानों के हितों की रक्षा संभव हो सकेगी? (शोर एवं व्यवधान) अभय यादव जी अगर किसानों के हितैषी हैं तो इन्हें फसल बीमा योजना की आलोचना करनी चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

Dr. Abhe Singh Yadav: I am not in a habit of criticizing things for the sake of criticism. (Interruptions) Please listen to me. (Interruptions) I had invited you people to give suggestions on this scheme. (Interruptions) Please listen to me. Listen to me.

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, अभय यादव जी किसान की डेफिनेशन बता रहे हैं? किसान के खातों से 990 करोड़ रूपये काट लिए गए, उसका हिसाब दिया जाए?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, किसान की डेफिनेशन तो सरदार बक्शीश सिंह विर्क जी ने पिछली बार सदन में अच्छी प्रकार से दी थी। (हंसी एवं विघ्न)

डॉ. अभय सिंह यादवः कुलदीप जी, अगर आप मेरे को सहीं ढंग से सुन रहे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि मैंने सदन में यह बात कही है कि यदि फसल बीमा योजना में कही कोई कमी है तो with due modifications हमें इस पॉलिसी को लागू करना चाहिए। मैंने यह बात शुरूआत में ही कही है and I had invited you. (Noise and Interruption)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह यादव जी अभी सदन में कह रहे थे कि फसल बीमा योजना में कुछ प्रैक्टिकल कमियां हैं (शोर एवं व्यवधान) अगर कमियां हैं तो इनको उन कमियों को criticize तथा condemn करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

Dr. Abhe Singh Yadav: No what for? क्रीटिसाईज किस लिए करें। मैं कहता हूँ कि अगर कहीं कुछ प्रैक्टिकल डिफिक्ल्टीज हैं तो उनको ड्यू मोडिफिकेशन के साथ लागू कर दें? (शोर एवं व्यवधान)

स्थानीय शहरी निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन): अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं। आप इन्हें बिठाईये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, असल बात तो यह है कि कांग्रेस पार्टी के पास बोलने के लिए कोई मसाला नहीं है। ये लोग बेफिजूल की बातें करके सदन का समय जाया कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सैनी : अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा जी स्वयं को किसान हितैषी साबित करने की दिशा में इस महान सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप शर्मा जी, देखिये, अभय सिंह यादव जी ने एक सुझाव दिया कि यदि फसल बीमा योजना में कोई कमी है, तो इस सदन का कोई भी माननीय सदस्य चाहे वह किसी भी पार्टी से क्यों ना संबंध रखता हो, अपना सुझाव दे ताकि इस योजना को और अधिक कारगर और असरदार बनाया जा सके। यदि कोई अच्छा सुझाव प्राप्त होता है तो सीधी सी बात है कि उसको मानने में कोई दिक्कत भी नहीं होगी? अभय सिंह यादव ने बिल्कुल पौजीटिव बात की है और इस पर भी कांग्रेस और इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों को ऐतराज है? (शोर एवं व्यवधान) किसानों के हित के ध्यानार्थ यदि कोई पोजीटिव बात कही जाती है तो मैं समझता हूँ कि यह कोई गलत बात नहीं होगी? अगर आपके सुझाव लेकर कोई अच्छी योजना बनती है और उससे किसान को लाभ होता हो तो मेरा सुझाव है कि इसमें किसी को भी कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान) शर्मा जी, आपको इतनी पौजीटिव बात पर भी ऐतराज हो रहा है? (शोर एवं व्यवधान) आप यह बतायें कि आपको ऐतराज किस बात का है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय,. .(शोर एवं व्यवधान)

श्री रणबीर गंगवाः अध्यक्ष महोदय, इससे पहले की शर्मा जी कुछ कहें मैं आपके माध्यम से अभय सिंह यादव जी से पूछना चाहूंगा कि जिन किसानों के खाते से फसल बीमा योजना के नाम पर पैसे काट लिए गए, क्या अभय सिंह यादव जी उस पैसे का हिसाब सदन में देने की कृपा करेंगें? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, बात को घुमाने का प्रयास मत कीजिए। अभय सिंह यादव जी ने यह बात की है कि अगर फसल बीमा योजना के संदर्भ में आप सब लोगों के सुझाव भी शामिल हो जाये तो निश्चित रूप से यह योजना और भी अधिक असरकार व असरदार साबित होगी। परन्तु अफसोस है कि आप लोगों को इस पौजीटिव बात पर भी ऐतराज हो रहा है? (शोर एवं व्यवधान) आपने तो कमाल ही कर दिया? (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सैनीः अध्यक्ष महोदय, बात की गहराई में जाने की जरूरत है लेकिन एक पोजीटिव बात को भी राजनीतिक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कमाल की बात है कि एक सकारात्मक सुझाव पर भी ऐतराज किया जा रहा है? (शोर एवं व्यवधान) जबकि ऐतराज की तो कोई बात होनी ही नहीं चाहिए?

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, किसानों के हजारों–हजार रूपये फसल बीमा योजना का बहाना बनाकर लूट लिए गए है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संधू जी, आप इस विषय पर बहुत चर्चा कर चुके हैं, अतः आप प्लीज बैठिए। अभय सिंह यादव जी सरकार की तरफ से फसल बीमा योजना के बारे में अच्छी भावना के साथ बात कर रहे हैं और आप इस बात को गलत दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, सारा प्रदेश सरकार की मनमानी को अच्छी तरह जानता है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संधू जी, सदन में जिस तरह का व्यवहार आपके तथा आपकी पार्टी के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है क्या इसको सारा प्रदेश नहीं देख रहा है?(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो फसल बीमा योजना को और अधिक किसान हितैषी बनाने की दिशा में सदन के सभी सदस्यों का सकारात्मक सहयोग मांगा था। परन्तु बड़े दुख की बात है कि इन परिस्थितियों में भी बात को राजनीतिक रूप देकर आलोचना करने का प्रयास किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात जरूर कहना चाहूँगा कि आजकल अच्छी बातों पर भी राजनीति करना इंसान की आदत में शुमार हो गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, जब कोई स्कीम ही खराब हो तो सीधी सी बात है कि उस स्कीम को ड्रॉप कर देना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को यह समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि यदि किसी स्कीम में कोई खराबी या डिफीकल्टीज हैं तो जहां–जहां पर डिफीकल्टीज हैं उनको मोडिफाई किया जाए लेकिन वह समझने की कोशिश ही नहीं कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, फसल बीमा योजना में तो दिक्कतें ही दिक्कते हैं?(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, अगर डाक्टर साहब को इस योजना में कोई दिक्कत नज़र आ रही है तो वह उन दिक्कतों के बारे में अपना सुझाव दें और इस प्रकार जहां–जहां पर दिक्कत होगी, वहां–वहां पर स्कीम को मोडिफाई कर लिया जायेगा। केवल कुछ दिक्कतों की वजह से सारी पॉलिसी को ही ड्रॉप कर दिया जाए, यह बात ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, किसान के खातों से 990 करोड़ रूपये काट लिए गए, इसका हिसाब दिया जाए? किसानों के साथ लूट की गई है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः शर्मा जी, लूट की बात मत करो। पिछली सरकार के 10 साल के शासनकाल में सारी लूट ही लूट हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के शासन काल में 400 रूपये के खाद के कट्टे को 1200 रूपये का कर दिया गया था और हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आते ही इस खाद के कट्टे को 100 रूपये डाउन कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शर्मा जी से पूछना चाहूँगा कि इन्होंने किस किसान से पूछकर खाद के कट्टे को 1200 रूपये कीमत का किया था? क्या कांग्रेस के लोगों द्वारा किसान के हित में खाद के कट्टे की कीमत 1200 रूपये की गई थी? अध्यक्ष महोदय, जब पिछली बार सदन में इस विषय पर चर्चा हो रही थी तो यही कांग्रेस के लोग जवाब नहीं दे पाए थे और बहाना बनाकर सदन से वाक आउट कर गए थे। आज ये लोग किस मुंह से किसान के हित की बात करते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री पिरथी सिंह नम्बरदारः अध्यक्ष महोदय, किसानों के खातों से काटे गए पैसों का हिसाब तो देना ही पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः पिरथी जी, ढांडा जी तो कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से प्रश्न पूछ रहे हैं, आप इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्य बीच में क्यों खड़े हो रहे हो?(शोर एवं व्यवधान) ढांडा जी की तरफ से आपकी पार्टी पर तो कोई कटाक्ष ही नहीं किया गया है तो आप बार–बार क्यों उठ रहे हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, जो लोग आज किसान हितैषी दिखाने की कोशिश कर रहे हैं इनके शासन काल में फसल खराब की एवज में पांच–पांच रूपये के चैक मुआवजे के तौर पर दिए जाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, फसल खराब होने की एवज में पांच–पांच रूपये के चैक मुआवजे के तौर पर देने वाले आज स्वयं को किसान हितैषी दिखाने की चेष्ठा कर रहे हैं।

श्री पिरथी सिंह नम्बरदारः अध्यक्ष महोदय, हम इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि फसल बीमा योजना के नाम पर किसान के खाते से जबरन पैसे काट लिए गए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः पिरथी सिंह जी, प्लीज आप बैठिए और अभय सिंह यादव जी को अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हमारी ऐसी आदत बन गई है कि हम सभी बातों को राजनीतिक दृष्टि से देखने लग गए हैं। हमें राजनीति से उपर उठकर पूरे समाज व पूरे प्रदेश की भलाई के लिए भी काम करना चाहिए? मैंने आज कोई राजनीतिक बात नहीं की थी जिस पर किसी को कोई आपत्ति हो? मैने यह कहा था कि फसल बीमा योजना किसान हित की पॉलिसी है और इसमें जहां कहीं भी कोई कमी या समस्या है उसको दूर करते हुए इस पॉलिसी को लागू करना चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, इस पॉलिसी की वजह से किसानों का अहित हुआ है। अभय सिंह यादव जी, आप ही बता दीजिए कि क्या यह पॉलिसी किसानों के हित में है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप बड़े किसान की नहीं अपितु छोटे किसान की बात कर रहे हो । । (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से सिर्फ यह जानना चाहता हूं कितने लोगों ने अपनी मर्जी से बीमा करवाया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : परमिन्द्र सिंह जी, आप प्लीज बैठिये ।

श्री अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं यह बात कर ही नहीं रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैंने आप सभी के सामने यह मुद्दा उठाया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप हाउस को चलने नहीं दे रहे हो । आप बीच में व्यवधान न डालें । । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मेरा कहना है कि अगर यह स्कीम कहीं लागू करने में दिक्कत है तो उसका समाधान निकाला जा सकता है और किसान को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के कदम के बीच में रोड़ा न अटकाया जाए । मेरा तो पूरे सदन से यह एक सीमित–सा निवेदन है । मैं आपके सामने ये फिग्गर्ज रखने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं कि कितने लोगों को फायदा हुआ और कितने लोगों को नुक्सान हुआ ? I still reiterate my words that it is a most beneficial scheme and it is in the interest of the farmers. It has to be implemented.

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, हमें माननीय सदस्य श्री अभय सिंह यादव से ऐसी उम्मीद नहीं थी । आप इनके झूठ के हक में खड़े हो । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सारी बात को समझकर ही बोल रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान) यह स्कीम एक बहुत अच्छी स्कीम है । । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, जब आपको बोलने के लिए कहा जाये तो आप अपने विचार सदन में रख लेना ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अगर यह सरकार किसान हितैषी है तो स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू कर दे । आपकी पार्टी ने चुनाव के समय स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने का वादा भी किया था ।

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहूंगा कि यह वही तो है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने की बात तो भाजपा ने अपने मैनीफैस्टो में भी कही थी । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य डॉ. रघुवीर सिंह कादियान को कहना चाहूंगा कि अगर इन्होंने स्वामीनाथन रिपोर्ट पढ़ी है तो this is one of the important recommendation of the Swaminathan Commission that there should be a Crop Insurance

Policy. (interruption) Is it not the recommendation of the Swaminathan Commission? (interruption)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, यह बिल्कुल अलग है । फसल बीमा योजना हरियाणा में ऑलरेडी एग्जिस्टिंग है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि मैं उसी योजना की बात कर रहा हूं जो हरियाणा में ऑलरेडी एग्जिस्टिंग है । (शोर एवं व्यवधान) यह आपका निकाला हुआ मतलब है । मैं कहना चाहता हूं कि फसल बीमा योजना किसानों के हित में है ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, मैं पुनः कहना चाहता हूं कि फसल बीमा योजना हरियाणा में ऑलरेडी एग्जिस्टिंग है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि इस योजना को हमने लागू किया है और इसे अच्छी तरह से लागू होने दिया जाए ।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, जब आप इस विषय पर बोलें तो यह भी भी बताना कि आपकी सरकार के समय कितने लोगों का बीमा किया गया था और कितने लोगों नुक्सान का मुआवजा मिला था । आप इन बातों को अपनी स्पीच में शामिल कर लेना । इससे पता चल जाएगा कि उस स्कीम से कितने लोग लाभान्वित हुए थे । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, इससे इस स्कीम में जो कमियां हैं वे भी दूर हो जाएंगी ।

डॉ. अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मैं विपक्ष के माननीय सदस्यों से आशा कर रहा था कि इस विषय को जिस परिपेक्ष्य में उठाया है इसे उस परिपेक्ष्य में लेंगे लेकिन इस पर राजनीति करने की कोशिश की गई है ।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष जी, आदरणीय सदस्य डॉ. रघुवीर सिंह कादियान बहुत सीनियर साथी हैं । ये हरियाणा विधान सभा के स्पीकर पद पर भी रह चुके हैं । इसके साथ ही ये अपोजीशन के बहत सीनियर मैम्बर हैं । गवर्नर ऐड्रस के ऊपर डॉ. अभय सिंह यादव सरकार की ओर से इस बहस को इनीशियेट कर रहे हैं । ये भी सीजेन्ड लैजिस्लेटर हैं । इन्हें सदन की सारी मर्यादाओं का पता है । इन्हें अच्छी तरह से पता है कि सदन में किस तरह से अपनी बात रखनी चाहिए इसलिए इनको अपनी बात अच्छी तरह से रखने देना चाहिए । इसी तरह

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान को सदन चलाने का काफी अनुभव है और इन्होंने कृषि क्षेत्र में भी काफी काम किया हुआ है । मैं कादियान साहब से निवेदन करूंगा कि वे हरियाणा की जनता को इस महान सदन के माध्यम से बतायें कि अपनी दस साल की सरकार के समय में किसानों की फसल का जो प्राकृतिक कारणों से नुक्सान हुआ उस प्राकृतिक आपदा के समय में किसान की फसल के नुक्सान का इन्होंने कितना मुआवजा दिया था । इसके साथ ही कादियान साहब दोनों सरकारों के फसल बीमा योजना के आंकड़ों के तुलनात्मक अध्ययन पर भी सदन में चर्चा करें । (शोर एवं व्यवधान) मुद्दा यही है । (शोर एवं व्यवधान) यह पॉलिसी इसलिए लानी पड़ी ताकि किसानों को अपनी फसल की आमदनी का नुकसान ना हो क्योंकि यह किसानों से सीधा–सीधा जुड़ा हुआ मसला है। अध्यक्ष महोदय, दूसरा मेरा निवेदन यह है कि जो पहले फसल बीमा योजना लागू थी, क्योंकि विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि यह फसल बीमा योजना तो पहले से ही लागू थी । पहली वाली फसल बीमा योजना में कौन से ऐसे प्रावधान थे और अब आने वाली फसल बीमा योजना में कौन से ऐसे प्रावधान हैं जिससे यह क्लेम किया जा सके कि पहले वाली फसल बीमा योजना बढ़िया थी, वह भी सदन को बतायें कि वह कैसे अच्छी थी। अध्यक्ष महोदय, सुधार की प्रक्रिया हमेशा बनी रहती है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय सदस्य से निवेदन है कि उनके इतने सीनियर नेता होने के बावजूद उनके द्वारा सदन में बीच में टोका–टाकी अच्छी नहीं लगती है। हम पहली बार चुनकर सदन में आए हैं इसलिए हम सीनियर्स नेताओं से हमेशा कुछ सीखने की सोच रखते हैं। लेकिन जब सीनियर नेता बीच में टोका–टाकी करते हैं तो बड़ी हैरानी होती है। इतने सीनियर नेता को किसी भी माननीय सदस्य के बीच–बीच में टोका–टाकी नहीं करनी चाहिए बल्कि सीधे चेयर को ऐड्रस करना चाहिए। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आप बीच में टोका–टाकी न करके सिर्फ अपनी स्पीच में ही फसल बीमा योजना के बारे में सदन को बताएं।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, हम सीनियर्स नेताओं से बहुत उम्मीद रखते हैं। उनसे उम्मीद रखते हैं कि वे सदन की गरिमा को ऊँचा उठायेंगे । उनसे उम्मीद रखते हैं कि मेरे जैसे पहली बार चुनकर आए सदस्यों के सामने आदर्श बनकर हमें कुछ सिखायेंगे लेकिन बजाय इसके इनके द्वारा हर बार बीच–बीच में टोका–टाकी करना बड़ा विचित्र लगता है। (शोर एवं व्यवघान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, हमसे सीखने की बात तो दूर की है, हमें बोलने ही नहीं दिया जा रहा है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः संधु साहब, आप सदन की कार्यवाही की मिनट–टू–मिनट कॉपी निकलवा लो और पता कर लो कि विपक्ष के साथियों ने माननीय सदस्य को बीच–बीच में कितनी बार टोका है । शायद जितनी बार विपक्ष के साथियों ने टोका–टाकी की है उतनी बार तो माननीय सदस्य ने अपनी बात भी सदन में नहीं कही होगी। (शोर एवं व्यवघान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बहुत ज्यादा बोले हैं।

श्री अध्यक्षः संधु जी, यह तरीका ठीक नहीं है अगर हर माननीय सदस्य बीच–बीच में टोका–टाकी करते रहें तो हाउस को चलाना बड़ा मुश्किल हो जायेगा।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, मैं डॉ. अभय सिंह यादव की योग्यता के आधार पर ही कह रहा हूँ कि उन्होंने फसल बीमा योजना ठीक से नहीं पढ़ी है। मैं भी इस फसल बीमा योजना से सहमत नहीं हूँ। यदि गांव को इकाई मानकर चलोगे तो इस फसल बीमा योजना से किसान को कोई भी फायदा होने वाला नहीं है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की जब बोलने की बारी आये तभी कहें लेकिन बीच–बीच में टोका–टाकी ना करें। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः ढाण्डा जी, प्लीज आप बैठ जाइये। कोई भी माननीय सदस्य बीच–बीच में टोका–टाकी नहीं करेगा। (शोर एवं व्यवघान) संधु जी यह जरूरी नहीं है कि आप हर बात से सहमत होंगे तभी बात सदन में कही जायेगी। आप तो बहुत सी बातों से सहमत नहीं हैं लेकिन फिर भी बात सदन के पटल पर रखी जाती है। जब आपकी बोलने की बारी आयेगी तभी आप बोले।

डॉ. अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री संधु जी ने मेरी बात को ध्यान से नहीं सुना है । मैंने कहा है कि जहाँ–जहाँ दिक्कतें हैं, उन दिक्कतों के बारे में बैठकर उनका समाधान निकाला जा सकता है लेकिन यह फसल बीमा योजना लागू होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इस योजना के अंतर्गत मेरी बात यही थी कि जहाँ–जहाँ किसानों को दिक्कतें हैं या किसी बात से किसानों का अहित होता हो या नुक्सान होता हो तो उन प्रावधानों को बदला जा सकता है अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं सॉयल हैल्थ कार्ड के बारे में कह रहा हूँ जो सरकार ने स्कीम चलाई हुई है। इस स्कीम के तहत हरियाणा प्रदेश में हर क्षेत्र की मिट्टी की

मैपिंग हो और एक प्रोफाईल बने। उस प्रोफाईल के मुताबिक मिट्टी की गुणवता की जांच होनी चाहिए कि कौन सी फसल के लिए यह मिट्टी ठीक रहेगी। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में भी इस बात का जिक्र है कि सॉयल हैल्थ के बारे में पूरा डाटा अवेलेबल होना चाहिए। सरकार ने बड़ी अच्छी स्कीम शुरू की है। अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सूझाव है कि इस स्कीम को सुव्यवस्थित ढंग से लागू किया जाये और हर जिले के अलग–अलग सॉयल जोन बनाकर प्रोफाईल तैयार की जाये। मिट्टी की गुणवता के परिणाम आने के बाद विशेषज्ञों द्वारा हर जिले में एक टीम गठित की जाये। वह टीम इस बात की जांच करें और इस बात का फैसला करें कि जो डैफिशिएंसी और ऐफिशिएंसी मिट्टी में है, उसको देखते हुए किस जिले में कौन सी फसल पानी की अवेलबिलिटी को देखते हुए और दूसरे रिसोर्सिस को देखते हुए उगाई जा सके जिससे किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो। अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलते हुए काफी समय हो गया है और विपक्ष के माननीय सदस्यों ने भी बीच–बीच में मेरा काफी समय लिया है, मैं उनका भी धन्यवाद करता हूँ क्योंकि उन्होंने बीच–बीच में मुझे बहुत सी बातें बताई हैं। मेरा उनसे अनुरोध है कि जो मेरा आज का विषय था कि हम सब मिलकर किस तरह से किसानों का भला कर सकते हैं, क्षेत्र का विकास कर सकते हैं तथा हरियाणा का विकास कर सकते हैं। पुनः मेरा एक निवेदन है कि राजनीति होती आयी है होती रहेगी। लेकिन केवल राजनीति करना भी बहुत बढिया बात नहीं है। कुछ ऐसे क्षण/विषय होते हैं। जिन विषयों पर हम सबको मिलकर बैठकर विचार करना चाहिए। हम सब किसानों की दुहाई देते हैं खेती बाड़ी की दुहाई देते हैं। लेकिन मैंने एक बार पहले भी इस महान सदन में एक बात रखी थी। कृषि पर आधारित जो किसानों की संस्थाएं हैं जो धीरे–धीरे खत्म हो चुकी हैं। आज भी जब किसानों की भलाई के लिए जो स्कीमें आती है तो हम राजनीतिक बातें करते हैं। मेरा निवेदन है कि राजनीति से ऊपर उठकर एक दूसरा लेवल है। हम सब बुद्धिमान लोग हैं। अगर सभी माननीय सदस्य सोचकर स्टेट के लिए अच्छी स्कीमों को लागू करने में योगदान दें। सत्ता तो आती जाती रहती हैं। राज्य का नुकसान करवाकर राज्य की स्कीमों को फेल करवा कर राजनीति नहीं होती है। सत्ता तो जनता द्वारा दी जाती है। इस तरह व्यवधानों से सत्ता नहीं मिलती।

डा0 पवन सैनी (लाडवा): आदरणीय अध्यक्ष जी, कल महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में सरकार के विजनरी डाक्यूमैंट को पढ़ा । आपने मुझे महामहिम

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर श्री अभय सिंह यादव द्वारा रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और इस अभिभाषण का समर्थन करता हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी, इस 13 वीं विधानसभा में मुझे भी विधायक बनने का अवसर मिला और एक ऐसे अवसर पर मिला जहां हरियाणा अपनी स्वर्ण जंयती वर्षगांठ मना रहा है और जिसकी शुरूआत अपने देश के तपस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हरियाणा के जन्म दिवस 1 नवंबर को की और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने जिनके नेतृत्व में हरियाणा सरकार चल रही है। उन्होंने प्रदेश की ढाई करोड़ जनता को सम्मिलित करते हुए सर्व हरियाणा, गर्व हरियाणा और पर्व हरियाणा की भावना से मनाने का संकल्प किया है। दूसरी तरफ इसी वर्ष सर्व वंश जिन्होंनें दान किया दशमेश पिता श्री गुरू गोबिन्द जी जिनका 350 वां प्रकाश पर्व हम लोग मना रहे हैं और इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करना चाहता हूं। जिन्होंने सरकारी स्तर पर करनाल में एक बहुत भव्य पर्व मनाने का कार्य किया और इसके साथ ही साथ इसी वर्ष बाबा बन्दा सिंह बहादुर सिंह जी के 300 वें शहीदी दिवस की वर्षगांठ हम

13:00 बजे

लोग मना रहे हैं मैं उनको भी नमन करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से एस.वाई.एल. (सतलुज यमुना लिंक) नहर इसकी बार–बार सुनवाई के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किया और हिन्दुस्तान का जो सर्वोच्च न्यायालय है उससे भी इस विषय की गम्भीरता को देखते हुए हरियाणा के हक में फैसला सुनाया है और मुझे उम्मीद है कि केन्द्र सरकार भी इस विषय को गम्भीरता से लेते हुए हरियाणा को हरियाणा के हक का पानी दिलाएगी इसके अतिरिक्त जहां दूसरी तरफ हरियाणा के जो दूसरे सियासी दल/विपक्षी दल हैं। कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल ने भी इस नहर पर राजनीति की है। एक समय ऐसा भी था, जब केन्द्र के अंदर कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और पंजाब के अंदर भी कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंदर सिंह संधु : सर, हमलोग आराम से बात को सुन रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी इसके बारे में क्लीयर कर रहे हैं। (शोर एव व्यवधान) रविंदर जी एक मिनट मंत्री जी क्लीयर कर रहे हैं।

प्रो. रविंद्र बलियाला : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2002 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया था।

श्री अध्यक्ष : बलियाला जी कृपया आप बैठ जाइए। मंत्री जी, आपकी बात का ही जवाब दे रहे हैं, आप बैठिए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, डॉ पवन सैनी गवर्नर साहब के ऐड्रस पर बोलने वाले दूसरे वक्ता हैं। वे बहुत क्वालिफाइड आदमी हैं और अभी इनेलो के माननीय साथी एकदम एस.वाई.एल की बात को लेकर एक दम सक्रिय हो गए हैं। यह तो उन पर ताजा–ताजा असीम गोयल जी की दूध, जलेबी और डॉ सैनी के वीकासूल कैप्सूल का ही असर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कंबोज जी, जलेबी के नाम पर कोई बुराई नहीं है।

श्री राम चंद कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, (शोर एव व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष : अनूप जी, रामचंद कम्बोज जी आप बैठिए। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, अनूप जी आप बैठिए। (शोर एव व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, एक इतनी बड़ी इवैंट हुई है और उसकी हम सदन में चर्चा कर रहे हैं। एक तो हम इनकी बात का विज्ञापन कर रहे हैं, इसके लिए इनको हमारा धन्यवाद करना चाहिए। स्पीकर सर, अभी इनेलो के कुछ विधायक पटियाला जेल में रोटी खाकर आये हैं।

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी को भी वहां पर रोटी खाकर आना चाहिए।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, एक तो हम गंगवा जी की तारीफ कर रहे हैं और ये उस बात को मजाक में ले रहे हैं। स्पीकर सर, आज आप सदन के माननीय स्पीकर हैं। पूर्व स्पीकर सदन में बैठे हैं। आप दोनों की सीट एक ही तरफ है यह आपने अच्छा कर दिया। (शोर एवं व्यवधान) हम तो इनकी बात को गंभीरता से सदन में उठाना चाह रहे हैं। स्पीकर सर, भारतीय जनता पार्टी के 6 विधायकों ने और सरकार के कार्यकाल से 8 महीने पहले एस.वाई.एल. नहर को लेकर अपना इस्तीफा दिया था। अध्यक्ष महोदय, आप भी उस समय विधायक थे । अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा एक पार्टी का मुद्दा नहीं है । मेरे विपक्ष के साथी इसको लेकर बचकानी बातें न करें ।

डॉ. पवन सैनी : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी जिस बात की चर्चा कर रहे हैं यह कोई चर्चा का विषय नहीं है । अध्यक्ष महोदय, मेरी यह बात सुन ली जाये उसके बाद चाहे आप मुझे यहीं रोक देना । मेरे साथी जसविन्द्र सिंह संधू जी सीनियर विधायक हैं और मंत्री भी रहे हैं । आज जिस प्रकार सुबह से ही मेरे विपक्ष

के साथियों का रवैया रहा है और सदन में जिस तरह का हो–हल्ला किया गया है, वह ठीक नहीं है । हम सभी सुनते हैं कि कई प्रदेशों की असैम्बलियों और पार्लियामैंट में कई दफा जूते–चप्पल चलते हैं । यदि विपक्ष के साथियों का इसी तरह का व्यवहार रहा तो हो सकता है कि यहां भी उसी तरह का वातावरण हो जाये । अध्यक्ष महोदय, हम सभी को इस महान सदन की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए । विपक्ष के साथी भी यह न सोचें कि इस महान सदन की कोई मर्यादा नहीं है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे जो भी माननीय सदस्य बोल रहा हो, उसको बीच में टोका–टाकी न करें । क्योंकि बीच में बोलने से फलो टूट जाता है । सभी सदस्यों को बोलने का अवसर दिया जायेगा । यदि विपक्ष के साथी सत्तापक्ष के साथियों की बात नहीं सुनेंगे तो सत्तापक्ष के साथी भी आपकी बात नहीं सुनेंगे ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. नहर का 90 प्रतिशत कार्य स्वर्गीय जन–नायक चौधरी देवी लाल की सरकारों के समय में पूरा किया गया । यह केवल मेरे कहने की बात नहीं है बल्कि स्वर्गीय चौधरी बंसी लाल जी ने भी सदन में माना था कि एस.वाई.एल. नहर का 90 प्रतिशत कार्य चौधरी देवी लाल के राज में किया गया । आज भी हमारी पार्टी इण्डियन नैशनल लोकदल एस. वाई.एल. नहर को लेकर पूरी तरह से चिंतित है । यही कारण है कि एस.वाई.एल. नहर का पानी लेने के लिए हमने पंजाब में जाने का निर्णय लिया लेकिन हरियाणा सरकार ने बार्डर पर 3–3 बैरिकेड लगाये जिनको हम पार करके पंजाब की धरती पर पहुंचे । आज भी एस.वाई.एल. नहर को लेकर संघर्ष इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी ने किया लेकिन बाकी पार्टियों ने कुछ नहीं किया । जन नायक स्वर्गीय चौधरी देवी लाल ने हरियाणा को बनाने के लिए और एस.वाई.एल. नहर को लेकर उसी तरह संघर्ष किया जिस तरह से मंगल पाण्डे जी ने देश की आजादी को लेकर संघर्ष शुरू किया था । जिसके कारण हम 15 अगस्त, 1947 को आजादी देख सके । इसी तरह से देश की आजादी के लिए सरदार भगत सिंह, राज गुरू और सुखदेव ने अपनी जान की कुर्बानियां दी । एस.वाई.एल. नहर के पानी के लिए जिस प्रकार से हमने संघर्ष किया उसके लिए हमारी तारीफ करने की बजाय सत्तापक्ष के साथी मजाक की बातें सदन में कर रहे हैं । एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे को लेकर हमारी पार्टी इण्डियन नैशनल लोकदल ने बीसों बार संघर्ष किया

है। जिस समय 23 जून, 1995 को चौधरी भजन लाल जी ने यमुना का पानी दिल्ली को दे दिया था उस समय भी हमने उसका विरोध करने के लिए संघर्ष किया था । अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. नहर के पानी को लेकर इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी ने हमेशा संघर्ष किया है और आगे भी हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा और प्रदेश में एस.वाई.एल. नहर का पानी इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी ही लेकर आयेगी । (विघ्न)

श्री महीपाल ढ़ांडा : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामचन्द कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, ***(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) मेरी इजाजत के बगैर जो भी माननीय सदस्य बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामचन्द कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, ***(शोर एवं व्यवधान)

श्री अनूप धानक : अध्यक्ष महोदय, ***(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरी इजाजत के बगैर जो भी माननीय सदस्य बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये । (शोर एवं व्यवधान) रामचन्द कम्बोज जी और अनूप जी प्लीज आप बैठें। आपको भी बोलने का अवसर दिया जायेगा । उस समय आप अपनी बात कह लेना। आप लोग सदन को बहुत डिस्टर्ब कर रहे हैं । आप लोग सदन की मर्यादा का बिलकुल भी ध्यान नहीं रख रहे । मैं सत्तापक्ष के सदस्यों को बैठने के लिए कहता हूं तो वे बैठ जाते हैं लेकिन आप मेरे कहने पर भी नहीं बैठते । इस प्रकार से सदन की कार्यवाही किस प्रकार से चलेगी ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री श्याम सिंह राणा) : स्पीकर सर, बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। कांग्रेस सरकार के शासन काल में एस.वाई.एल. का निर्माण कार्य न होने के साथ ही साथ दादूपुर–नलवी नहर और हांसी–बुटाना लिंक नहर का बिना किसी पूर्व और व्यवस्थित योजना के अभाव में निर्माण करके पूरे हरियाणा प्रदेश का बहुत ज्यादा नुक्सान किया गया है। अगर ये योजनाबद्ध तरीके से काम करते तो कोई एक योजना तो पूरी होती। आज जिस प्रकार से विपक्षी दलों द्वारा एस.वाई.एल. नहर के निर्माण के मुद्दे को राजनीतिक लाभ उठाने के लिए उठाया जा रहा है यह किसी भी दृष्टि से शोभा नहीं देता।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री रणबीर गंगवा : स्पीकर सर, हम आपके माध्यम से एक ही बात कहना चाहते हैं कि वर्तमान सरकार के माननीय मुख्यमंत्री को देश के प्रधानमंत्री एस.वाई.एल. के मामले में मिलने का समय ही नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : गंगवा जी, आपको इससे निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप धैर्य रखें, सभी कुछ हो जायेगा। अभी आप बैठ जायें। डॉ. पवन सैनी जी आप कंटीन्यू करें।

डॉ. पवन सैनी : स्पीकर सर, एस.वाई.एल. हरियाणा की जीवन रेखा है। मैं आज इस महान सदन का सदस्य हूं जिसके आप माननीय अध्यक्ष हैं। हमारी पार्टी के आप सहित 6 विधायकों ने जब एस.वाई.एल. कैनाल के मामले में विधान सभा सदस्यता से इस्तीफा दिया था वह इस्तीफा अस्वीकार करने वाले तत्कालीन विधान सभा अध्यक्ष श्री सतबीर सिंह कादियान इस समय स्पीकर गैलरी में मौजूद हैं। हमारी पार्टी के 6 तत्कालीन विधायकों ने इस मामले में रोष स्वरूप इस्तीफा दिया और पूरे प्रदेश के अंदर रोष मार्च निकालते हुए यात्रायें की लेकिन इसके विपरीत केन्द्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और पंजाब में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। तत्कालीन केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने हरियाणा के हित में कदम नहीं उठाया। ऐसे ही पंजाब की कांग्रेस सरकार द्वारा हरियाणा के हितों से खिलवाड़ की गई। जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने हरियाणा के हक में फैसला सुनाया तो उस समय कैप्टन अमरेन्द्र सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री थे उन्होंने उस समय ऐसा काला कानून पास किया जो कि सभी के सामने है। मैं उसकी डिटेल में नहीं जाना चाहूंगा। इसके दूसरी तरफ इंडियन नेशनल लोकदल के हमारे भाई पिछले तीन महीनों से पूरे हरियाणा प्रदेश में इस बात का बड़े जोर–शोर से प्रचार कर रहे हैं कि वे हरियाणा में एस.वाई.एल. का पानी लेकर आयेंगे। उनके इस प्रचार पर मेरे छोटे भाई श्री असीम गोयल जी ने यह कहा था कि अगर वे एस.वाई.एल. का पानी हरियाणा में ले आते हैं तो वे इनके इस हेतू किये जाने वाले प्रयास खुदाई के प्रयास के दौरान उनके लिए दूध और जलेबियां की व्यवस्था करेंगे। मैंने भी अपनी भावनाओं को उनके साथ जोड़ते हुए यह कहा था कि क्योंकि मैं एक डॉक्टर हूं इसलिए अगर इंडियन नेशनल लोकदल के भाई एस.वाई.एल. कैनाल के लिए खुदाई का काम करते हैं तो मैं उनके लिए बीकोसूल्स के कैप्सूल्स की व्यवस्था करूंगा। अब पूरे हरियाणा प्रदेश के अंदर इनकी असलियत सबके सामने आ गई है और लोग यह जान गये हैं कि इन्होंने इस मामले में सर्कस और ड्रॉमा करने के

अलावा कुछ भी नहीं किया। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने केन्द्रीय नेताओं से इस मामले में विस्तृत और सार्थक विचार–विमर्श करके इस विषय को उठाया वह काबिले तारीफ है। इसी प्रकार से हमारी सरकार के प्रयासों से ही इस मामले को माननीय सुप्रीम कोर्ट में सही ढ़ंग से उठाया गया जिसका फल यह हुआ कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरियाणा प्रदेश के हित में फैसला सुनाया गया। हमें पूरा विश्वास है कि केन्द्र सरकार इस मामले में हरियाणा प्रदेश के हितों का ध्यान रखते हुए हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी दिलवाने का काम करेगा। आदरणीय अध्यक्ष जी, पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी जिन्होंने हमें अंत्योदय का दर्शन दिया। उन्होंने यह कहा कि प्रत्येक सुख सुविधा का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति पर हर हालत में पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाये। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने वर्ष 2017 को गरीब कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का फैसला लिया है। मैं इसके लिए अपनी सरकार की तहेदिल से सराहना करता हूं। हमारी सरकार निर्विवाद रूप से यह चाहती है कि हरियाणा प्रदेश की 2.5 करोड़ जनता को रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई और दवाई ये पांचों चीज़ें बिना किसी भेदभाव के मिलनी चाहिएं। हमारी सरकार द्वारा विकास और प्राथमिकता को मद्देनजर रखते हुए इसके लिए प्रदेश के नौ क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। इसमें महिला, युवा, कृषि, अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और ग्रामीण व शहरी विकास इत्यादि प्रमुख हैं। इससे गरीब से भी गरीब व्यक्ति के जीवन में भी पर्याप्त सुधार होगा। ऐसा मेरा मानना है। आदरणीय अध्यक्ष जी, हरियाणा की सरकार ने देश की 125 करोड़ जनता के समक्ष समर्पित यह सिर्फ हिन्दुस्तान ही नहीं अपितु पूरी दुनिया के सर्वाधिक शक्तिशाली माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो संकल्प लिया है कि "सबका साथ और सबका विकास।" इस मूल मंत्र को लेकर के उसमें एक अध्याय और जोड़ करके, एक कदम और आगे बढ़ा करके हरियाणा के विकास में किसी प्रकार के क्षेत्रवाद की, किसी प्रकार के परिवारवाद की, किसी प्रकार के जातिवाद की और किसी प्रकार के भाई–भतीजावाद की बदबू न आये इसलिए इसमें "हरियाणा एक, हरियाणवी एक" का लक्ष्य इसमें जोड़ा है। जिससे हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता का समग्र विकास हो और इसी मकसद से माननीय मुख्यमंत्री जी चले हुये हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने इस हरियाणा की धरती पर एक और इतिहास रचा है कि पिछले 2 वर्ष के कार्यकाल में सभी 90 विधान सभा क्षेत्रों

का दौरा करते हुये वहां पर विकास कार्य करवाने के लिए करोड़ों रुपये की अनुदान राशि प्रदान की है । इससे पहले के जो मुख्यमंत्री रहे हैं वे तो जिस विधान सभा क्षेत्र से चुन कर आते थे केवल वहीं का विकास करवाते थे । किसी ने भिवानी में विकास करवाया तो किसी ने सिरसा में विकास करवाया, किसी ने हिसार में विकास करवाया तो किसी ने रोहतक और झज्जर में विकास करवाया । इसी क्षेत्रवाद के कारण कहीं पर उत्तर हरियाणा के लोग तथा कहीं पर दक्षिण हरियाणा के लोग आज सदन में आवाज उठा रहे हैं । मुख्यमंत्री जी ने सबका–साथ, सबका–विकास से आगे बढ़ते हुये हरियाणा एक–हरियाणवी एक की तर्ज पर पूरे हरियाणा का समान विकास करके इतिहास रच दिया है । अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जन–धन योजना शुरू की थी जिसके तहत दिसम्बर, 2016 तक हरियाणा प्रदेश में 56.75 लाख बैंक खाते खोले गये हैं अन्यथा अपने प्रदेश में बहुत से लोग ऐसे थे जिन्होंने कभी बैंक का मुंह नहीं देखा था । इस योजना के तहत प्रदेश में 56.75 लाख बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें 2473 करोड़ रुपये जमा हुये हैं और 43. 91 लाख खातों को आधार से जोड़ा गया है । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार की तर्ज पर 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने का काम किया है और उनके एरियर का भी भुगतान कर दिया गया है । हरियाणा पूरे देश में ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया है । अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की 2 बेटियों कुमारी साक्षी मलिक जिन्होंने रियो पैरालम्पिक में कुश्ती में कांस्य पदक जीता और सुश्री दीपा मलिक ने रियो पैरालम्कि में शॉटपुट में रजत पदक जीत कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है उनको सरकार ने क्रमशः 2.5 करोड़ और 4 करोड़ रुपये की राशि इनाम के तौर पर दी है । अध्यक्ष महोदय, अब मैं सरस्वती नदी के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं । सरस्वती नदी और उसके विकास के लिए सरकार ने सरस्वती हैरीटेज बोर्ड का गठन किया है । सरस्वती नदी मेरे विधान सभा क्षेत्र से भी गुजरती है जिसके ऊपर करोड़ों रुपये की राशि खर्च करके उसको पुनर्जिवित किया जाये इसके लिए जगह–जगह पर पुल बनाये गये हैं और लगभग 3 महीने तक उसमें पानी भी प्रवाहित करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, इस सरस्वती नदी में जब पानी छोड़ा जायेगा तो जहां–जहां से भी सरस्वती नदी गुजरेगी और वहां पर जब लगातार पानी चलेगा तो जो इलाके डार्क जोन में हैं वहां का जल–स्तर भी ऊपर आ जायेगा । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कह रहे हैं कि जब इसमें पानी छोड़ा जायेगा तो डार्क जोन के एरिया का जल–स्तर ऊपर आ जायेगा इसलिए यह बताया जाये कि नदी में पानी क्या ट्यूबवैल्स से छोड़ा जायेगा?(शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती गीता भुक्कल जी ने अभी तक वहां जा कर देखा भी नहीं है जबकि वहां पर इतना बड़ा प्रोजैक्ट चल रहा है । मेरा आपके माध्यम से माननीय विपक्ष के साथियों से अनुरोध है कि ये वहां पर जा कर देखें, वहां पर पानी ऊपर आ गया है । ये बोलने से पहले वहां पर जा कर देख लें । (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय बहन गीता भुक्कल जी ने सरस्वती नदी के संबंध में एक जिज्ञासा प्रकट की है । अध्यक्ष महोदय, पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों ने आदिबद्री से सरस्वती महानदी का विकास बताया है और आदिबद्री आपके चुनाव क्षेत्र में है । इसरो जो भू विज्ञान के बारे में दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है उसने और नासा जो स्पेस में अमेरिका की सबसे बड़ी रिसर्च कॉरपोरेशन है उसने जो नक्शा पुराने समय से इन दोनों अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने बनाया उस मार्ग को हमने आदिबद्री से लेकर मुगल वाली गांव तक और मुगल वाली से लेकर अम्बो वाली तक लगभग 32 किलोमीटर का यह जो मार्ग है जिसकी 8 फीट नीचे तक खुदाई हुई है उसके नीचे बहती हुई सरस्वती को पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों ने आकर देखा है । अभी सैटेलाईट इमेज से यह साबित किया गया है और यही ही नहीं राखी गढ़ी हिसार में हमने एक अनावरण किया । कुनाल में हम अभी अनावरण करने जा रहे हैं । पूरी दुनिया के जो वैज्ञानिक हैं उन्होंने कहा कि राखी गढ़ी में जो यह सरस्वती का बहाव मिला है, जो नगर मिला है, जो कंकाल मिले हैं, जो अवशेष मिले हैं उनको पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों ने यह कहा है कि this is the most ancient civilization of the world. अब तक हड़प्पा, मोहन जोदड़ो को सबसे प्राचीन सभ्यता माना गया है । परन्तु राखी गढ़ी के बाद पूरी दुनिया ने इस बात को कहा है कि this is the most ancient civilization of the world और सरस्वती का जो जिक्र है वह वेदों में 27 बार आता है । कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि सरस्वती नदी गंगा नदी से भी प्राचीन नदी है । गीता जी, आप तो शिक्षा मंत्री रही हैं । आपको तो इन सारी बातों की जानकारी होनी चाहिए ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं शर्मा जी से एक जानकारी लेना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप जानकारी ले सकते हैं ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं भी मंत्री जी से एक जानकारी लेना चाहती हूं । मन्त्री जी ने कहा है कि मैं शिक्षा मंत्री रही हूं इसलिये मैं आपसे जानकारी प्राप्त करना चाहती हूं । भाई पवन सैनी जी सरस्वती नदी के बारे में बोल रहे हैं और वह बहुत अच्छा बोल रहे हैं । यह अच्छी बात है कि सरकार ने सरस्वती नदी को लेकर बड़ा अच्छा प्रचार–प्रसार किया हुआ है और वह ऐसा प्रचार–प्रसार किया हुआ है जैसे कि भारतीय जनता पार्टी ने सरस्वती नदी को प्रकट किया हो । सरस्वती नदी बहुत प्राचीन नदी है और यह नदी हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति तथा और सभी चीजों से जुड़ी हुई बात है । इसलिये यह बड़ा गम्भीर विषय है । यह नहीं है कि यह विषय केवल आज सदन में उठाया है या इस सरकार के आने के बाद उठाया है । इस पर पहले भी बहुत ज्यादा चर्चा होती रही है जिस समय मैं कलायत से विधायक थी और आज भी मेरा कलायत से पूरी तरह वास्ता है । उस समय इसरो की जो पिक्चर्स आई थी उस समय उन पर बड़ा रिसर्च वर्क हुआ । ओ.एन.जी.सी. ने भी 10 करोड़ रूपये सरस्वती नदी के उद्‌गम और उसके कार्य के लिये दिया था। मैं तो केवल अपनी जानकारी को दुरूस्त करना चाह रही हूं कि बहुत सारी जगहों पर जहां पर सरस्वती नदी का प्रभाव बताया जा रहा है और सरकार ने उस पर पैसा लगाने की कोशिश भी की है । हमने भी सरस्वती नदी का पानी अभी अच्छे से देखा नहीं है तो किसी दिन आप विधान सभा में दिखा दें ।

श्री अध्यक्ष : बहन जी , वह बड़ा अच्छा स्थान है आप जी एक दिन वहां आओ आपकी वहां पूजा भी करवा देंगे ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, क्योंकि सरस्वती नदी का पानी कलायत कपिल मुनि सरोवर से होता हुआ निकला है। माननीय शिक्षा मंत्री पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर है जो सरस्वती नदी और उसके पानी को लेकर बड़े गम्भीर हैं । मैं केवल इतना जानना चाह रही हूं कि वहां पर जो पैसा आया था और जो रूट कलायत का बताया गया है क्या वहां पर भी इस समय कार्य चल रहा है ? जहां आर्कियोलॉजी डिपार्टमैंट ऑफ इण्डिया ने बहुत सारी ऑब्जैक्शंज लगाई थी । क्या वहां पर खुदाई का कार्य होगा ? अध्यक्ष महोदय, जब सरस्वती नदी का पानी

खुदाई करके निकाला गया था उस समय यह पानी काफी गर्म था और वैज्ञानिकों द्वारा तो यह बात भी कह दी गई थी कि इस पानी में सोने के छोटे–छोटे कण निकल रहे हैं। अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि गंगा नदी से भी पुरानी सरस्वती नदी के विकास की दिशा में जो प्रचार व प्रसार सरकार द्वारा किया जा रहा है, क्या उसकी बदोलत मेरे कलायत क्षेत्र को भी सरस्वती नदी के पानी के दर्शन हो सकेंगे?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहन गीता जी को विश्वास दिलाता हूँ कि कलायत का जो मार्ग इन्होंने अभी बतलाया है, उस रूट पर सरस्वती नदी के पानी के दर्शन निश्चित रूप से होंगे।

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, अब जबकि सदन में सरस्वती नदी की बात चल रही है तो उस परिपेक्ष्य में मैं यह जरूर कहना चाहूँगा कि सरकार की तरफ से कहीं न कहीं यह प्रयास जरूर किए जा रहे होंगे कि सरस्वती नदी के नाम पर लोगों में एक नई गलतफहमी पैदा कर दी जाए। मैं इलाहाबाद में कुम्भ के नहान पर गया था। कुम्भ के चार नहान होते हैं और चारों नहानों को पवित्र नदियों के साथ जोड़ा गया है। उज्जैन, गंगा व इलाहाबाद पवित्र नदियों के लिए मशहूर हैं। इलाहाबाद में तीन नदियों का संगम है अर्थात गंगा, यमुना व सरस्वती। एक तरफ तो यह कहा जा रहा है कि सरस्वती नदी लुप्त हो गई है वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है कि इलाहाबाद में गंगा, यमुना और सरस्वती तीन नदियों का संगम है। अब मैं दूसरी बात बताता हूँ। इसरो की रिपोर्ट के मुताबिक सरस्वती नदी के पानी को बाढ़मेर से पाकिस्तान में जाता हुआ दिखाया गया है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह नदी पहले पाकिस्तान गई थी और उसके बाद वहां से घूमकर वापिस इलाहाबाद आई? नदी का जो पानी होता है वह स्वयं रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ता जाता है और किसी भी सूरत में वापिस घूमकर नहीं आता है। वास्तव में पानी अपना रास्ता खुद बनाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात आपसे यह जानना चाहूँगा कि क्या नदी को खोदकर पानी निकाला जा सकता है? हमने यह तो सुना है कि नहरों की खुदाई हुई या फिर खाल की खुदाई हुई परन्तु नदियों की खुदाई करके उससे पानी निकालने का काम केवल और केवल इस राज में किया जा रहा है। क्या नदी को खोदकर पानी निकाला जा सकता है? नदी का पानी तो पूर्णतया पहाड़ों से चलकर आता है और चलते–चलते अपना रास्ते बनाते हुए आगे बढ़ता जाता है और अंत में अपने अंतिम छोर तक पहुंच जाता है। अतः मैं पंडित जी श्री

राम बिलास शर्मा जो कि बहुत ही ज्ञानी आदमी हैं, से जानना चाहता हूँ कि वे एक बार यह बता दें कि जब सरस्वती नदी लुप्त हो चुकी है तो फिर इलाहाबाद में संगम कैसे बना?

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप इस तरह के प्रश्न उठाकर मामले को विवाद में उलझाना चाहते हैं। अगर शर्मा जी इलाहाबाद के संगम को सही ठहरा देते हैं तो उस परिस्थिति में आप इसरो की रिपोर्ट का हवाला दे देंगे। (हंसी)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या कभी नदियां खोदकर पानी निकाला जाता है ? हमने नहरें खुदती हुई देखी हैं तथा खालें खुदती हुई देखी हैं लेकिन नदियां खोदकर पानी निकालने वाली घटना इस राज से पहले कभी नहीं देखी।

श्री अध्यक्षः अभय जी, सरस्वती नदी लुप्त हो गई थी इसलिए खोद रहे हैं। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, अब जब कि बात सरस्वती नदी की चल रही है तो इसके साथ अपनी बात को जोड़ते हुए मैं एक बात और भी पूछती हूं कि पिछली बार कहा गया था कि राखीगढ़ी को सांस्कृतिक धरोहर के तौर पर बहुत जबरदस्त व अच्छे तरीके से विकसित किया जायेगा और म्यूजियम बनाने की बात भी कही गई थी लेकिन अफसोस है कि राज्यपाल अभिभाषण में भी किसी तरह के म्यूजियम बनाने की कोई बात तक भी नहीं की गई है। चाहे सरस्वती नदी हो या राखीगढ़ी का स्थान हो यह सब हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और इनको संजोकर रखना हम सबका कर्त्तव्य है।

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय किरण चौधरी की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि राखीगढ़ी में म्यूजियम का कार्य प्रौग्रेस में है।(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के शासन काल में राखीगढ़ी को सांस्कृतिक धरोहर के तौर पर विकसित किया गया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, राखीगढ़ी तो एक राष्ट्रीय संपत्ति है और राष्ट्रीय संपत्ति पर किसी पार्टी व संगठन का कोई अधिकार नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने राखीगढ़ी जैसी सांस्कृतिक धरोहर को बड़ा ही सहेजकर रखा है। यही नहीं हमारी सरकार ने तो सरस्वती नदी के अस्तित्व की भी खोज की है और इस दिशा में अनेक सार्थक प्रयास भी किए जा रहे है और बहन गीता जी सांस्कृतिक विरासत की चीजों को भी राजनीतिक रूप देने का प्रयास कर रही हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, आप महीपाल जी को समझाओ कि जब कोई महिला सदस्य बात कर रही हो तो उनको बीच में टीका–टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। (हंसी व विघ्न)

श्री महीपाल ढांडाः बहन जी, मैंने कोई गलत बात तो नहीं की है। मैं तो सच्चाई बयान कर रहा था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, जब सीनियर सदस्य चर्चा के बीच में टीका–टिप्पणी करते हैं और उस तरह के व्यवहार को जब सदन के नए सदस्य देखते हैं तो वह भी उसी तरह की टीका–टिप्पणी करना सीख जाते हैं। अगर आप जैसे सीनियर मैम्बर्ज अच्छी परंपराएं इस सदन में पैदा कर देते तो नए सदस्यों को भी इससे अच्छा ही सीखने को मिलता और वे सदन में अच्छा बर्ताव करते? (शोर एवं व्यवधान) यह तो आपको मानना पड़ेगा की नए सदस्यों का राजनीतिक ज्ञान आप जैसे सीनियर मैम्बर्ज से ज्यादा होने वाला तो नहीं है?

श्रीमती गीता भुक्कलःअध्यक्ष महोदय, आपको इस तरह के व्यवहार को रोकना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बहन जी, मैं तो रोकता ही हूँ पर कहीं न कहीं आप जैसे सीनियर मैम्बर्ज की भी जिम्मेदारी जरूर बनती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, ज्ञान चाहे थोड़ा हो या ज्यादा हो या फिर कोई सदस्य सीनियर हो या नया सदस्य हो, सबको एक दूसरे का सम्मान जरूर करना चाहिए लेकिन बात तो तब बिगड़ती है जब नए सदस्य अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रश्न करके अपने अल्प ज्ञान को पूरा करने की कोशिश करते हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, मैं फिर कहता हूँ कि जितना ज्ञान आप जैसी सीनियर मैम्बर को है, उतना ज्ञान सदन के नए सदस्यों को नहीं होगा? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, राखीगढ़ी हरियाणा का एक महत्वपूर्ण स्थल है । (शोर एवं व्यवधान) यह हरियाणा की एक पुरातन धरोहर है । हमसे पिछली बार कहा गया था कि इस पर कार्यवाही की जाएगी परंतु आज तक टूरिस्ट प्लेस के नाम पर उसका नामो–निशान भी हरियाणा में नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) हम पॉजीटिव बात कर रहे हैं लेकिन यह बात इन्हें समझ में नहीं आ रही हैं । (शोर एवं व्यवधान) आपको हमारी बात शांति से सुननी चाहिए । हम आपके फायदे की बात बता रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष जी, बहन गीता जी ने बहुत अच्छी बात कही थी कि यहां सरस्वती नदी बहनी चाहिए । हरियाणा विधान सभा में भी सरस्वती अवश्य बहनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान) मैं उनकी बात का समर्थन करता हूं । हालांकि इस बात पर कुछ लोग हंसे थे । मैं अभय सिंह जी को बताना चाहता हूं कि हमारी संस्कृति में दो चीजें साथ–साथ चलती हैं । कुछ चीजें सिम्बोलिक चलती हैं । जिस तरह से अभी माननीय सदस्य एस.वाई.एल. का आन्दोलन सिम्बोलिक करके आए हैं । कुछ चीजें सिम्बोलिक चलती हैं और कुछ चीजें वास्तव में चलती हैं । इसलिए देश में सौ जगह गंगा मिल जाएगी कहीं पर बाण गंगा है, कहीं पर गुप्त गंगा है तो कहीं पर हनुमान गंगा है । हर जगह वास्तविक गंगा उपलब्ध नहीं है लेकिन लोगों ने गंगा को मानने की, उसके पवित्र भाव को मानने की कोशिश की है कि यहां पर गंगा नदी है । लोगों ने हर जगह गंगा को मानने की कोशिश की है कि यहां पर गंगा नदी है । लोगों ने हर जगह गंगा के पवित्र भाव को मानने की कोशिश की है । यह हमारी संस्कृति का एक हिस्सा है । कोई व्यक्ति चाहे जिस जगह पर भी रहता है उसने गंगा नदी को उसी भाव से वहां पर उपस्थित मान लिया है । यह बात भी ठीक है कि सरस्वती नदी आदि बद्री से चलकर गुजरात होते हुए अरब सागर तक जाती थी । यह नदी अब विलुपत हो चुकी है । आज जितना पानी जमीन के ऊपर बह रहा है उससे ज्यादा पानी जमीन के नीचे बह रहा है । हम अभी भी उस पानी को रैनीवेल से निकालकर पलवल, फरीदाबाद आदि इलाकों में उपयोग करते हैं । मैं भूगोल का विद्यार्थी रह चुका हूं । कई बार ऊपर का प्रवाह समाप्त होने के पश्चात भी नीचे का प्रवाह समाप्त नहीं होता है । इसरो और अन्य संस्थाओं ने बताया है कि नीचे भी एक चैनल है, एक प्रवाह है तथा हमें देखना चाहिए कि इसे बाहर लाना वायबल है या नहीं है । (विघ्न) आज भी समुद्र में धाराएं चल रही हैं । यह बात मुझे भूगोल का विद्यार्थी होने के नाते पता है कि समुद्र में पानी के बीच भी पानी चलता है लेकिन सब जगह पर धारा नहीं चलती है या बाकी जगह पर पानी की मात्रा अलग होती है । (विघ्न) मैं आपको साइंटिफिक तथ्य बता रहा हूं । हर नदी के नीचे उसका अपना प्रवाह चलता है । हम रैनीवेल से पानी निकालते हैं । समुद्र के अंदर भी गर्म और ठण्डे पानी की समुद्री धाराएं चलती हैं । (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि नदियां चाहे जमीन के ऊपर चलती है चाहे नीचे चलती हैं उन नदियों का पानी कहां से आता है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप आदमी की सोच यही है कि नदियां सिर्फ जमीन के ऊपर चलती हैं लेकिन वैज्ञानिक यह मानते हैं कि एक प्रवाह जमीन के नीचे भी चलता है । (शोर एवं व्यवधान) वैज्ञानिकों ने जब पानी की टेस्टिंग की तो उन्होंने पाया कि जो पानी आदिबद्री में है वही पानी सिरसा में भी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, जमीन के नीचे पानी में तबदीली होती रहती है । हमने खेत में सन् 1978 में ट्यूबवैल का बोर करवाया था । पानी तो बदलता रहता है । उस समय पानी 800 फुट नीचे था और उसका स्वाद जहर जैसा था । आज की तारीख में वहां 8 फुट पर पानी है और उसका स्वाद शर्बत जैसा है । माननीय मंत्री जी जिस सरस्वती नदी की जगह की बात कर रहे हैं कि खुदाई के दौरान उसका पानी मीठा पाया गया है । हो सकता है कि कल को वहां का पानी भी जहर जैसा हो सकता है । यह कहां लिखा हुआ है कि उस जगह का पानी मीठा ही होगा ।

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, मुझे एक बात समझ नहीं आती कि सरस्वती नदी के उद्गम स्थल से इण्डियन नैशनल लोकदल को क्या हर्ज है ? (शोर एवं व्यवधान) अगर सरस्वती नदी का उद्गम स्थल हरियाणा में है तो हमें इस पर गर्व होना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, हमने तो आज तक एक ही गंगा का नाम सुना है और उसी में डुबकी लगाकर लोग अपने पाप धोकर आते हैं । (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने 10 गंगाओं के तो नाम बता दिये हैं । अतः मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इनसे जो प्रश्न पूछा गया है उसी का उत्तर दें और सदन का ध्यान डायवर्ट न करें । (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ये वैज्ञानिक बातों को स्वीकार करें क्योंकि वैज्ञानिक तथ्यों को पॉलिटिकल भाषणों से नहीं काटा जा सकता । इसी तरह से जब शिवालिक उत्पन्न हुई तो सरस्वती नदी का प्रवाह ऊपर से रूक गया और वह पानी यमुना नदी में शामिल होकर दूसरी तरफ बहने लगा । हमारे विद्वानों ने माना है कि अप्रत्यक्ष रूप से इलाहाबाद में भी सरस्वती उपस्थित है क्योंकि सरस्वती नदी का

पानी डायवर्ट होकर उस चैनल से जाना शुरू हो गया था । इसीलिए सरस्वती नदी की इलाहाबाद में भी मान्यता है । ये मान्यताएं हमारी बहुत–सी भावनाओं के साथ जुड़ी हुई हैं इसलिए इसको उस रूप में देखते हैं । सरस्वती धारा का चयन जितने भी साईंटिफिक तथ्य हैं उसके कारण से हुआ है। पानी सब जगह होता है लेकिन पानी की मात्रा उस तरह की नहीं होती है। पानी की क्वालिटी अलग–अलग होती है। पानी के प्रकार अलग–अलग होती हैं। उसी प्रकार साईंटिफिक तथ्य के आधार पर माना गया है कि सरस्वती नदी की धारा का प्रवाह यहां से लेकर पूरे रास्ते में उसकी खोज हुई है। इसलिए आस्थापूर्वक उसको मानना अच्छी बात है।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने मौलिक सवाल पूछा है और माननीय कृषि मंत्री जी ने भी बड़ा अच्छा जवाब दिया है। अध्यक्ष महोदय, इलाहाबाद में नीले रंग के पानी को गंगा नदी का पानी मानते हैं और मटियाला रंग के पानी को यमुना नदी का पानी मानते हैं और सरस्वती नदी लुप्त रूप से बहती है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक फर्माया गया है कि जो सरस्वती का पुराना मार्ग है वह आदिबद्री नाथ से लेकर के मुगल वाली और अम्बा वाली तक है और लगभग 32 किलोमीटर एरिया में खुदाई कर ली गई है। यह पानी हनुमानगढ़ होते हुए जैसलमेर, बीकानेर और नेता प्रतिपक्ष ने सही कहा कि कच्छभुज तक बीच में पाकिस्तान जो पहले हिन्दुस्तान का ही अंग हुआ करता था, वहां तक जाती है। कच्छभुज से वापिस का जो रास्ता है वह संगम में जाकर के जो बहुत बड़ा मार्ग तय होता था वह सरस्वती नदी का ही मार्ग था। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी कोई भी बात पूरी तरह से घुमा देते हैं। (शोर एवं व्यवघान)

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, बात घुमाना चौधरी देवी लाल से ही सीखा है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्ष: शर्मा जी, ने बड़ी बात कही है कि बात घुमाना चौधरी देवी लाल से सीखा है। (शोर एवं व्यवघान)

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, इसरो और नासा में भी इसका जिक्र किया गया है। सरस्वती नदी की खोज पर अन्तर्राष्ट्रीय सैमिनार पंचकूला में किया गया उस सैमिनार में बहुत बड़े–बड़े वैज्ञानिक शामिल हुए । अध्यक्ष महोदय, मैं बहन गीता भुक्कल जी की शंका का समाधान करता हूँ क्योंकि गीता जी का नाम ही ऐसा है इसको हमने पाठ्क्रम में शामिल किया है । गीता ज्ञान ही नहीं अपितु

विज्ञान भी है। गीता शंका भी है और समाधान भी है। गीता भारत की रीत भी है और प्रीत भी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पत्रकार/छायाकार व पूरे सदन को निमंत्रण देता हूँ कि सरस्वती नदी की धारा की खोज के लिए जो आदिबद्री नाथ से लेकर के अम्बा वाली तक 32 किलोमीटर एरिया में खुदाई की है उसमें बहती हुई सरस्वती नदी की धारा के दर्शन करवायेंगे यदि कोई सदस्य स्नान करना चाहे उसे स्नान भी करवायेंगे।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए एक बात लाना चाहता हूँ कि मुझे लगता है कि सरकारों के साथ–साथ सरस्वती नदी की खुदाई का काम भी बदल गया है। भारतीय जनता पार्टी से पहले जो कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, उसने भी सरस्वती नदी की धारा की खोज में 63 किलो मीटर की खुदाई उचा चाँदना से लेकर के पीपली तक की थी। लेकिन आज तक उसमें पानी नहीं आया। (शोर एवं व्यवघान)

श्री श्याम सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, सरस्वती नदी की खुदाई उचा चॉदना से कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने गलत खोदी थी। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, उचा चाँदना राणा जी का एरिया पड़ता है इसलिए वह इस बात का अच्छी तरह से जानते हैं। (शोर एवं व्यवघान)

श्री श्याम सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, सरस्वती नदी की खोज के लिए खुदाई आदिबद्री नाथ से शुरू करनी चाहिए थी ना कि उचा चाँदना से। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः राणा जी, नेता प्रतिपक्ष ने तो वही बात कर दी जैसे एस.वाई.एल. कैनाल का पानी जहाँ से आना था वहाँ से नहर ना खोदकर बल्कि आगे से नहर खोद दी। (शोर एवं व्यवघान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार के साथ–2 क्या नदी ने अपना रास्ता बदल दिया, मुझे लगता है कि पिछली सरकार ने जो खुदाई की है (शोर एवं व्यवधान) उससे लगता है कि नदी का रास्ता ही बदल दिया है।

श्रीमती गीता भुक्कलः स्पीकर सर, सरकार ने यह बात तो मान ली कि सरस्वती नदी कांग्रेस सरकार के शासनकाल में खुदाई शुरू हुई थी। माननीय जसविंदर सिंह संधु जी बैठे हुए हैं। पेहवा में सरस्वती तीर्थ स्थल है तथा बोर्ड भी बना हुआ है। ये कोई तरीका नहीं है कि अगर कांग्रेस सरकार ने कोई गलत काम किये तो अब की सरकार भी ऐसा है करेगी। यह कोई तरीका नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैडम, ऐतराज तो आप कर रहे हैं हम तो आपके काम की तारीफ कर रहे हैं। (शोर एवं व्यावधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कहां से सरस्वती नदी की खुदाई की है यह जानकारी भी होनी चाहिए।

डा0 पवन सैनीः आदरणीय अध्यक्ष जी, इसी प्रकार खासकर मेरे विधानसभा क्षेत्र में एक राष्ट्रीय नदी है उस पर भी पिछली सरकार ने वैसे ही करोड़ों रूपये बेकार में खर्च किये। ऐसे सीधी खुदाई की गई और उसकी मिट्टी बेचकर पता नहीं क्या किया। मैं उसका हिसाब ही नहीं मांगना चाहता। लेकिन अपनी सरकार में लगभग ढाई –तीन करोड़ रूपये खर्च करके उस सारी नदी का एक तरफ 6 फीट तथा दूसरी तरफ 12 फीट का किनारा बनाया । अब वास्तव में लगता है कि यह नदी बनी है। आदरणीय अध्यक्ष जी, केन्द्र सरकार में स्वदेश दर्शन नाम की एक स्कीम है। टूरिज्म सर्किट के अन्तर्गत चल रही है जैसे मैं अभी सरस्वती नदी का जिक्र कर रहा था। सरस्वती धरोहर जो स्थल है वह आदि बद्री, पेहवा, कुरूक्षेत्र, कलायत, कुनाल, धिराणा तथा राखी गढी तक है, जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी की लीडर बहन श्रीमती किरण चौधरी पूछ रही थी। सरकार इन सबके विकास के लिए योजना बना रही है और इन सब योजनाओं पर काम चलेगा। केन्द्र सरकार ने एक भारत श्रेष्ठ भारत स्कीम की तर्ज पर हरियाणा सरकार ने एक अन्तरराजीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है जिससे दो राज्यों की संस्कृति का आपस में आदान–प्रदान हो सके। इस कार्यक्रम के लिए तेलंगाना राज्य से हरियाणा सरकार ने एक समझौता किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, हिन्दुस्तान के मानचित्र पर हरियाणा एक अलग राज्य बना और आज हम ये स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहे हैं। इस प्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है और उसकी उपलब्धियों को मानने का भी हमें एक सुनहरा अवसर मिला है और इस स्वर्णिम पुरातन इतिहास पर हमें गर्व है। उसको लेकर आगामी महीनों में हरियाणा सरकार हरियाणा साहित्य संगम, स्वर्ण जयंती प्रवेश द्वार, स्वर्ण जयंती स्मारकों का निर्माण और प्रत्येक गांव के अन्दर उस गांव के महापुरूष तथा शहीदों की जो भी गौरवशाली गाथा होगी उसका प्रत्येक–प्रत्येक गांव में उनके नाम का गौरव पट्ट लगाया जाएगा। सरकार विकास योजनाओं की विकास यात्रा निकालेगी, सांस्कृतिक धरोहर, उत्सव, क्लासिकल सर्किट, हरियाणा फिल्म उत्सव पर प्रर्दशनियों, यूथ असेम्बली, औद्योगिकी मेले, आई. टी. शो, वनीकरण अभियान, खेल महाकुंभ, योग प्रतिस्पर्धाएं, पशु आरोग्य अभियान,

स्वांग तथा रागिनी उत्सव जैसे अभियान उसमें शामिल हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, अपने प्रदेश में 6 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक कुरूक्षेत्र में गीता जयंती उत्सव मनाया गया। माननीय अध्यक्ष जी, यह उत्सव वार्षिक मनाया जाता है। अब की बार हरियाणा सरकार ने भगवान कृष्ण जी ने जहां गीता का उपदेश दिया था जैसा माननीय मंत्री जी श्री रामबिलास शर्मा जी ने बताया गीता एक ज्ञान है, गीता एक विज्ञान है, गीता एक गीत है। गीता पूरी दुनिया का एक सर्वमान्य और सर्वग्राही ग्रन्थ है और उसको वर्तमान सरकार ने अपने पाठ्यक्रम में भी जोड़ने का काम किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस गीता जयंती उत्सव को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का फैसला लिया था, जो इस बार मनाया गया है और उसमें अभूतपूर्व संख्या में लोग आये। ऐसा मानना है कि उस उत्सव में लगभग 25 लाख के करीब लोग देश और विदेशों से वहां पर आये। माननीय अध्यक्ष जी हरियाणा पहली बार पढ़ी–लिखी पंचायतों का प्रदेश बना है, पिछली सरकार के समय में भी जब सर्व–सम्मति से कोई पंचायत गठित होती थी तो उस पंचायत को 50 हजार रुपये या 1 लाख रुपये सरकार द्वारा दिए जाते थे ऐसा हम सुनते थे। पहली बार हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने और हमारे जो पंचायत मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी ने गांव के अंदर भाई–चारा बने और हरियाणा एक–हरियाणवी एक, उस लक्ष्य को हम लोग प्राप्त कर सके। इस बात को ध्यान में रखकर प्रदेश सरकार ने ऐसी पंचायत को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की है, उसके लिए मैं उन्हें बहुत–बहुत बधाई देता हूं। इस बात पर मुझे गर्व भी है और फख्र भी है। पूरे हरियाणा के अंदर सबसे ज्यादा सर्व–सम्मिति से पंचायत मेरे लाडवा हल्के के अंदर गठित हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, उन सभी पंचायतों को उनके जो सरपंच हैं, सबका एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर भी हरियाणा सरकार ने लगाया और उनको सशक्त करने के लिए जिला–परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम–पंचायतों को और अधिक दायित्व देने का भी वर्तमान सरकार ने फैसला लिया है। प्रदेश की 6205 पंचायतों में से 4834 पंचायतों ने हमारी योजना हमारा विकास स्कीम के तहत अपने–अपने गांवों में किस प्रकार से विकास हो उसको लेकर योजनाएं बनाई हैं। जिस प्रकार से चण्डीगढ़ में हरियाणा सचिवालय है और प्रत्येक जिला हेड क्वार्टर पर मिनी सचिवालय हैं, इसी प्रकार से एक महत्वाकांक्षी योजना माननीय मुख्यमंत्री जी ने बनाई है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 1131 गांवों में ग्राम सचिवालय खोले गए हैं, जिनके अंदर 679 अटल सेवा केन्द्र हैं और ग्रामीण विकास के लिए गर्वित युवा

स्कीम चलाई हैं, जिनके माध्यम से युवाओं की ऊर्जा को अपने प्रदेश के विकास के लिए सकारात्मक दिशा में लेकर के जाया जा सके। हरियाणा राज्य के 14 जिले शौच मुक्त स्वच्छता अभियान के तहत हुए हैं और इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस स्वच्छता के लिए स्वर्ण जयंती पुरस्कार योजना की भी शुरुआत की है। माननीय अध्यक्ष जी, सरकार ने फरीदाबाद और करनाल को दो नये राजस्व मंडलों का दर्जा दिया है और एक नया जिला चरखी दादरी बनाने का काम किया है। प्रदेश के अंदर 11 नई सब–तहसील, 11 नई तहसील बनाई गई है और 10 सब–डिवीजंज बनाए गए हैं। सिंचाई के क्षेत्र में 25 करोड़ रुपए की लागत से 13 जिलों के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई की एक पायलट परियोजना की भी शुरुआत की है। माननीय अध्यक्ष जी, स्वच्छ सौर ऊर्जा को प्रशस्त करने के लिए हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम द्वारा पानीपत ताप बिजलीघर में 10 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना चालू की गई है। माननीय अध्यक्ष जी, हरियाणा सरकार ने जो पिछली सरकारें हमेशा घोषणाएं करती थीं कि हर साल के शुरुआत में 31 दिसम्बर तक हम हरियाणा के प्रत्येक गांव के अंदर 24 घंटे बिजली देंगे। पिछले मुख्यमंत्रियों ने इसी प्रकार से घोषणाएं कीं, लेकिन वास्तव में इसको मूर्त रूप देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने अमलीजामा पहनाने का काम किया है। आज पूरे हरियाणा के अंदर पंचकूला एक ऐसा जिला है जहां 24 घंटे बिजली सप्लाई दी जाती है और इसके साथ–साथ प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र के अंदर भी हमारा गांव–जगमग गांव की योजना की शुरुआत की। जिससे लगभग 31 ग्रामीण फीडरों पर 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारी सरकार ने प्रदेश में बिजली की आपूर्ति करने के लिए 2022 तक 4030 मैगावाट अतिरिक्त बिजली सौर उर्जा क्षमता से सृजित करने का बहुत बड़ा महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा है । इसी तरह से प्रदेश में बढ़ते हुए लिंगानुपात को सही करने के लिए हमारी सरकार ने बेटी–बचाओ, बेटी–पढ़ाओ अभियान की शुरूआत की थी जिसके बहुत अच्छे उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं । यही कारण है कि प्रदेश में जो लिंगानुपात का रेशो बिगड़ा हुआ था उसमें काफी सुधार हुआ है । 2015 में जहां प्रदेश में 1000 लड़कों के पीछे 876 लड़कियां थी उसमें सुधार होकर 2016 में 900 लड़कियां हो गई हैं । अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार को केन्द्र सरकार द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है । इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और सरकार को बधाई देता हूं । अध्यक्ष महोदय, हरियाणा क्षेत्रफल के

हिसाब से देश का 1.4 प्रतिशत होने के बावजूद भी हमारे मेहनती अन्नदाताओं की वजह से केन्द्रीय खाद्यान भंडार में 14 प्रतिशत अन्न का योगदान देकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हमारी सरकार ने भी किसानों की तरफ ध्यान देते हुए रबी और खरीफ की फसलों को प्रधान मंत्री बीमा योजना में शामिल किया है । इसके अतिरिक्त हरियाणा बागवानी के क्षेत्र में आगे बढ़े उसके लिए करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है । बागवानी फसलों को वर्ष 2030 तक तीन गुना करने के लिए सरकार ने बागवानी विजन तैयार किया है ताकि किसानों को बागवानी का पूरा फायदा मिल सके । इसी तरह से किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए सरकारी एजैंसी हैफेड ने पहली बार मूंग की फसल की खरीद की है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से गन्ने की फसल के रेट में वृद्धि करते हुए हमारी सरकार ने करनाल और पानीपत चीनी मिलों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने की योजना बनाई है । इसी तरह से हमारी शाहबाद चीनी मिल के अंदर 60 के.एल.पी.डी. इथेनॉल सयंत्र स्थापित करने की योजना है । अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ–साथ हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में जोखिम प्रबंधन और पशुधन बीमा योजना की शुरूआत की गई है ताकि किसानों और पशु पालकों को इसका पूरा लाभ मिल सके । इसी तरह से प्रदेश में देशी नस्ल की हरियाणा साहीवाल, गिर, राठी और थारपारकर आदि गायों की बढ़ौतरी करने के लिए हिसार में गौकुल ग्राम स्थापित करने की योजना है । इसी तरह से हिसार में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सालय व पशु विश्वविद्यालय की आधारशिला रख गई है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बेसहारा पशुओं से निजात पाने के लिए हमारी सरकार ने पानीपत और हिसार में गौ–अभ्यारण्य बनाने का फैसला किया है । मछली उत्पादन में हमारा प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने हरियाणा को मछली रोग मुक्त घोषित किया है जो कि हमारे प्रदेश के लिए गर्व की बात है । हमारी सरकार ने प्रदेश में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए बहुत सी योजनायें चलाई हैं । अध्यक्ष महोदय, देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने हरियाणा को कैरोसिन मुक्त बनाने की महत्वकांक्षी योजना चलाई है । प्रदेश सरकार ने अभी तक 8 जिलों को कैरोसिन मुक्त कर दिया है और आने वाली 31 मार्च तक सभी जिलों को कैरोसिन मुक्त कर दिया जायेगा । अध्यक्ष महोदय, स्कूली शिक्षा में भी गुणात्मक सुधार को प्रदेश सरकार प्राथमिकता दे रही है । पिछली सरकारों के समय में पहली कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक बिना परीक्षा दिए बच्चे

पास कर दिए जाते थे । जिसके कारण दसवीं का रिजल्ट अच्छा नहीं आता था । उस समय यदि 1 मार्च को भी कोई बच्चा आठवीं कक्षा तक स्कूल में एडमिशन लेता था तो उसको भी पास कर दिया जाता था । ऐसा करके पिछली सरकार ने बच्चों के भविष्य के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ किया था । हमारी सरकार आने के बाद अब तिमाही और छमाही पेपर सिस्टम कर दिया गया है । यही वजह है कि इस बार बोर्ड का रिजल्ट अच्छा आया है । इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी को बधाई देता हूं । अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त रोहतक में भारतीय प्रबंधन संस्थान, सोनीपत में भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान और कुरूक्षेत्र के उमरी में राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान स्थापित किये जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक लोगों के स्वास्थ्य की बात आती है पिछली सरकारों के समय में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में किस प्रकार की व्यवस्था थी इस बारे में हम सभी जानते हैं । पिछली सरकारों के समय में सरकारी अस्पतालों से लोगों का विश्वास उठ गया था लेकिन मैं हमारे स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज जी को बधाई देना चाहता हूं कि आज अपने प्रदेश की जनता का सरकार अस्पतालों के प्रति विश्वास बढ़ा है। आज हरियाणा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में जितनी ओ.पी.डी. एक दिन में होती हैं पूर्व की सरकार के समय में उतनी ओ.पी.डी. एक महीने में हुआ करती थी। अन्य क्षेत्रों के अंदर भी चाहे वह पेयजल की बात हो इस मामले में भी सरकार गम्भीरता से प्रयासरत है। इसी प्रकार से चाहे सड़कों की बात हो। आज किस प्रकार से पूरे प्रदेश के अंदर सड़कों का सुदृढ़ीकरण और विस्तारीकरण किया जा रहा है वह सबके सामने है। इसी प्रकार से चाहे पिछड़े वर्गों को लीजिए। उनके कल्याण की बात प्रदेश सरकार ने की है। इसी प्रकार से सैनिक नौजवान जिन्होंने देश की एकता, अखण्डता और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी है उनको दी जाने वाली आर्थिक मदद की राशि को हरियाणा सरकार ने 20 लाख रूपये बढ़ाकर 50 लाख रूपये किया है। इसी प्रकार से वृद्धावस्था पैंशन जो पिछली सरकार के समय में 1000/– रूपये प्रति मास थी उसको हमारी सरकार ने क्रमशः बढ़ाने का एलान किया था जिसके तहत उसको इस स्वर्ण जयंती वर्ष में 1400/– रूपये से बढ़ाकर 1600/– रूपये किया गया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं ज्यादा न कहते हुए यहां पर जो महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने अपने अभिभाषण के रूप में हरियाणा सरकार का जो विजनरी डॉकूमैंट पढ़ा है उसका जो डॉ़ अभय सिंह यादव जी ने धन्यवाद प्रस्ताव यहां प्रस्तुत किया, मैं भी उसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

'' कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाएः–

'कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 27 फरवरी, 2017 को 2:00 बजे मध्याहन पश्चात सदन में देने की कृपा की है'।''

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सदन कल, दिनांक 01 मार्च, 2017 प्रातः 10.00 बजे प्रथम बैठक तक के लिए स्थगित किया जाता है।

13.56 **बजे**

(*तत्पश्चात् सदन की कार्यवाही बुधवार, दिनांक 01 मार्च, 2017 प्रातः 10.00 बजे प्रथम बैठक तक के लिए स्थगित हुई।)